



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

148  
11/7/97

सं० 30]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 26, 1997 (भाद्रपद 4, 1919)

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 26, 1997 (ASADHA 4, 1919)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संग्रहण के लिए रखे जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4

### [PART III—SECTION 4]

[सामान्य सूचनाएँ द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएँ जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

मुम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1997

क्र. 20/1997—भारतीय स्टेट बैंक (समन्वयनी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वां) की धारा 25, उप धारा (1) खण्ड (ग) के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक श्री जी. पी. सीतारा के स्थान पर श्री बी. एम. भिखे, उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ऋण अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय 1—169 GI/97

कार्यालय, मुम्बई को तात्काल प्रमाण में निम्नलिखित सहयोगी बैंकों के निदेशक के रूप में नामित करता है :—

1. स्टेट बैंक आफ शीकानेर एण्ड जयपुर
2. स्टेट बैंक आफ हैदराबाद
3. स्टेट बैंक आफ इन्दौर
4. स्टेट बैंक आफ मैसूर
5. स्टेट बैंक आफ पटियाला
6. स्टेट बैंक आफ सैराष्ट्र
7. स्टेट बैंक आफ त्रावणकोर

एम. एस. वर्मा  
अध्यक्ष

दिनांक 5 जुलाई 1997

दिनांक 5 जुलाई 1997

एसबीडी. क्र. 19/1997—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ दिव्यार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक का. बी. एन. बाफ के स्थान पर ज. के. एस. जे. हेर, वंटेरीनरी कालेज कैम्पस, सिविल लाइन्स, जबलपुर, को स्टेट बैंक आफ इन्दौर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 1 अगस्त 1997 से 31 जुलाई 2000 (बोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

एम. एस. वर्मा  
अध्यक्ष

एसबीडी. क्र. 21/1997—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ दिव्यार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक सुश्री एम. एम. छगपति के स्थान पर सुश्री किरन मजुमदार, 'कारिका', तीसरा ब्लॉक, कोरामंगला, 874/1, सातवां क्रॉस, बंगलौर-560034, को स्टेट बैंक आफ मैसूर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 1 अगस्त 1997 से 31 जुलाई 2000 (बोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

एम. एस. वर्मा  
अध्यक्ष

दिनांक 8 जुलाई, 1997

गुड्डि पत्र

क्र० 20/1997—भारत के राजपत्र के विशेष भाग-3, खण्ड 4 दिनांकित 23 मार्च, 1996 के निर्गम क्र० 12 में प्रकाशित भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय की अधिसूचना एस० बी० डी० क्र० 9/1996 दिनांक 23 मार्च, 1996 में निम्नलिखित संशोधनों को नोट करें :—

पृष्ठ संख्या	नियमन क्रमांक	संशोधन
1	2	3
(1)	2988	पंक्ति 2 में "क्र० 9/1996" के स्थान पर "एस० बी० डी० क्र० 9/1996" पढ़ा जाए।
(2)	2988	पंक्ति 2 में "भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक)" के स्थान पर "भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक)" पढ़ा जाए।
(3)	2988	पंक्ति 8 में "सहयोगी बैंकों के निदेशक" के स्थान पर "सहयोगी बैंकों के निदेशक" पढ़ा जाए।
(4)	2988 प्रस्तावना	पंक्ति 1/2 में "1959 को उपाध" के स्थान पर "1959 की धारा 63 उप धारा" पढ़ा जाए।
(5)	2988 1 (क)	पंक्ति 3 में "1955" के स्थान पर "1995" पढ़ा जाए।
(6)	2989 2 (ज)	पंक्ति 1 में "समम" के स्थान पर "समन" पढ़ा जाए।
(7)	2990 2 (यक)	पंक्ति 4 में "सौराष्ट्र और त्रावणकोर" को "सौराष्ट्र/त्रावणकोर" पढ़ा जाए।
(8)	2990 2 (यग)	पंक्ति 3 और 4 में "सौराष्ट्र और त्रावणकोर" को "सौराष्ट्र/त्रावणकोर" पढ़ा जाए।
(9)	2990 2 (यघ)	पंक्ति 3 और 4 में "सौराष्ट्र और त्रावणकोर" को "सौराष्ट्र/त्रावणकोर" पढ़ा जाए।
(10)	2990 3 (1) (ख)	पंक्ति 1 में "सौ दिन" को "सौ बीस दिन" पढ़ा जाए।
(11)	2991 3 (6)	अनुच्छेद 2 में पंक्ति 4 में "प्रभूत" के स्थान पर "प्रोभूत" पढ़ा जाए।
(12)	2991 5 (1)	पंक्ति 3 और 4 में "स्टेट बैंक आफ बोकानेर एण्ड जयपुर, हैदराबाद, इन्दौर, मैसूर, पटियाला, सौराष्ट्र और त्रावणकोर" के स्थान पर "स्टेट बैंक आफ बोकानेर एण्ड जयपुर/हैदराबाद/इन्दौर/मैसूर/पटियाला/सौराष्ट्र/त्रावणकोर" पढ़ा जाए।
(13)	2992 6	पंक्ति 1 और 2 में "स्टेट बैंक आफ बोकानेर एण्ड जयपुर, हैदराबाद, इन्दौर, मैसूर, पटियाला, सौराष्ट्र, त्रावणकोर" के स्थान पर "स्टेट बैंक आफ बोकानेर एण्ड जयपुर/हैदराबाद/इन्दौर/मैसूर/पटियाला/सौराष्ट्र त्रावणकोर" पढ़ा जाए।

1	2	3
(14)	2993 20	पंक्ति 3 में "विलयन" के स्थान पर "विलयन" पढ़ा जाए।
(15)	2993 22 (4)	पंक्ति 3 में "सेवा अवधियों" को "सेवा दो अवधियों" पढ़ा जाए।
(16)	2994 26 (क)	पंक्ति 4 में "लिए स्नातकोत्तर" को "लिए कि स्नातकोत्तर" पढ़ा जाए।
(17)	2994 26	अनुच्छेद 4 में पंक्ति 1 में "भी कितो" को "भी कि कितो" पढ़ा जाए।
(18)	2994 29 (1)	अनुच्छेद 3 में पंक्ति 4 में "अस्थायी" के स्थान पर "स्थायी" पढ़ा जाए।
(19)	2995 34 (1)	पंक्ति 1 में "जनवरी 1936" को "1 जनवरी 1986" पढ़ा जाए।
(20)	2996 38 (3)	पंक्ति 3 में "पद" के स्थान पर "दस" पढ़ा जाए।
(21)	2998 40 (1)(ग)(5) स्पष्टीकरण	पंक्ति 2 में "अधिक को निःशक्त" के स्थान पर "अशक्त को निःशक्त" पढ़ा जाए।
(22)	2999 40(9) ॥	"उप-नियमन (9)" को "उप-नियमन (9) (क)" पढ़ा जाए।
(23)	3000 41 (4) सारणी	कालम 2 पंक्ति 1 में "19328" के स्थान पर "19.28" पढ़ा जाए।
(24)	3001 41 (1) टिप्पणी	पंक्ति 1 में "पेंशनभोगी" के स्थान पर "पेंशनभोगी" पढ़ा जाए।
(25)	3001 41 टिप्पणी (5) (च)	पंक्ति 2 में "अधिवर्धित" के स्थान पर "अधिवृद्धित" पढ़ा जाए।
(26)	3002 46 (2) (क)	पंक्ति 3 में "प्रतिलक्ष" के स्थान पर "प्रतिशत" पढ़ा जाए।
(27)	3004 51 (3)	पंक्ति 2 में "प्रका" के स्थान पर "प्रकाश" पढ़ा जाए।
(28)	3004 51 (4)	पंक्ति 1 में "प्रतिसंहरण व्यास" को "प्रतिसंहरण या उपांतरण व्यास" पढ़ा जाए।
(29)	3004 परिशिष्ट 1	नीचे से पंक्ति 13 में उप-नियमन "इ" को उप-नियमन "ई" पढ़ा जाए।
(30)	3004 परिशिष्ट 1 (2)	पंक्ति 1 में "वदित" के स्थान पर "वृद्धि" पढ़ा जाए।
(31)	3005 सारणी (ग)	कालम 1 में "1085 और उससे अधिक" के स्थान पर "1085 और उससे अधिक" पढ़ा जाए।
(32)	3005 सारणी (घ) (1)	पंक्ति 1 में "उपर्युक्त अ (1)" के स्थान पर "उपर्युक्त अ (1)" पढ़ा जाए।
(33)	3006 परिशिष्ट 2 (1)	कालम 1 में "प्रतिमास मूल पेंशन का मान" के नीचे "(1)" तथा कालम 2 में "मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में मंजूर राहत की दर" के नीचे "(2)" आंकड़े शामिल किए जाएं।
(34)	3006 परिशिष्ट 2 (2)	कालम 1 में "प्रतिमास मूल पेंशन का मान" के नीचे "(1)" तथा कालम 2 में "मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में मंजूर राहत की दर" के नीचे "(2)" आंकड़े शामिल किए जाएं।
(35)	3007 परिशिष्ट 3 (ख)	कालम 2 में "की बाबल कुटुम्ब पेंशन की मासिक रकम" के स्थान पर "कुटुम्ब पेंशन की मासिक रकम" पढ़ा जाए।
(36)	3008 टिप्पणी (2)	पंक्ति 1 में "यथापूर्ववत्" के स्थान पर "यथापूर्ववत्" पढ़ा जाए।

सिडिकोट बैंक

प्रधान कार्यालय

मणिपाल, दिनांक 7 जुलाई 1997

शुद्धिपत्र

सं. : 1721/एस/0089/का. वि. : औ. सं. प्र. (अ)  
 दिनांक 7-7-1997—भारत के राजपत्र में उसके निर्गम सं. 2  
 दिनांक 11-1-1997 के भाग 3 खंड 4 में प्रकाशित सिडिकोट  
 बैंक (अधिकारी) सेवा विनियमावली 1979 के पृष्ठ सं. 31  
 मद सं. 1 (1) की पहली पंक्ति के शब्द 'संशोधन' की दोनों  
 तरफ 'ब्रैकेट' लगाया जाए और दूसरी पंक्ति में शब्द 'विनियमा-  
 वली' के बाद '1996' को जोड़ दिया जाए।

वाई. एम. शेट्टी  
 महाप्रबंधक (का/रा. भा.)

दिनांक 11-1-1997 में प्रकाशित सिडिकोट बैंक अधिकारी  
 कर्मचारी (अनुशासन और अपील) विनियमावली 1976 के विनि-  
 यम 19 की मद सं. 2 (ग) पृष्ठ सं. 32 की दूसरी पंक्ति में  
 शब्द 'उपयुक्त' के पहले अक्षर '(स)' जोड़ दिया जाए। पृष्ठ  
 सं. 33, मद सं. 4 की दूसरी पंक्ति में शब्द 'विनियम 4'  
 के बाद अक्षर 'के' जोड़ दिया जाए। पृष्ठ सं. 33, मद सं. 5  
 की पहली पंक्ति में शब्द 'परन्तु' से पूर्व शब्द 'पहले' जोड़ दिया  
 जाए और दूसरी पंक्ति में शब्द 'आंकड़ों' के बाद वाक्यांश  
 'विनियम 4 के खंड (ड), (च), (छ) और (ज) के स्थान में'  
 शब्द, ब्रैकेट और आंकड़ों को जोड़ दिया जाए। पृष्ठ सं. 33  
 नोट की पहली पंक्ति में शब्द 'कर्मचारी' के बाद 'कोमा' के बचले  
 'ब्रैकेट' लगाया जाए और पहली पंक्ति के शब्द 'भारत' और  
 दूसरी पंक्ति के शब्द 'राजपत्र' के बीच में अक्षर 'के' जोड़ दिया  
 जाए।

सं. : 1722/एस/0089/का. वि. : औ. सं. प्र. (अ)  
 दिनांक 7-7-1997—भारत के राजपत्र में उसके निर्गम सं. 2

वाई. एम. शेट्टी  
 महाप्रबंधक (का/रा. भा.)

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

मुंबई-400 005, दिनांक 16 जून 97

सं. 3 डब्ल्यू.सी.ए (4) 3/96-97—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुमरण में एतद्वारा यह  
 सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(अ) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग  
 करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित  
 सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है :—

क्रम सं.	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	000704	श्री कलक बसंती लाल छगनलाल, 2 पारदीवाडा बालकृष्णा निवास, 3रा मजला, रूम नं० 36, विठ्ठलभाई पटेल रोड, महान बावरी पोस्ट आफिस के सामने, मुंबई-400004।	13-04-96
2.	000790	श्री मेहता फेरोज दीनशा, ब्लॉक नं० 7, यूनिट "एल", आवा गंग, सेठ शापुरजी जोशी मार्ग, एस० टी० डेपो के सामने, नवसारी-396445।	01-03-96
3.	000935	श्री सोपरीवाला देवेन्द्राबाबू सी०, द्वारा सी० एच० सोपरीवाला एण्ड कं०, खीरा भवन, 4था मजला, फ्लैट नं० 4, चोफाटी, मुंबई-400007।	12-02-96
4.	001241	श्री पाटणकर एम० के०, आनंद, 38/1, प्रभात रोड, पुणे-411004।	02-11-96
5.	001266	श्री फतेहपुरिआ सुम्बरलाल, 59, डा० बी० बी० गान्धी मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001।	05-02-97

1	2	3	4
6.	001940	श्री शाह बल्लभदास मुलजीभाई, चन्नुलाल एम० शाह एण्ड क०, 304, मेकर भवन न० 3, उरा मजला, न्यू मेरीन लाईन्स, मुंबई-400020 ।	17-04-96
7.	002410	श्री पंडित बालकृष्ण रामचन्द्र, किरताने एण्ड पंडित 73-2-2, भक्ति मार्ग, छीपाई उनकर रोड, पुणे-411004 ।	13-02-97
8.	002469	श्री शाह नेमीष नटवरलाल, नेमीष एन० शाह एण्ड क०, उरा मजला, अहमदाबाद पिपलजम को-आप, बैंक, भद्रा, अहमदाबाद-380001 ।	06-11-95
9.	002562	श्री संघवी जयमुख बेचरलाल, जे० बी० संघ वी एण्ड क०, रुम न० 410, राजगोर चैबर्स, 4था मजला, मस्जिद साईडिंग रोड, मुंबई-400009 ।	12-08-96
10.	002626	श्री तारापोरवाला रूसी परमार, सर दोगव टाटा बिल्डिंग न० 1, फ्लैट न० 2, स्वामी विवेकानन्द रोड, बांद्रा (पू०), मुंबई-400050 ।	01-12-95
11.	003598	श्री मीसर शांतीनाथ घनश्याम, एस० जी० मीसर एण्ड क०, 3/2ए, मेकर भवन न० 3, 21, न्यू मेरीन लाईन्स, मुंबई-20 ।	09-12-96
12.	004940	श्री क्षीरसागर भास्कर नारायण, फ्लैट न० 2, प्लॉट न० 67/2, ओबेरॉय हाऊस, नल स्टाप, वृन्दावन, कर्वे रोड, पुणे-411004 ।	16-08-96
13.	006614	श्री गरुड अशोक गोविंद, 1512, आम्ना रोड, धुर्ले (धुलिया) -424001 ।	10-02-96
14.	007406	श्री जोशी मधुकर धिनायक, एन० डी० जोशी एण्ड क०, लक्ष्मी सदन, न्यू पेठ, जलगांव ।	26-03-96
15.	011368	श्री खांडवाला हरीप मंगलदास, बी० एम० खांडवाला एण्ड क०, साराब बिल्डिंग, 1ला मजला, 505, कालबावेयी रोड, मुंबई-400002 ।	25-10-95

1	2	3	4
16.	013778	श्री गोरक्षा जयवंत पुतलाजी, एम० जे० गोरक्षा एण्ड कं०, माहाकार नगर नं० 5, गेष्ट कालोनी, बिल्डिंग नं० 2, न्यू 1972, तल मंजला, रूम नं० मुंबई-400071।	11-05-96
17.	013837	श्री पटेल उषाकांत कानुभाई, उत्कर्ष-9/बी, पोतदार सोसायटी, गुलाबी टेकरा मार्ग, एलीमन्त्रिज, पंचवटी पांच रास्ता, अहमदाबाद-380006।	19-11-96
18.	013952	श्री गोपाल के० एस०, नं० 6, 2रा मजला, रघुकुलदीप, व्यापारी केन्द्र, फाडके रोड, बाजी प्रभु चौक, डोंबिवली-421201।	02-05-96
19.	014348	श्री दलाल फखरुद्दीन आदमअली फर्मेस एफ० ए० दलाल एण्ड कं०, तेजाबवाला मंजिल, 4था मजला, रूम नं० 18, 21, 1ली मरीन क्रॉस लेन मुंबई-400002।	28-03-96
20.	016063	श्री कुलकर्णी विजय कुमार सदाशिव, बी० एफ० कुलकर्णी एण्ड कं०, 1184/4, शिवाजी नगर गोकुल नगर, ए० फरगुसन कॉलेज रोड, ज्ञानेश्वर पेठ, पुणे-411005	25-09-96
21.	030508	श्री रामेश्वरन के० ए-19, शिल्पा अपार्टमेंट्स, डा० चरतसिंह कालोनी रोड, चकाला, मुम्बई-400093	23-12-95
22.	034439	श्री सोनेजी जनक कानुभाई, 3, पंकज सोसायटी, पालवी, अहमदाबाद-380007।	30-10-95
23.	037277	श्री इंगले रामचन्द्र बसंत, पा० ओ० बॉक्स नं० 214, रेसबे गेट के पास, मारगाव, गोवा-403601।	17-09-95
24.	037543	श्री मित्रगोत्री श्रीरंग श्रीनिवास, फ्लैट नं० 6, 2रा मजला, 320/1, सोमवार पेठ, शाहु के सामने, पुणे-411011।	14-04-96

1	2	3	4
25.	037935	श्री गोयपोरिया मानेक नादीरणा, बिल्डिंग नं० 17, फ्लैट नं० 24, यूटीआय स्टॉफ क्वार्टर्स, बान्द्रा रिकलेमेशन (प०), मुंबई-400050।	01-05-97
26.	040384	श्री सेजपाल जयेश मोतीलाल, द्वारा : जे० एम० सेजपाल एण्ड क० ए-315, कल्पावु प्लाजा, 3ला मंजला, 224, भवानी पेठ, पुणे-411042।	14-10-95
27.	040682	श्री गंधन श्रीमप्रकाश शिवलालजी, श्री० एस० गंधन एण्ड क०, नित्यानन्द भवन, घारस्कर रोड, इतवारी, नागपुर।	01-05-97
28.	041147	श्री बामानीआ खुशरू नरीमन, बी/20, 4था मंजला, गोदरेज बाग, नेपेनसी रोड के सामने, मुंबई-26।	12-06-96
29.	041768	श्री कोल्हाटकर हेमंत लक्ष्मण, 1187/20, घोले रोग, पुणे-400026।	8-10-95
30.	046251	श्री आपटे अशीष बसंत, 1423, कसना पेठ, फाडके हौद के पास, पुणे-400011।	22-11-96

अणोक हजदीआ,  
सचिव

मुंबई 400005 दिनांक 23 जून 97

सं० 3 डब्ल्यू सीए (4) 4/96-97 : चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त अधि-कारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर से निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनकी विनती पर उनके सामने दी गई तिथि से हटा दिया है :—

क्रम सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	003138	श्री शाह धीरजलाल दीपचन्द, फ्लैट नं० 11, 1ला माला, बीच टॉवर्स, पी० बालू मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई-400025।	01-04-96

1	2	2	4
2.	004311	श्री सोमन नाराहरी कुण्ठाजी, 639, सदाशिव पेठ, पुणे-411030।	17-05-96

अशोक हलदीया,  
सचिव

कलकत्ता-700071, दिनांक 7 जुलाई 1997

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

नं० 3-ई० सी० ए० (4)/1/97-98 — चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकारों अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है।

क्रम सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	680	श्री दास भौमिक पुलित चन्द्रा 60, घरमतोल्ला स्ट्रीट, 1 पल्लोर, कलकत्ता-700013	16-6-97
2.	3898	श्री चौधरी हराधीन पूर्वांचल हाऊसिंग इस्टेट, फ्लैट नं० एस-10, सैंटकर-3, कलस्टर-3, कलकत्ता-700091	7-1-97
3.	13732	श्री गुप्ता कृष्णा कुमार 15-1-ए1 गोलपार्क को-ऑप हाऊसिंग सोसायटी, 49सी गोविन्दापुर रोड, लेक गार्डन्स, कलकत्ता-700045	8-3-97
4.	15638	श्री ओसवाल भैरोदास बी ओसवाल एण्ड एसोसिएट्स, 121, नेनाजी सुभाष रोड, रूम नं० 53, 5 पल्लोर, कलकत्ता-700001	10-4-97
5.	50484	श्री बंभोपाध्याय किशोर कुमार सी दत्ता एण्ड कं०, 7, किरन शंकर गंग रोड, कलकत्ता-700001	1-4-97

अशोक हलदीया,  
सचिव

मद्रास-600034, दिनांक 30 मई 1997

नं० 3-एस० सी० ए० (5)/4/96-97—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3-एस० सी० ए० (4)/4/94-95 दिनांक 22 फरवरी 1995, 4-एस० सी० ए० (1)/8/81-82, दिनांक 17 मार्च 1982, 3-एस० सी० ए० (4)/10/83-84, दिनांक 31 मार्च 1984, 3-एस० सी० ए० (4)/3/92-93, दिनांक 27 नवम्बर 1992, 3-एस० सी० ए० (4)/4/95-96, दिनांक 12 मार्च 1996, 3-इन्फ्यू० सी० ए० (4)/2/95-9 दिनांक 13 मई, 1996, 3-एस० सी० ए० (4)/8/87-88 दिनांक 30 दिसम्बर, 87, 4-सी० ए० (1)/18/70-71 दिनांक 4 जनवरी, 1971, 3-एस० सी० ए० (4)/3/93-94 दिनांक



11 जनवरी 1994, 3-डब्ल्यू.सी. एं. (4)/9/94-95 दिनांक 30 जनवरी 1995, 3-ई.सी. एं. (4)/2/95-96 दिनांक 25 मार्च 1996, 3-सी.सी. एं. (4)/6/86-87 दिनांक 28 जनवरी 1987, 3-एन.सी. एं. (4)/5/85-86 दिनांक 20 मार्च 1986, 3-एस.सी. एं. (4)/8/90-91 दिनांक 1 दिसम्बर 1990, 3-डब्ल्यू.सी. एं. (4)/5/92-93 दिनांक 1 दिसम्बर 1992 और 3-एन.सी. एं. (4)/2/95-96 दिनांक 7 मई 1996, के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्ति लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है।

क्रम सं.	सदस्यता सं.	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	2652	श्री पद्मानाभन टी. के., एफ.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 11/8 जीयरथना नगर, अद्वार, चेन्नई-600020	30-7-96
2.	5271	श्री रामामूर्थी एस., एफ.सी.ए., 1-10-22, चेन्नई वारी स्ट्रीट, तजरपेट, तेलंगली-522201	11-10-96
3.	8001	श्री चन्द्रहु बी., एफ.सी.ए., एपी-190 (अपोजिट टू 1713) 34 स्ट्रीट, जी ब्लॉक, अन्ना नगर वेस्ट, चेन्नई-600040	11-10-96
4.	11679	श्री साई बाबा चिन्ता, एफ.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 18/18/857, गांधी नगर, विजयवाड़ा-520003	22-7-96
5.	12298	श्री वैद्यनाथन एस., एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, आपरेषन्स मैनेजर, नेशनल बैंक ऑफ ओमान, पी.ओ.बो. नं. 751, रवि पोस्टल बॉर्ड 11, सलतनत आफ ओमान	11-10-96
6.	14224	श्री शमन्ता मनजप्पा, एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, पोन्ट बक्स 50751, दुबई	26-11-96
7.	49624	श्री चन्द्राशेकरा सी.के.टी., एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, डिप्टी जनरल मैनेजर दि वैश्या बैंक लि., 72, सेंट मार्क्स रोड, बंगलोर-560001	18-9-96
8.	19798	श्री रवि आर., एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, असिस्टेंट जनरल मैनेजर (फाइनेंस), एच.एम.टी. लि., एस. डब्ल्यू. सीडी, एच.एम.टी. पोस्ट, बंगलोर-560031	20-11-96
9.	19076	श्री बालासुन्दरम एस., एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट मैनेजर (फाइनेंस), ए-3 तमिलनाडु, सीमेंट्स क्वार्टर्स, अरियालुर-621729	30-9-96
10.	21636	श्री नरेन्द्रन पी., एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 365 हौलैन्ड रोड, 10-03 अल्लसनीय पार्क, सिंगपूर	17-9-96
11.	21856	श्री राजेश्वरा राव एन., एं.सी.ए., चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, डिप्टी जनरल मैनेजर कॉमर्शियल, ग्रीव्स लि., इंडस्ट्रियल इस्टेट, मेडक डिस्ट. पटानचेर-502319	20-9-96
12.	21866	श्री राजना कृष्णा राव, एं.सी.ए., 8-2-17/2, माल्लया अग्राहराम, गांधीनगर, काकीनाडा-533004	5-11-96

1	2	3	4
13.	24537	श्री कालिकी विजयलु रेड्डी, एफ० सी० ए०, 6-3-609/195, आनन्दा नगर, खैराताबाद, हैदराबाद 500004	23-9-96
14.	24674	श्री रविन्दर एन०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, कन्ट्रोलर इंडस्ट्रियल टैक्सेशन, ए सी ब्राउन बावरी लि०, प्लॉट नं० 5, पेन्ती 2, फेज, बंगलूर-560058	14-8-96
15.	25137	श्री थोमस कुशविल्ला, ए० सी० ए०, मैनेजिंग डायरेक्टर, मुथूत कैपिटल सर्विसिज लि०, मुथूत टावर्स एम० जी० रोड, इरनाकुलम, कोचीन-682035	23-9-96
16.	25706	श्री हरी कृष्णन आर०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, एकाउन्टेन्ट्स आफिसर, रबड़ बोर्ड, केरल, कोट्टायाम	12-11-96
17.	26248	श्री अनिल कुमार मुध्या, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट 5वीं विमायका नगर, हैम्बल, बंगलूर-560024	23-12-96
18.	26531	श्री हरीश पी०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, फ्लैट नं० 304, गीतांजली अपार्टमेंट, 6-3-1216/21-26 मेयोडिस्ट कालोनी ब्रेगमपेट, हैदराबाद-500016	7-5-96
19.	27778	श्री राजेश थंगैया एस०, ए० सी० ए०, नं० 121/4, एन० एम० एम० रोड, अमीनजीकराई, चेन्नई-600029	11-12-96
20.	27822	श्री कृष्णा किशोर जे०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, असिस्टेंट कमीशनर आफ इन्कम टैक्स, टू ट्रस्ट सर्किल, सी० आर० बिल्डिंग कबींस रोड, बंगलूर-560001	9-12-95
21.	28018	श्री श्रीकान्थ के० एन०, ए० सी० ए०, नं० 5, गोविन्दु स्ट्रीट, टी० नगर, चेन्नई-600017	25-10-96
22.	28608	श्री ग्रन्टो एम० पी०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, चीफ एकाउन्टेन्ट, पी० एस० एस० पाइपलाइन्स सर्विसिज लि०, पी० ओ० बावस 4500, आबू धाबी, यू० ए० ई०	15-10-96
23.	29040	श्री विलिना प्रकाश के० बी, ए० सी० ए०, नं० 4, स्वीमिंग पूल रोड, 5 टेम्पल क्रास रोड, माल्लेश्वरम, बंगलूर-560003	11-10-96
24.	29457	श्री जयेंद्रन एन०, एफ० सी० ए०, नं० 2 जी० टी० एन० रोड, डिन्डीगुल-624005	30-10-96
25.	50172	श्री कृष्णा सुब्रामनियम, ए० सी० ए०, 1645, हाल 3 स्टेज, 8 फ़ास, 11 मैन, बंगलूर-560008।	4-10-96

1	2	3	4
26.	52660	श्री हिमाद्री गुप्ता, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, केयर आफ माइक्रोलैंड लि०, फाइनेंशियल कन्ट्रोलर 58 80 फी कोरामंगला ब्लॉक 7, बंगलूर-560095	20-9-96
27.	70293	श्री स्वामीनाथन के०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 13/1, डा० सदाशिवम रोड, न्यू बाजार, टी० नगर, चेन्नई-600017	30-9-96
28.	82657	श्री श्रीनिवासन एस०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, डी-144-डी, शान्तिनिकेतन कालोनी, पी० बी० राजामम्भार सलाई, के० के० नगर, चेन्नई-600078	22-10-96
29.	85949	श्री राजगोपालन एस०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, केयर आफ आई० टी० सी० लि०, आई० एस० टी० डी० डिविजन, पोस्ट बॉक्स नं० 217, जी० टी० रोड, गुन्डूर-522004।	28-8-96
30.	88478	मिस अनूजा बंसल, ए० सी० ए०, ए०-310, एल० रंजना रेंजीबेसी, डी० डी० ए० काम्पलेक्स रोड, कोरामंगला, बंगलूर-560034।	22-11-96
31.	200589	श्री अरुणाचलम एस०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 6, बृन्दावन स्ट्रीट, बी 1 बृन्दावन अपार्टमेंट्स, माइसापोर, चेन्नई-600004	4-7-96
32.	201558	श्री कृष्णन एल०, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, फाइनेंस मैनेजर, पोलिसी मैनेजमेंट सिस्टम्स प्रा० लि०, ग्रोपटेल सफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क, हन्दीर-452008	30-12-96
33.	202762	श्री प्रदीप सी०, ए० सी० ए०, 2 बी, मुक्ता गार्डन्स, सुपर टैंक रोड, चेन्नई,	18-10-96

सं० 3 एस० सी० ए० (4)/6/1/96-97—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 21 उपधारा (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनकी अपनी प्रार्थना पर उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है।

क्रम संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	215	श्री सम्बामूर्थी एम० एन० 132 कान्या कोर्ट 2 फ्लोर, लाल बाग रोड, बंगलूर-560027	31-3-97
2.	1873	श्री गोपालाकृष्णा राव ए-305, 3-5-873, मद्रास अपार्टमेंट्स, हैदराबाद, हैदराबाद-500029।	31-3-97
3.	5653	श्री विश्वेश्वरैया बसारसु सूर्यानारायणैया केयर आफ डा० रामाचन्द्रन वी 5425 बोविलन; प्रोसाड पी ओ कनारा	31-3-97

अणोक हिल्दिया,  
सचिव,

दिनांक 18 जून 1997

सं० एस० सी० ए० (8)/8/96-97:—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किये गये प्रेक्टिस प्रमाण पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रेक्टिस प्रमाण पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्रम संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	978	श्री नारायणास्वामी ए०, एफ० सी० ए०, 2853 ग्राउण्ड फ्लोर, 80 फीट रोड, एच० ए० एस० 2 स्टेज, बंगलूर-560008	31-3-97
2.	3337	श्री मोदी मनोहर सी०, ए० सी० ए०, जनरल मार्केटिंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग क० लि०, 6, जी० एस० टी० रोड, सेंट थोमस, चेन्नई-600016।	31-3-97
3.	7210	श्री मोहम्मद लेब्बे हनीफा, ए० सी० ए०, 27/जे०-10, आई० एच० एफ० डी० अपार्टमेंट्स, डा० अम्बेडकर रोड, वेलादीपलायाम, कोयम्बटूर-641025	31-3-97
4.	16827	श्री मुन्वरसन नारायणास्वामी, ए० सी० ए०, प्लोट नं० 1231, 18 मेन रोड, अन्ना नगर बस्ट, चेन्नई-600040.	10-2-97

1	2	3	4
5.	19803	श्री राजसेखरन ए० एस०, ए० सी० ए०, क्यू०-33, अन्नाना, चेन्नई-600040.	10-3-97
6.	22341	श्री भास्कर टी०, ए० सी० ए०, 93, 7 फ़ास, लोवर पे नेम ओवार्ड्स, बंगलोर-560003.	31-3-97
7.	23265	श्री विद्या सागर एस०, एफ० सी० ए०, 301, रेखा डिलक्स अपार्टमेंट्स, 6-3-661, संगीथ नगर, सामाजोगुडा, हैदराबाद-500482.	31-3-97
8.	26863	श्री सुरेश के० आर०, एफ० सी० ए०, 24 जी० बी० डी० लेआउट, कोयम्बटोर-641002.	15-2-97
9.	26918	श्री उमेश एन० बी०, एफ० सी० ए०, नं० 49, 4 मेन रोड, पेलेस गुट्टाहल्ली, बंगलोर-650003.	1-3-97
10.	27638	श्री इफितिखार एफ० क्यावाला, एफ० सी० ए०, ग्रुप चीफ एकाउन्टेन्ट, मानकारी ग्रुप आफ कम्पनी, पी० ओ० 783, पी० सी० 113, रुबी, सल्लनत ओफ ओमान	28-2-97
11.	28924	मिस महेश्वरी बी०, ए० सी० ए०, उण्डुस, कीरानकुलंगारा पोस्ट, थिरुसुर-680005.	31-3-97
12.	29338	श्री कन्नाप्पन एन०, ए० सी० ए०, डी० जी० पी० विडुसोर (आई) लि०, फ्लो० नं० 6 एण्ड 7, जी० आई० डी० सी० नोर्थ गुजरात, छत्रल-382729.	13-12-96
13.	29362	मिस सुधा बालासुब्रामनियन, ए० सी० ए०, 24, जी० बी० डी० लेआउट, कोयम्बटोर-641002.	17-2-97
14.	203378	श्री आनन्द राव टी० बी०, ए० सी० ए०, एच० नं० 1-2-212/1/सी, बिहाइंड डोमागुडा मार्किट, हैदराबाद-500029.	4-2-97
15.	203484	मिस कयालविक्की चम्पासेखरन, ए० सी० ए०, नं० 18, डीमोन्ट कालोनी, अलवरपेट, चेन्नई-600018.	26-3-97
16.	203602	श्री अक्राधराराव ए० एच० एस०, ए० सी० ए०, आफिसर रोड, कुष्णा बैंक लि०, हैड आफिस, इंडियन एक्सप्रेस बिल्डिंग, काबूर, कोची-682017.	20-1-97

1	2	3	4
17.	203862	मिस गोवरी के०, ए० सी० ए०, 9, नविग्रपन स्ट्रीट, महालिगापुरम चेन्नई 600034.	28-2-97
18.	204029	श्री रामा सुब्बा राव मिथिपति, ए० सी० ए०, सुदर्शना, नारायणापेटा रोड, अमालापुरम 533201.	31-3-97
19.	204932	श्री रंगानाथन आर, ए० सी० ए० एकजीक्यूटिव ट्रेनी फाइनेन्स, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि०, पी० बाक्स नं० 1245, ईपीडी फाइनेन्स, बंगलौर-560012 ।	7-12-96
20.	204953	श्री कृष्णन टी० पी०, ए० सी० ए०, एसिस्टेन्ट मैनेजर फाइनेन्स, वि एसोसिएटिड सीमेंट कम्पनी, 121, महर्षि कार्थी रोड, मुम्बई-400020 ।	4-2-97
21.	204991	श्री राम दास एम०, ए० सी० ए०, सुपरवाइजर, के०पी०एम०जी०, पी० ओ० बाक्स 508, बलानटायर मलाबी, अफ्रीका ।	31-3-97
22.	204992	मिस सीमा सुकुमारन, ए० सी० ए०, सुपरवाइजर केपीएमजी, पी० ओ० बाक्स 508, बलानटायर, मलाबी, अफ्रीका ।	31-3-97
23.	205211	श्री फनिन्द्रा प्रकाश इलामकुर्ती, ए० सी० ए०, डी० नं० 8-3-897/7, येल्लारेड्डीगुड्डा, हैदराबाद-500873 ।	1-12-96
24.	205282	मिस न्याथी शिनोय, ए० सी० ए०, नं० 3094, 14 बी मेन रोड, 8-डी क्रोस आर० पी० सी० लेआउट, विजया नगर ईस्ट, बंगलौर-560040 ।	25-12-96
25.	205460	श्री शिवा कुमार पी०, ए० सी० ए०, ए-17, "मेढ्री" 54, जुबली रोड, वेस्ट मम्बालम, चेन्नई-600033 ।	12-2-97 ।
26.	205513	श्री राजा सेखर डी०, ए० सी० ए०, फाइनेन्स आफिशियर नेट वर्क सिस्टम्स यूनिट, दूरवाजी नगर, बंगलौर-560016 ।	10-3-97

1	2	3	4
27.	205921	मिस शारदा के., ए० सी० ए०, ई-6, आईआईसीटी स्टाफ क्वाटर्स, हवेलीगुडा, हैदराबाद-500007 ।	31-3-97
अशोक हल्दिया, सचिव			

## कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(केन्द्रीय कार्यालय)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 जून 1997

सं० के० स० नि० आ० 1(4)ए० पी०(1539)/96/999—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्न-लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएं।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	ए०पी०/28177	मै० श्री लक्ष्मी इंजीनियर्स, एल० आई० जी० 335, भारथीनगर, आर० सी० पुरम, बी० एच० ई० एल०, हैदराबाद-500032 ।	1-8-95
2	ए०पी०/25367	मै० प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि०, चन्नुपाटला, नलगोंडा डिस्ट्रिक्ट, आन्ध्र प्रदेश ।	1-10-93
3.	ए०पी०/26182	मै० आकृषामुता मृनागला मंडल नलगोंडा डिस्ट्रिक्ट, आन्ध्र प्रदेश ।	1-12-93
4.	ए०पी०/25366	मै० प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसायटी लि०, महाराज कला, डिस्ट्रिक्ट- नलगोंडा	1-10-93
5.	ए०पी०/25373	मै० प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव सोसायटी लि०, टाकील्लापेड : मिर्यालगुडा मंडल, डिस्ट्रिक्ट नलगोंडा ।	1-10-93
6.	ए०पी०/25369	मै० प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव सोसायटी लि०, बो० अन्नाराम, मिर्यालगुडा मंडल, नलगोंडा डिस्ट्रिक्ट ।	-10-1993

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्ष्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करना है जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है।

आर० कल्याणारमन  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4)/आर० जे० (1530)/96/1007—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें:-

क्रम सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	आर० जे०/5694	मै० क्लाइमैक्स टाईम (प्रा०) लि०, 19, आऊटसाईड, सूरजपोल, उदयपुर-313001	1-4-90
2.	आर० जे०/5783	मै० ग्रहफाव्लैक्स, पहला सारंग मार्ग, आऊटसाईड सूरजपोल, उदयपुर।	1-4-90

अतः, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता है जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है।

आर० कल्याणारमन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4)/प० ब०/(1540)/96/1011—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	प० ब०/कुडप्पा/29578	मै० ए० ई० सी० इंजीनियर्स (प्रा०) लि० ए० डी०-5, साइट लेक मिटी, कलकत्ता-700064	1-11-94
2.	प० ब०/कुडप्पा/29579	मै० एन० डी० टी० सेंटर, 38/24, एम० सी० गार्डन, रोड, डम डम, कलकत्ता-700030	1-7-94
3.	प० ब०/कुडप्पा/29616	मै० आर० के० एन्टरप्राइजिज 25, एम० सी० लिओड स्ट्रीट, कलकत्ता-700017	1-11-94
4.	प० ब०/कुडप्पा/29615	मै० राजेश टोबाको कम्पनी 10, सतीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700026।	1-12-94
5.	प० ब०/कुडप्पा/29640	मै० मनडेक कंसलटेंट्स 38, लिटल रोड, स्ट्रीट, फ्लैट-1, आऊड फ्लोर, कलकत्ता-700071	1-12-94
6.	प० ब०/कुडप्पा/29580	मै० क्रिएटिव लैबर्स, 47, साऊथ टंगरा रोड, कलकत्ता-700046	1-10-94

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता है जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है।

आर० कल्याणारमन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त



सं. के. भ. नि. भा. 1 (4) ए. पी. (1517)/96/1019—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोजता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें :—

क्रम सं.	कोष्ठ सं.	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	ए. पी./बी. पी./27265	मै. दि. काल्डारी प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि., काल्डारी, टुम्कुर, तालुक, वैस्ट गोदावरी, डि.	1-8-95
2.	ए. पी./बी. पी./27275	मै. मगातपल्ली प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि., मगातपल्ली, ममीदी कुडुरु मंडल, वैस्ट गोदावरी, डिस्ट्रिक्ट।	1-10-95
3.	ए. पी./बी. पी./27257	मै. डेल्टा निट्रोचेम (प्रा.) लि., टेटली तालुक मंडल, वैस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट, (ए. पी.) ट्रान्जु-534211	1-12-95
4.	ए. पी./बी. पी./27217	मै. मुरादा प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि., कुरावा, करापा मंडल, ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट	1-8-95
5.	ए. पी./बी. पी./28456	मै. जी. कोठापल्ली प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि. जी. कोठापल्ली शंकावर्मा मंडल, ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट	1-10-95
6.	ए. पी./बी. पी./25921	मै. अश्विनी बायोफार्मा लि., 505-ए, पहली मंजिल, बी. बी. महल रोड, तिरुपति-517501।	1-4-96

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उस या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी है।

आर. कल्याणारमन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. के. भ. नि. भा. 1 (4) के. आर. (1520)/96/1027—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोजता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें :—

क्रम सं.	कोष्ठ सं.	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	के. आर./12864	मै. कृष्णा इन्फोटेक लि., गनह्वान, नियर हाउसिंग बोर्ड, थिरुवनन्थापुरम, त्रिवेन्द्रम-1, कै.ल	1-1-96
2.	के. आर./14545	मै. कोजीकोड हरीजन महिला इन्ड. को. ग्रुप सोसायटी लि., इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट प्लॉट, वेस्ट हिल, कालीकट-5	1-4-96
3.	के. आर./के. के./14554	मै. ईरनाकुलम टैक्सटाइल सेंटर एस. एम. स्ट्रीट, कालीकट-673001	1-4-96
4.	के. आर./के. सी./15040	मै. प्रेमको प्रोडक्ट्स, गाउथ बाजहाकुलम, आलवेयी-5	31-1-95

1	2	3	4
5.	के० आर०/के०सी०/15090	मै० आशीष कुमार मरकटी, वेरापोली आर्चब्रीशोपस, हाउस, कैम्पस, मेरीम झाइव, कोचीन-31	30-9-95
6.	के० आर०/के०सी०/15097	मै० अलापेट मार्केटिंग कारपोरेशन, दूसरा प्लोर, आलराड बिल्डिंग, वरियाम रोड, कोची-16	1-4-95
7.	के० आर०/के०सी०/15125	मै० आशीष विद्यानिकेतन पब्लिक स्कूल चेम्बुमुकु, बी० एम० सी० पी० ओ०, कोची-21	1-9-95
3.	के० आर०/के०सी०/15133	मै० सेन्ट्रल इंजीनियर्स, XXXVII/2442, एन० एच० रोड, नियर मथरूमूमि, कालूर, कोची-17	1-1-96
9.	के० आर०/के०सी०/15150	मै० इन्तेम मोटर क्रेडिट प्रा० लि०, बिल्डिंग, नं० 39/6019, दूसरा तल, एम० जी० रोड, रविपुरम, कोची-15	1-4-96
10.	के० आर०/के० सी०/15151	मै० नेदुमपराम्बील सिडीकेट, बिल्डिंग नं० 39/6019, दूसरा तल, एम० जी० रोड, रविपुरम, कोची-15	1-4-96

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं पर उम या उसी प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता है जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गयी हैं।

आर० कल्याणारमन  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

नई दिल्ली-110076, दिनांक 24 जून 1997

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एकजम./89/भाग- II/876  
—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्तियों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से मन्तुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो

कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा निधि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों को रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उप-बन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची I

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार तिथि	के० भ० नि० आ० फाईल सं०
1.	मै० भारत कामर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०, इन्डस्ट्रियल एरिया राज-पुरा-140401, पंजाब	पी एन 2/1959/डी० एल० आई०एकजम/89 भाग I दिनांक 28-10-92	25-3-95	26-3-95 से 25-3-98	2/426/80/डी०एल०आई०

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिससे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का गहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाढ़ल आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम के संज्ञक करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो और उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवक/वारिस नाम निर्देशितों की प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, जहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमय अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिससे स्थापना

पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट न की गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्पराता से प्रत्येक वृत्ति में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

डी. के. मरवाह  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

मं. 2/1959/ डी. एल. आई. /एकजाम/89/भाग-2/ 983—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिससे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट को विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिससे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहस्रवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिससे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए के. भ. नि. ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना के आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान करने दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची I

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की दिनांक व सं० जिसके छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट का प्रभावी तिथि	कें० भ० नि० भा० काइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० माइक्रो टिर्नर्स, हिसार रोड, रोहतक, हरियाणा	एच/आर 3774	2/1959/डी० एल आई/एकजम/89/पार्ट-II, दिनांक 7-5-93	30-11-93	1-12-93 से 30-11-96	2/4865/93-डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी धारणाओं भेजेगा और ऐसा दस्ता जेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निदेश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत निवास या रहा जाना, निवृत्तियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, संसाधनों का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भीषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवे हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंधित होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नाम निर्देशों को प्रतिकार के रूप में होने वाली राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विचारण स्पष्ट करने का युक्तिपूर्वक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसमें स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम निवृत्त करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को अक्षय्य हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकर की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशों की विधिवत वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशों/विधिवत वारिसों की बीमाकृत राशि संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

डी. के. मरवाह  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

सं० 2/1959/डी. एल. आई. एकजम/89/भाग-1/988—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की आवश्यकता किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निधय सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत सीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों को अनुसार केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली

तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन को छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल नं०
1	2	3	4	5
1.	म० इनालवा नि०, सूयां किरन 19, कस्तूरबा डी एल/3155 गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001		1-11-90 से 31-10-93 और 1-11-93 से 31-10-96	3/4/97-डी० एल० आइ०

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसा लेखा जमा रखा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करना जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निश्चित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अन्तर्गत के अधीन समय-समय पर निश्चित करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हो होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि पहले से ही सब्सिडी है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सब्सिडी के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुवर्त है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उग्र राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक/वारिसों या निर्विशेषों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना

नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विधिकरण स्पष्ट करने का अधिकार्युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सब्सिडी के नाम निर्विशेषों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम अधीन आने वाले किसी सब्सिडी की मृत्यु होने पर उस हक्दार नाम/निर्विशेषों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संवाय हस्तारता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

भार. एस. कांशिक

केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (म)

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मुम्बई, दिनांक 24 जून 1997

सं. यू. टी/डीबीडीएम/एमपीडी-93/आर-223/96-97— भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1) (8) (सी) के अंतर्गत बनाई गई यूटीआई मूद्रा बाजार निधि का पंचकश दस्तावेज, जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई यूटीआई मूद्रा बाजार म्यूचुअल फण्ड योजना के संबंध में है और जिसे 12 मार्च 1997 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

ए. जी. जोशी

सहायक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
यूटीआई मूद्रा बाजार निधि  
(मूद्रा बाजार म्यूचुअल फंड)

पेशकश दस्तावेज

(पेशकश 23 अप्रैल, 1997 से है)

यूटीआई मूद्रा बाजार निधि भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1)(8)(सी) के अन्तर्गत बनाया गया प्लान है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत यूटीआई के न्यासी मंडल द्वारा यूटीआई मूद्रा बाजार निधि योजना के नाम से बनाई गई यूनिट योजना से संबंधित है।

इस प्लान के विवरण मूद्रा बाजार म्यूचुअल फंड संबंधी विदेश-निर्देश के संबंध में जारी भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के अनुसार बनाए गए हैं। सार्वजनिक अभिदान के लिए एंश यूनिट सेवी द्वारा न तो स्वीकृत या अस्वीकृत किए गए हैं और न ही सेवी ने पेशकश दस्तावेज की यथार्थता या पर्याप्तता प्रमाणित की है।

योजना का उद्देश्य

इस प्लान में इन उद्देश्यों के अन्तर्गत् उच्च निवेश तरकता, पूंजी सुरक्षा और यथामुभव सर्वाधिक प्रतिलाभ देने की कोशिश की गई है, क्योंकि ऐसा विविध प्रकार की अल्पावधि मूद्रा बाजार प्रतिभूतियों में निवेश करने के कारण उपलब्ध है।

योजना की रूपरेखा

मूद्रा बाजार म्यूचुअल फंड योजना अलग प्रभाग के रूप में स्थापित की जाने वाली है। इस योजना का प्रबंध एक अलग निधि प्रबंधक द्वारा किया जाएगा।

विशेषताएं

- \* उच्च तरकता सहित एक सतत खूली योजना।
- \* न्यूनतम निवेश रु. 10,000/-, कोई अधिकतम सीमा नहीं। प्रारंभ में निवेश के लिए आवेदन यूटीआई बैंक के मंडल शाखा कार्यालय में किए जा सकते हैं। बाद में यूटीआई बैंक की अन्य शाखाएं भी योजनांतर्गत आवेदन स्वीकार करेंगी।
- \* शुरू करने की तिथि को विक्री समग्रूप पर की जाएगी। उसके बाद विक्री और पुनर्खरीद मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्य पर आधारित होगी।
- \* निर्धारित अवरोध अवधि, जो फिलहाल 30 दिन है, के बाद निरंतर पुनर्खरीद की अनुमति दी जाएगी।
- \* यह योजना निवासी और अनिवासी व्यक्तियों, अविभक्त हिन्दू परिवार, न्यासियों, समितियों, कम्पनी सहित निगमित निकायों और विविध कम्पनी निकायों के लिए खुली है।
- \* ट्रस्ट योजना के प्रबंध में उच्च मितव्ययिता बनाए रखना चाहता है। पहले दो वर्षों में योजना के प्रवर्धन व्यय ट्रस्ट की विकास प्रारंभिक निधि से पूरे किए जाएंगे, इसलिए योजना पर इसका व्यय-भार नहीं पड़ेगा। लेंकिंग-निवेश के मूल्यह्रास सहित, यदि हों, राजस्व व्यय योजना से पूरे किए जाएंगे।

\* ट्रस्ट में मूद्रा बाजार में निधि प्रबंध में 32 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता हासिल की है। योजना का उद्देश्य सक्रिय निवेश प्रबंध कंत्राल से अधिकतम प्रतिलाभ प्रदान करना है।

जोखिम-राज

- \* योजना के अन्तर्गत जारी यूनिटों में किया गया निवेश मूद्रा बाजार में किए जाने वाले निवेश की जोखिम से प्रभावित होगा है। इसलिए इस निधि में स्थायी शुद्ध आस्ति मूल्य बरकरार रखने का कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता।
- \* योजना में निवेशित निधि के लिए भारतीय निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम से कोई बीमा सुरक्षा नहीं मिलेगी।
- \* पुनर्खरीद की मासिक सीमा प्रति सदस्य रु. 5 करोड़ तक की होगी। भविष्य में इस सीमा में छील दी जा सकती है।
- \* यूटीआई—मूद्रा बाजार निधि केवल योजना का नाम है। यह किसी भी तरह से योजना की गण्यता, उसकी भाषी सभासदताओं और प्रतिलाभ का दावा नहीं है।

प्रबंधन के विचार से जोखिम-राज

- \* ट्रस्ट 32 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत है और इसने 5 करोड़ से अधिक निवेशकों से प्राप्त लगभग 56,620 करोड़ रुपये के प्रबंध में विशेषज्ञता हासिल की है। इसलिए आशा है कि योजना का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

यूटीआई की स्थापना

बचत और निवेश को प्रोत्साहित करने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण और निपटान में ट्रस्ट को होने वाली आय, लाभ और अभिलाभ में सहभागिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना यूटीआई अधिनियम, 1963 के अंतर्गत सांविधिक निगम के रूप में की गई थी। इसने 1 जुलाई 1964 से कार्य शुरू किया था।

यूटीआई का प्रबंधन

ट्रस्ट के कार्य एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल और भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्णकालिक अध्यक्ष में निहित है। मंडल के अभाव में, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होंगे हैं। यह समिति, मंडल की कार्यक्षमता के अन्तर्गत आने वाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

न्यासी मंडल

1. श्री जी. पी. गुप्ता—अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
2. डा. पी. जे. नायक—कार्यपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
3. श्री आर. वी. गुप्ता—उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक
4. श्री एस. एच. बान—अध्यक्ष, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
5. श्री एन. एस. सेखरिया—प्रबंध निदेशक, गुजरात अंबुजा सिमेंट्स लि.
6. डा. अरविंद वीरमणि—सलाहकार, नीति आयोग, भारत सरकार आर्थिक कार्य विभाग, अग्रिम मंत्रालय

7. श्री पी. आर. खन्ना—सचिव लेखाकार
8. श्री एन. एम. गोबर्धन—अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम
9. श्री पी. जी. काकोडकर—\*अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
10. श्री एन. वाघुल—अध्यक्ष, आई सी आई सी आई लि.
11. श्री रशीद जिलानी—अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पंजाब नेशनल बैंक

\*उनका कार्यकाल 31-03-1997 से समाप्त हो चुका है।

यूटीआई मूद्रा बाजार म्यूचुअल फंड योजना का विवरण

#### 1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ :

- (1) यह योजना यूटीआई मूद्रा बाजार म्यूचुअल फंड योजना कहली जाएगी।
- (2) इस योजना में बिक्री 23 अप्रैल 1997 से शुरू होगी। प्रत्येक यूनिट का अधिकतम मूल्य रु. 10/- होगा। यूनिट की बिक्री साल भर चालू रहेगी।
- (3) लेकिन, यूनिट ट्रस्ट के न्यासी मंडल की कार्यकारिणी समिति/अध्यक्ष समाचार पत्र में दो दिन की नोटिस देकर या भारतीय यूनिट ट्रस्ट द्वारा यथानिर्णीत किसी अन्य रीति से कभी भी योजना के अन्तर्गत यूनिट की बिक्री स्थगित कर सकते हैं।

#### 2. परिभाषाएं :

इस योजना और इसके अन्तर्गत बने प्लान में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (1) "स्वीकृत तिथि" का तात्पर्य यूनिट ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा किये आवेदन के संदर्भ में उस तिथि से है, जब यूनिट ट्रस्ट इस बात से संतुष्ट होकर कि आवेदन सही है, उसे स्वीकार करता है;
- (2) "अधिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट (1963 (1963 का 52) से है;
- (3) "आवेदक" का तात्पर्य उस व्यक्ति से है, जो योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान में सहभागिता का पात्र है, जो नाबालिग नहीं है और प्लान के खंड 3 के अन्तर्गत आवेदन करता है।
- (4) "वैकील्यक आवेदक" का तात्पर्य किसी नाबालिग के मामले में माता-पिता से भिन्न उस माता-पिता से है जिसने नाबालिग की ओर से आवेदन किया है।
- (5) "सदस्य" के रूप में इस योजना और इसके अन्तर्गत बने प्लान में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का तात्पर्य उस आवेदक से है, जिसने इस योजना में यूनिट अधिष्ठित किये गये हैं।
- (6) "निर्णय यूनिटों की संख्या" का तात्पर्य बंके गये और शेष यूनिटों की संख्या से है।
- (7) "आरजीआई" का तात्पर्य भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अन्तर्गत स्थापित भारतीय रिजर्व बैंक से है।

(8) "विनियमावली" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 43(1) के अन्तर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली से है।

(9) "सेबी" का तात्पर्य भारतीय प्रतिभूति और विनियमन बोर्ड अधिनियम 1992 (1992 का 15) के अन्तर्गत बनाए गये भारतीय प्रतिभूति और विनियमन बोर्ड से है।

(10) "यूनिट" का तात्पर्य इस निधि से संबंधित यूनिट पूंजी में इस रूप से के अधिकतम मूल्य के एक पूर्ण शेयर से है।

(11) "यूनिट पूंजी" का तात्पर्य इस निधि के अन्तर्गत बंके गये और अस्थायी रूप में देश यूनिटों के अधिकतम मूल्य के योग से है।

(12) "यूनिट ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से है।

(13) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम विनियमावली में दिए गए हैं।

(14) "अनिवासी भारतीय (एन आर आई)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रियता/मूल के अनिवसियों से है। मूल रूप से अधिनियमित भारत सरकार अधिनियम, 1935 में दी गई परिभाषा के अनुसार यदि कोई व्यक्ति या उसके माता-पिता या पितामह-पितामही में से कोई, चाहे उसका दर्जा कितना भी बड़ा हो अथवा उसके पूर्वज, चाहे पितृपक्ष से हो या मातृपक्ष से हो, भारत में जन्मा/जन्मी हो तो वह भारतीय मूल का व्यक्ति माना जाएगा।

(15) "विदेशी निर्णमित निकाय (ओ सी जी)" में विदेशी कम्पनियों, भागीदारी फर्म, समितियां और अन्य निर्णमित निकाय, जिसमें भारत के बाहर रहने वाले भारतीय नागरिक या भारतीय मूल के व्यक्ति का प्रत्यक्षतः या पराक्षतः न्यूनतम 60% का स्वामित्व हो तथा विदेशी न्यास, जिसमें ऐसे व्यक्तियों का न्यूनतम 60% लाभप्रद हिस्सा अधिकतम रूप से हो, शामिल है।

(16) एक वचन वाले शब्दों में बहुवचन और पुल्लिंग के सभी संदर्भों में स्त्रीलिंग तथा एक-वचन के विपर्यय शामिल हैं।

इस योजना के अन्य उपबंध पृष्ठ 11 से दिए गए हैं।

यू टी आई मूद्रा बाजार म्यूचुअल फंड योजना

के अन्तर्गत अनायी गयी

यू टी आई मूद्रा बाजार निधि

के विवरण निम्नीलिखित हैं :

#### 1. परिभाषाएं :

जिन शब्दों की परिभाषा प्लान में नहीं दी गई है, उनके वही अर्थ होंगे, जिस अर्थ में वे योजना/अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित हैं और उन्हें जो अर्थ दिया गया है।

## 2. प्रत्येक यूनिट का अधिकतम मूल्य :

योजना के अंतर्गत जारी प्रत्येक यूनिट का अधिकतम मूल्य दस रुपए होगा।

## 3. यूनिट के लिए आवेदन :

(1) इस प्लान में निम्न प्रकार के व्यक्ति यूनिट के लिए आवेदन कर सकते हैं :—

- (1) कोई भी निवासी या अनिवासी व्यक्ति, एकल रूप में या संयुक्त रूप से/उत्तरजीवी आधार पर अन्य व्यक्ति के साथ, उनमें से कोई भी नाबालिग नहीं हो।
- (2) निवासी या अनिवासी नाबालिग की ओर से उसके माता-पिता, सौतेले माता-पिता या अन्य कानूनी अभिभावक।
- (3) हिन्दू अभिभावक परिवार—निवासी और अनिवासी दोनों।
- (4) जीवनसाथी में यथाविरभाषित कोई भी व्यक्ति, धर्मार्थ और धार्मिक स्वातंत्र्य सहित।
- (5) सीमित पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत समितियाँ।
- (6) कम्पनी, बैंक या अन्य निगमित निकाय।
- (7) अनिवासी भारतीयों की न्यूनतम 60% स्वामित्व वाली अनिवासी कम्पनियाँ/विदेशी कम्पनी निकाय।
- (8) विदेशी संस्थागत निवेशक और कोई अन्य संस्था।
- (2) यूनिट ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा यथानियतित फार्म में आवेदन किया जाएगा।

(2) सामूहिक निवेशकों द्वारा खरीदे जाने वाले यूनिटों के लिए आवेदन ऐसे व्यक्तियों द्वारा किए जाएंगे, जो इस प्रयोजनार्थ निवेशकों के नियंत्रण परिपक्वता-पत्र, नियमों और विनियमों आदि के द्वारा अधिकृत होंगे।

4. निगमित निकाय, नाबालिग आदि के द्वारा आवेदन और उनका पंजीकरण :

(1) निगमित निकाय सदस्य या संयुक्त सदस्यों में से एक हो सकता है।

(2) किसी नाबालिग का माता-पिता, सौतेला माता-पिता या कानूनी अभिभावक होने के नाते कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 21 की उप धारा (2ए) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख सकता है और उनकी बिक्री कर सकता है। ऐसा व्यक्ति एकाधिकार रीति से ट्रस्ट को नाबालिग की उम्र और नाबालिग की ओर से यूनिट रखने और बेचने की हकिमत रखने का समान पत्र करेगा।

ट्रस्ट को ऐसे बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण के वालिग द्वारा किए गए ट्रस्ट पर कार्रवाई करने का हक होगा।

(3) कम्पनी और अन्य निगमित निकायों द्वारा किए जाने वाले आवेदन के साथ यूनिट में निवेश करने की आवश्यक की सीमा संबंधी दस्तावेज जैसे संस्था अधि के डिपॉजिट और अतिरिक्त प्रबंध निकाय के संकल्प की अधिकतम सीमांत और अतिरिक्त प्रमाणनामा की प्रतिलिपि संलग्न किए जाएंगे।

(4) संयुक्त धारक दो से अधिक व्यक्ति नहीं होंगे।

(5) यूनिट के लिए पदवी हकिमत से आवेदन करने वाले व्यक्ति को उसके पदवी नाम से यूनिट जारी किए जाएंगे।

## 5. न्यूनतम निवेश-राशि :

न्यूनतम निवेश 10,000 रुपए होगा। निवेश-राशि की कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी।

50,000 रुपए और उससे अधिक के निवेश के मामले में निवेशक को सूचित किया जाता है कि उसे आयकर पी. ए. एन./जी. आई. आर. संख्या और आयकर सॉफ्टवेयर, यदि हो, देना चाहिए।

## 6. जुटारी जाने वाली न्यूनतम लक्ष्य राशि :

प्लान शुरू होने के प्रथम तीस दिन में एक करोड़ रुपए की राशि जुटाने का लक्ष्य है। यदि अभिमान अधिक होगा, तो ट्रस्ट द्वारा पूरी राशि रख ली जाएगी।

यदि एक करोड़ रुपए की उक्त लक्ष्य राशि का अभिमान नहीं होगा तो ट्रस्ट प्लान शुरू होने के तीसरे दिन से छः सप्ताह तक में साप्ताहिक रूप से दोगे बैंक द्वारा प्लान में संग्रहित पूरी राशि वापस कर देगा।

उक्त निर्धारित अवधि में राशि वापस न करने की स्थिति में ट्रस्ट योजना शुरू होने के तीसरे दिन से छः सप्ताह की समाप्ति पर निवेशकों को 15% वार्षिक की दर से आज जमा करने का साथी होगा।

## 7. यूनिट की बिक्री :

(1) प्लान शुरू होने की तिथि को यूनिट सममूल्य पर बेचे जाएंगे। उसके बाद "बिक्री मूल्य" योजना के लक्ष्य और राशि के आधार पर रहेगा।

(2) आवेदक द्वारा आवेदन यूनिट के लिए भगवान आवेदन-पत्र के साथ नकदी, बैंक, डाफ्ट या भगवान आवेदक के द्वारा किया जाएगा। आवेदन केवल यदीवाह बैंक को शाना कार्यालयों द्वारा स्वीकार किए जाएंगे।

(3) आवेदन स्वीकार या अस्वीकार करने का ट्रस्ट का अधिकार : ट्रस्ट को अपने विवेक पर प्लान के अंतर्गत यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकार और/या अस्वीकार करने का पूरा अधिकार होगा। प्लान के अंतर्गत आवेदन करने की आवेदक की वास्तव संबंधी ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।

(4) अपूर्ण आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है : यदि आवेदन पत्र अपूर्ण गया जाए तो उसे अस्वीकार किया जा सकेगा और ट्रस्ट द्वारा व्याज या अन्य किसी प्रकार की देयता उणीवत किए बिना एकाधिक ऐसी आवेदन-राशि वापस की जाएगी।

(5) आवेदक को यूनिट जारी किए जाने के पहले विधि संबंधी अपेक्षाएँ पूरी करनी होंगी : प्लान के अंतर्गत यूनिट के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को आवेदन करने की अपनी वास्तव से ट्रस्ट को संतुष्ट करना होगा और ट्रस्ट की अन्य सभी अपेक्षाएँ जैसे अपेक्षाओं को अनुपालन या अन्यथा के प्रमाण ट्रस्ट की संतुष्ट करने पर निवेश करने की है। कोई गलत घोषणा करने वाला यूनिट रखने वाले व्यक्ति को यूनिट रखने के लिए जा सकते हैं। गलती होने में ट्रस्ट को जमाना वापस कर सममूल्य पर या ट्रस्ट द्वारा एकाधिकारित अन्य मूल्य पर यूनिट की पत्रव्यवस्था करने और



पुनर्बरीद आगम में से गलत रूप में प्रकटा जाय संबिहरण की वसूली करके धन वापस करी का अधिकार होगा। पुनर्बरीद करने और आवेदक को पुनर्बरीद आगम की रीति के प्रबंध में चाहे कितना भी समय लगे, उसके लिए उस राशि पर कोई व्याज नहीं दिया जाएगा।

#### 8. यूनिट आबंटन की तिथि :

चैक/ड्राफ्ट/भुगतान आवेदन द्वारा भुगतान करने के मामले में यूनिट आबंटन की तिथि यह होगी, जिस तिथि को लिखत-आवण संसदी सभा नाम किया जाएगा। नकद भुगतान के मामले में प्राप्ति की तिथि को यूनिट आवंटित किया जाएगा, बशर्ते वह यूटीआई बैंक की अधिकृत शाखा में निर्दिष्ट समय के पहले जमा की जाए। माइक्रो क्रेडिट में गैर-माइक्रो लिखत या बाहरी बैंक के द्वारा भुगतान करने पर लिखत की वसूली की तिथि आबंटन की तिथि होगी।

यूनिट का आबंटन, आबंटन तिथि के शुद्ध आरिस्ट मूल्य पर किया जाएगा, जिसकी घोषणा अगले कार्य दिवस का सामान्य कार्य समय शुरू होने के पहले की जाएगी। गणित का आबंटन चार दशमलव अंकों तक किया जाएगा। उदाहरणार्थ, (क) यदि भुगतान नकदी/उत्पन्न मूल्य वाले चेक से 3 जन 1997 को किया जाए तो 3 जन 1997 को कार्य समाप्त के समय परिष्कृत 3 जन 1997 के शुद्ध आरिस्ट मूल्य पर यूनिट आवंटित किए जाएंगे और उसकी घोषणा 4 जन 1997 को की जाएगी। उदाहरणार्थ (ख) यदि भुगतान नकद मूल्य के चेक/ड्राफ्ट/भुगतान आवेदन द्वारा 1 जुलाई 1997 को किया जाए तो लिखत सामान्य 2 जुलाई 1997 (अगला कार्यदिन जिस दिन के कारणों को जाना किया जाएगा और 2 जुलाई 1997 की कार्य-समिति पर परिष्कृत उस दिन के शुद्ध आरिस्ट मूल्य पर यूनिट आवंटित किए जाएंगे और उसकी घोषणा 2 जुलाई 1997 को सामान्य कार्य समय शुरू होने के पहले की जाएगी।

#### 9. सदस्यता-विवरण :

प्लान के अन्तर्गत सदस्य को उसकी सदस्यता में दो श्रेणियों (चार दशमलव अंकों तक) की सदस्यता निर्धारण/एनर्जनी और विनिर्दिष्ट अनुसंधान अर्थात् के लिए एनर्जनी के लिए आवेदन रखने (सदस्य) को एक रूप निर्धारण करने दिया जाएगा। ऐसा पहला विवरण निर्देश के दो कार्य दिवस के भीतर जारी किया जाएगा।

#### 10. यूनिट की पुनर्बरीद :

(1) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशानुसार अनुसंधान अर्थात् के लिए समय 20 दिन की है। यदि प्लान के अन्तर्गत जारी यूनिटों में पुनर्बरीद करने की आवश्यकता है। तो प्लान के अन्तर्गत जारी यूनिटों में पुनर्बरीद करने की आवश्यकता अर्थात् के लिए निर्देशानुसार समय 20 दिनों के भीतर जारी किया जाएगा।

(2) यदि समय निर्देशों की पुनर्बरीद अर्थात् आरिस्ट मूल्य पर करेगा। यदि पुनर्बरीद के लिए समय-समय पर निर्धारित किया जाने वाला समय अर्थात् के लिए समय 20 दिनों के भीतर जारी किया जाएगा। इस समय प्रत्येक पुनर्बरीद करने के लिए निर्धारित शुल्क 20/- है। लेकिन यदि (अनुसंधान अर्थात्) निर्देशानुसार 1000 के अन्तर्गत 40 के अन्तर्गत पर निर्धारित किया जाएगा कि लेने-देने शुल्क प्लान के अन्तर्गत पुनर्बरीद करने के लिए आरिस्ट मूल्य के 0.2% के कारण है। किसी भी कार्य-समिति की कार्य-समिति तक पुनर्बरीद के लिए प्राप्त अनुरोध के अनुसार अगले कार्य-दिवस के

सामान्य कार्य समय के पहले घोषित किये जाने वाले उस दिन (कार्य समय की समाप्ति पर परिष्कृत) के शुद्ध आरिस्ट मूल्य पर पुनर्बरीद की जाएगी। पुनर्बरीद राशि का भुगतान अगले कार्य दिवस के अधिक बैंक द्वारा किया जाएगा। अगला कार्य दिवस का तात्पर्य मुम्बई में और पुनर्बरीद के स्थान में प्रथम कार्य दिवस से है।

(3) पुनर्बरीद के लिए अनुरोध यूटीआई बैंक के शाखा कार्यालयों के काउंटर पर उपलब्ध पूर्व मुद्रित सामान्य आवेदन-पत्र के माध्यम से किये जा सकते हैं।

(4) पुनर्बरीद की मासिक सीमा प्रति सदस्य रु. 5 करोड़ (अर्थात् पुनर्बरीद मूल्य) होगी। भविष्य में इस सीमा में ढील दी जा सकती है। किसी सदस्यता के अन्तर्गत यूनिट की पुनर्बरीद "पहले आओ पहले जाओ" के आधार पर की जाएगी, अर्थात् जो यूनिट पहले जारी किये गये थे, पहले उनकी ही पुनर्बरीद की जाएगी।

(5) आंशिक पुनर्बरीद की अनुमति दी जाएगी, लेकिन ऐसे पुनर्बरीद के परिणामस्वरूप किसी सदस्य का निवेश रु. 10,000 से कम नहीं होना चाहिए। यदि आंशिक पुनर्बरीद का आवेदन ऐसी राशि के लिए किया जाए, जिसके परिणामस्वरूप पुनर्बरीद के बाद शेष रु. 10,000/- से कम हो जाए तो ट्रस्ट निवेशक के खाते में जमा पूरे यूनिट की पुनर्बरीद कर सकता है।

(6) किसी भी सदस्य के लिए पुनर्बरीद हेतु यूनिट पेश करना बाध्यकर नहीं है और वह योजना के चालू रहने तक जब चाहे अपने पास यूनिट रखने के लिए स्वतन्त्र है।

#### 11. यूनिट की बिक्री और पुनर्बरीद पर प्रतिबंध :

योजना और उनके अन्तर्गत बने प्लान के उपबंध में अंतर्विष्ट किसी बात के बावजूद यूनिट ट्रस्ट किसी गैर कार्य दिवस को यूनिट की बिक्री या पुनर्बरीद के लिए बाधा नहीं होगा।

**स्पष्टीकरण :** इस निधि के लिए शब्द "कार्य दिवस" का तात्पर्य उस दिन से है, जो न तो (1) महाराष्ट्र राज्य में या ऐसे अन्य राज्यों में, जहाँ यूनिट ट्रस्ट या यूटीआई बैंक का कोई कार्यालय हो, सार्वजनिक अवकाश के लिए परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अन्तर्गत अधिसूचित है और न ही (2) भारत के राजपत्र में यूनिट ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित हो, कि उस दिन यूनिट ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

#### 12. व्यय :

पहले दो वर्षों में योजना के विपणन और प्रवर्तन के प्रारम्भिक व्यय ट्रस्ट के विकास प्रारंभिक निधि से पूरे किये जाएंगे और योजना पर इसका कोई व्यय-भार नहीं पड़ेगा। उसके बाद योजना पर इसका व्यय-भार डाला जाएगा। योजना से बैंक प्रभार, मद्रास और स्टेशनरी तथा इसके प्रशासनिक व्यय आवृत्ति आधार पर किये जाएंगे। इसके अलावा, हर एक वर्ष योजना के वार्षिक आसित शुद्ध आरिस्ट का नाममात्र 0.10% तक ट्रस्ट के विकास प्रारंभिक निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा।

अनुमानित आवृत्ति व्यय इस प्रकार है :—

व्यय	%
प्रशासनिक व्यय	0.10%
मुद्रण और स्टेशनरी	0.15%
बैंक प्रभार	0.20%
विकास प्रारंभित निधि	0.10%
कुल	0.55%

उक्त व्यय अनुमानित है और किये जाने वाले वास्तविक व्यय के साथ परस्पर उनमें परिवर्तन किया जा सकता है। ट्रस्ट योजना के प्रबंध में समग्र मितव्ययिता नरकरार रखना चाहता है। जैसे-जैसे योजना का आकार बढ़ेगा, अनुमान है कि योजना की आ रियायों में व्यय का अनुपात क्रमशः कम होता जाएगा। विभिन्न आस्तियों के आकार के लिए कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में अनुमानित व्यय इस प्रकार होगा :

रु. 25 करोड़ की आस्ति तक	: 0.80%
रु. 25 करोड़ से रु. 50 करोड़ तक	: 0.60%
रु. 50 करोड़ से अधिक	: 0.55%

संबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली 1996 के अनुसार यूटीआई विविध, प्रबंध और परामर्श शुल्क नहीं लगाता है। यूटीआई यह सुनिश्चिता करेगा कि वार्षिक आवृत्ति व्यय संबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली 1996 में विनिर्दिष्ट सीमा तक रहे।

#### 13. सदस्य की रसीद से यूनिट ट्रस्ट की प्रभार मुक्ति :

सदस्यता विवरण में अंकित यूनिट के संबंध में सदस्य को प्रस्ताव राशि के लिए उसकी रसीद यूनिट ट्रस्ट के लिए समुचित प्रभार-मुक्ति होगी।

#### 14. सदस्यों द्वारा नामांकन :

सदस्य विनियमों में उपबंधित सीमा तक नामांकन करने या उसे रद्द करने के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। नावांशिक की ओर से यूनिट रखने वाले माता-पिता या कानूनी अभिभावक होने के नाते या अविभक्त हिस्से परिवार, न्यास, समितियों और निगमित निकाय की ओर से यूनिट रखने वाले सदस्यों को नामांकन करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

#### 15. सदस्य की मृत्यु :

(1) यूनिट के संयुक्त सदस्यों में से किसी एक की मृत्यु होने पर यूनिट ट्रस्ट द्वारा जीवित व्यक्ति को ही योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के यूनिटों के हकदार या हिताधिकारी होने की मान्यता दी जाएगी।

बशर्त, इसमें अंतर्विष्ट कोई भी बात उक्त यूनिट के संबंध में ऐसे जीवित व्यक्ति के विरुद्ध किसी अन्य व्यक्ति के किसी अधिकार को प्रभावित नहीं करेगी।

(2) किसी एकल सदस्य की मृत्यु हो जाने पर यूनिट के संबंध में ट्रस्ट द्वारा दत्त राशि के हकदार व्यक्ति के रूप में ट्रस्ट द्वारा केवल नामिती को मान्यता दी जाएगी।

(3) किसी एकल सदस्य द्वारा बैंध नामांकन नहीं किये जाने पर मृत सदस्य का निष्ठादक या प्रशासक अथवा भारतीय उत्तराधि-

कार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक है। वह व्यक्ति होगा, जिसे ट्रस्ट द्वारा यूनिट का हकदार होने की मान्यता दी जा सकती है।

(4) सदस्य (सदस्यों) की मृत्यु के परिणामस्वरूप यूनिट के हकदार होने वाले व्यक्ति को, ट्रस्ट द्वारा उसके हक के लिए पर्याप्त समझा गया साध्य पेश करने पर तथा दावदार द्वारा दावा संबंधी सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मृत व्यक्ति के खाने में जमा सभी यूनिटों के पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा।

(5) यह यूनिट रखने का पात्र व्यक्ति नामिती है जो उक्त नामिती की इच्छा के अनुसार मृत व्यक्ती के खाने में जमा सभी यूनिट का पुनर्खरीद मूल्य प्राप्त करने के बचले उस सदस्य के रूप में यूनिट रखने को अनुमति दी जाएगी और जहां यूनिट वह रखना चाहेगा, न्यूनतम यूनिट रखने की शर्त पर उसके नाम से उताने यूनिट का सदस्यता विवरण जारी किया जाएगा।

मुद्रा बाजार म्यूचुअल फंड योजना का विवरण-जारी

#### 2. निवेश उद्देश्य और नीति :

(1) इस योजना में निवेश का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा के साथ-साथ यथासम्भव सर्वाधिक लाभ प्रदान करना और अल्पाधिक मुद्रा बाजार प्रतिभूतियों के विविध क्षेत्रों में निवेश करके तरलता प्रदान करना है। यह योजना निम्नलिखित मुद्रा बाजार प्रतिभूतियों में निवेश करेगी :

(क) सञ्जाना बिल और 1 वर्ष तक की असमाप्त परिपक्वता अवधि वाली दिनचिकित्त सरकारी प्रतिभूतियाँ।

(ख) मांग/सूचना पर दत्त मुद्रा

(ग) पी 1 और उससे अधिक के निर्धारण वाले जमा-प्रमाणपत्र में।

(घ) न्यूनतम पी 1 निर्धारण वाले वाणिज्यिक पत्र में।

(ङ) वास्तविक व्यापार/वाणिज्यिक कारोबार से उत्पन्न और बैंकों द्वारा स्वीकृत/सह-स्वीकृत वाणिज्यिक बिल।

(च) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत अन्य लिखत।

\* भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा निर्देशों के अनुसार किसी कंपनी द्वारा निर्गत वाणिज्यिक-पत्र में निवेश योजना-निधि के 30 प्रतिशत की निवेश-सीमा के अन्तर्गत होगा।

(2) ट्रस्ट की इस योजना से/के अन्य योजना/प्लान को/से निवेश का अंतरण सभी किया जाएगा, जब :

(क) ऐसे अंतरण हाजिर आधार पर निश्चित भाव वाले लिखत के मौजूदा बाजार मूल्य पर किये जाने हैं। अनिश्चित भाव वाले लिखत के लिए अंतरण मूल्यन कीमत पर रीति जाएगी। आस्तियों के मूल्यांकन की विधि नीचे खंड 4 में उल्लिखित है।

(ख) इस प्रकार अंतरित प्रतिभूतियाँ योजना/प्लान के निवेश के उद्देश्य के अनुरूप होनी चाहिए, जिसमें ऐसे अंतरण किये गये हैं।

(3) इस योजना की निधि का निवेश/से श्रृण यूटीआई की अन्य योजना/प्लान में/को नहीं किया जाएगा, जब कि नियामक प्राधिकारी ऐसे अनुमति नहीं देता।

(4) इस योजना में खरीदी गई मूद्रा बाजार लिखतों की बिलिवरी ली जाएगी और बेची गई प्रतिभूतियों की बिलिवरी दी जाएगी।

इस पेशकश वस्तावेज में अंतर्विष्ट किसी बात के बावजूद निधि में किया जाने वाले निवेश भारतीय रिजर्व बैंक और सेवा द्वारा समय-समय पर बनाए गये नियमों, विनियमों और दिशा-निर्देश से नियंत्रित होगा।

(4) योजना की आस्तियों का मूल्यांकन :

योजना द्वारा लिए गये निवेश का मूल्यांकन हरके कार्य दिवस कार्य समय समाप्त होने पर निम्नलिखित आधार पर किया जाएगा :

(1) अंतर बैंक मांग मूद्रा बाजार में एक दिन के लिए निर्दिष्ट राशि का मूल्यांकन उधारी राशि और मूल्यांकन दिवस शुरू होने तक उपचित व्याज के रूप में किया जाएगा।

(2) अंतर बैंक मांग मूद्रा बाजार में एक से अधिक दिन के लिए निर्दिष्ट राशि का मूल्यांकन लागत और मूल्यांकन दिवस शुरू होने तक उपचित व्याज के रूप में किया जाएगा।

(3) निधि के विभिन्न चालू खाते में रखी राशि का मूल्यांकन लागत और मूल्यांकन दिवस शुरू होने तक उपचित व्याज, यदि हो, के रूप में किया जाएगा।

(4) खजाना बिल, वाणिज्यिक पत्र, जमा प्रमाणपत्र और अन्य बट्टा लिखतों में निर्दिष्ट राशि का मूल्यांकन लिखत के पिछले क्रय-विक्रय के प्रतिफल पर किया जाएगा। इस प्रयोजनार्थ, पिछले दो कार्य दिवस तक का भाव वैध माना जाएगा। जब पिछले दो कार्य दिवस के भाव उपलब्ध नहीं हों, तब लिखत का मूल्यांकन लागत और लिखत की शेष परिपक्वता अवधि पर समान रूप से लागू अधिक मूल्य और लागत के बीच के अंतर पर किया जाएगा।

(5) व्याज वाले लिखत का मूल्यांकन लिखत के पिछले क्रय-विक्रय के प्रतिफल पर किया जाएगा। इस प्रयोजनार्थ, पिछले दो कार्य दिवस तक का भाव वैध माना जाएगा। जब पिछले दो कार्य दिवस के भाव उपलब्ध नहीं हों, तब लिखत का मूल्यांकन लागत और दिन शुरू होने तक उपचित व्याज तथा लिखत की शेष परिपक्वता अवधि पर समान रूप से लागू अधिक मूल्य और लागत के बीच के अंतर पर किया जाएगा।

उक्त मद (4) और (5) के प्रयोजनार्थ भाव का तात्पर्य राष्ट्रीय संघर्ष बाजार में मूल्यांकन के दिवस को निपटान के लिए संचित एक मुक्त सोव या भारतीय रिजर्व बैंक की गीण खाता बही में संचित एकमुस्त सोव से है।

उपर्युक्त के बावजूद न्यासी मंडल, अध्यक्ष या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा योजना के उद्देश्य के अनुरूप मूल्यांकन नीति में परिवर्तन किया जा सकता है।

5. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का निर्धारण :

योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन हरके कार्य दिवस के कार्य समय की समाप्ति पर आस्तियों के निर्धारित मूल्य (उक्त खंड 4 में वर्णित मूल्यांकन विधि के अनुसार) में योजना के व्यय और प्रावधान संबंधी दायित्वों को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन निधि शुद्ध आस्ति मूल्य में उस तिथि के कार्य समय की समाप्ति पर जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग देकर किया जाएगा परिकलित शुद्ध आस्ति मूल्य चार दशमलव अंकों तक होगा।

दैनिक आधार पर निर्धारित शुद्ध आस्ति मूल्य प्रकाशन के लिए जारी किया जाएगा।

6. यूनिटों का अंतरण/गिरवी रखा जाना/समनुद्देशन :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिट अंतरणीय/गिरवी रखे जाने योग्य/समनुद्देशनीय नहीं हैं।

7. अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन पत्र :

यदि मुख्तारनामा यूटीआई बैंक की बहियों में पहले से पंजीकृत नहीं है और यदि मुख्तारनामा के धारक व्यक्ति द्वारा आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर किया जाए, जो ऐसा करने के लिए अधिकृत हो, तो मूल मुख्तारनामा या उसकी नोटरी द्वारा प्रमाणित प्रतिलिप, आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए।

8. विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंशदान :

हरके वर्ष ट्रस्ट को विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान के लिए दैनिक बीसत शुद्ध आस्ति मूल्य के 0.10% तक अलग रखा जाएगा। विकास प्रारक्षित निधि अंशदान आबर्ती व्यय का एक भाग होगा।

ट्रस्ट ने वर्ष 1983-84 में सामान्य निधि के रूप में विकास प्रारक्षित निधि की स्थापना की ताकि ट्रस्ट संकल्पना-स्थिति में नयी योजनाएं शुरू करने, नयी प्रणाली और प्रक्रिया के नवीन्मेष संबंधी अनुसंधान और विकास कार्य तथा विभिन्न अन्य उत्पाद और विकास कार्य, जो विशेषकर निधि से संबंधित नहीं हैं, संबंधी व्यय पूरा करने में समर्थ हो।

विकास प्रारक्षित निधि का उपयोग आर्थिक और पूंजी बाजार अनुसंधान, प्रबंध और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण और बाजार अनुसंधान तथा विपणन और कम्पनी छवि निर्माण के प्रयास, जो किसी विशेष योजना से संबंधित नहीं हैं, वार्षिकालिक मानव संसाधन विकास प्रयास, जिसे ट्रस्ट के भागी कार्य कलापों से जोड़ा जा सकता है तथा ट्रस्ट की किसी भी योजना की निम्नलिखित प्रतिलाभ दर से कमी, यदि हो, पूरी करने के लिए भी किया जा सकता है।

9. लेखों का प्रकाशन :

ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद यथाशीघ्र बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट लेख का यथानिर्णीत रीति से प्रकाशन करेगा, जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि का योजना के कार्यों का विवरण होगा। सवस्य से लिखित रूप में अनुरोध प्राप्त होने पर ट्रस्ट उसे प्रकाशित लेखा और विवरण की एक प्रति भेजेगा।

10. योजना में परिवर्धन और संशोधन :

योजना के उद्देश्य और सवस्यों के हित के अनुरूप बोर्ड इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में समय-समय पर परिवर्धन या किसी प्रकार का संशोधन कर सकता है और ऐसे परिवर्धन/

संशोधन सांसदीय राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे। संशोधन के मामले में संघ का पूर्वानुमोदन लिया जाएगा। जब योजना का मूल विशेषताओं या दाय शुल्क और व्यय में या अन्य कोई ऐसा परिवर्तन किया जाना हो, जिससे योजना को संशोधित करना पड़े या सदस्यों के हितों पर प्रभाव पड़े तो ऐसे परिवर्तन के लिए न्यूनतम तीन-चौथाई सदस्यों की सहमति ली जाएगी।

परन्तु तब तक कोई ऐसा परिवर्तन नहीं किया जाएगा जब तक तीन-चौथाई सदस्य अपनी सहमति न दें, जो अपनी सहमति न दें उन्हें योजना से अपनी आग्रहताओं से मुक्त होने की अनुमति है।

स्पष्टीकरण : इस खंड के प्रयोजनार्थ "मूल विशेषताओं" का तात्पर्य निर्देशा उद्देश्य और योजना की शर्तों से है।

#### 11. उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध के स्पष्टीकरण में कोई संदेह उत्पन्न होने पर केवल अध्यक्ष और यदि उस समय कोई अध्यक्ष निर्गुल नहीं हो तो कार्यपालक न्यासी को योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा। ऐसा अर्थ किसी भी रूप में प्रीति कूल प्रभाव डालने वाला या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की मूल संरचना के विपरीत नहीं होगा तथा ऐसा निर्णय निश्चायक, बाध्यकारी और अंतिम होगा। योजना और प्लान, दोनों के उपबंध एक दूसरे के साथ पढ़े जाएं।

#### 12. उपबंधों में डोल :

केवल अध्यक्ष और यदि कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो तो ट्रस्ट का कार्यपालक न्यासी कौटुम्हियों को कम करने के उद्देश्य से या योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के निर्बाध और सहज संचालन के लिए योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में ढाल दे सकता है, बशर्ते किसी सदस्य वर्ग के लिए ऐसा करना समोचीन हो।

पेशकश वस्तावज में कोई भी परिवर्तन संघी के पूर्वानुमोदन से ही किया जा सकता है।

#### 13. योजना और उसके अंतर्गत बना प्लान सदस्यों के लिए बाध्यकारी होगा :

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान की शर्तों के साथ समय-समय पर इनमें किए गए संशोधन और परिवर्तन प्रत्येक सदस्य और उसके माध्यम से दावा करने वाले हरेक अन्य व्यक्ति के लिए इस प्रकार बाध्यकारी होंगे, मानो वह योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के उपबंधों में अंतर्विष्ट किसी विपरीत बात को बावजूद ऐसा करने के लिए स्पष्ट रूप से सहमत हो।

#### 14. योजना की समाप्ति :

(क) ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में योजना को समाप्त कर सकता है :

- (1) कोई ऐसी घटना होने पर, जिससे ट्रस्ट की राय में योजना को समाप्त करना आवश्यक हो, या
- (2) योजना के 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त का संकल्प पारित करने पर; या
- (3) यदि सदस्यों के हित में संघी करने का निर्देश दे।

(ख) यदि उक्त उप-खंड (क) के अनुसार योजना समाप्त कर दी जाती है तो ट्रस्ट योजना के समापन के कम-से-कम एक सप्ताह

पहले योजना की समाप्ति की परिस्थितियों की सूचना संघी को और अखिल भारतीय स्तर पर परिचालित होने वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में और मुम्बई की स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देगा।

(ग) योजना की समाप्ति से संबंधित विज्ञापन की तिथि को और उस तिथि से ट्रस्ट :

- (1) इस योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक कार्य नहीं करेगा।
- (2) इस योजना के अंतर्गत यूनिट का सृजन और निरस्तीकरण बंद कर देगा।
- (3) इस योजना में यूनिट का निर्गम और परिशोधन बंद कर देगा।

(घ) योजना की समाप्ति के लिए न्यासी मंडल सदस्यों की बैठक करेगा, जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा इस मामले पर विचार किया जाएगा और साधारण बहुमत से आवश्यक संकल्प पारित किया जाएगा तथा मतदान द्वारा समाप्ति का कार्रवाई करने के लिए न्यासी या किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत किया जाएगा।

(ङ) (1) न्यासी मंडल या उप-खंड (घ) में प्राधिकृत व्यक्ति योजना की आस्थियों का निपटान योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में करेगा।

(2) उक्त उप-खंड (ङ) (1) के अनुसार बिक्री आगम का उपयोग सर्वप्रथम योजना के अंतर्गत समुचित रूप से बकाया देयताओं को चुकाने के लिए किया जाएगा और योजना समाप्ति संबंधी व्यय पूरा करने के लिए समुचित प्रावधान करने के बाव सदस्यों को शेष राशि का भुगतान समाप्ति निर्णय की तिथि को योजना की आस्थियों में उनके हित के अनुपात में किया जाएगा।

(च) समापन का कार्य करने होने पर ट्रस्ट संघी और सदस्यों को एक समापन-रिपोर्ट भेजेगा, जिसमें योजना समापन संबंधी परिस्थितियों, समापन से पहले योजना की आस्थियों के निपटान के लिए की गई कार्रवाई, समापन के लिए योजना के खर्च, सदस्यों को संघीकरण के लिए उपलब्ध शुद्ध आस्थियों का विवरण और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त प्रमाणपत्र होगा।

(छ) इसमें इसके ऊपर अंतर्विष्ट किसी भी बात के बावजूद छाहरी रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए संघी (म्यूचुअल फण्ड) विनियमावली के प्रावधान लागू रहेंगे।

(ज) योजना के खंड 14 (ब) में उल्लिखित रिपोर्ट प्राप्त होने पर यदि संघी को यह समाधान हो जाए कि योजना-समापन संबंधी कार्रवाई पूरी हो चुकी है तो योजना समाप्त हो जाएगी।

(झ) पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्र के साथ सदस्यता विवरण प्राप्त होने तथा अन्य प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ट्रस्ट यथाशीघ्र पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान करेगा। सदस्यता विवरण, पुनर्खरीद अनुरोध पत्र और अन्य फार्म, यदि हो, ट्रस्ट द्वारा निरस्तीकरण के लिए रख लिए जाएंगे।

(ञ) अनिवार्य निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद आगम की राशि सदस्य या उसके संबंधी को उसके अनिवार्य (सामान्य) (एनआरवी) खाते में जमा करने के लिए भेजी जाएगी।

## यूटीआई बैंक का कार्य

ट्रस्ट में वसूली बैंक, भुगतान कर्ता बैंक के रूप में कार्य के लिए यूटीआई बैंक के साथ करार किया है और यह बैंक योजना द्वारा दिये शुल्क पर सदस्यों का अभिलेख रखेगा। यूटीआई बैंक अपने प्राधिकृत शाखाओं के माध्यम से योजना का परिचालन करेगा। लेकिन, यूटीआई बैंक के साथ की गई व्यवस्था में परिवर्तन करने या उसके द्वारा पेश सेवा को प्रतिस्थापित करने का यूटीआई का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

न्यास मंडल द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार प्रतिभूतियों के लेनदेन के लिए शेयर दलाली फर्म और यूटीआई फर्म और यूटीआई से संबंधित यूटीआई सिक्यूरिटीज एक्सचेंज लि. (यूटीआई-एसईएल) की सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है।

यूटीआई बैंक या यूटीआई-एसईएल को प्रवृत्त सभी प्रभार, कमीशन या दलाली का प्रकटीकरण छमाही लेब में किया जाएगा।

## निवेशक की शिकायतें

योजना के सभी निवेशक अपनी शिकायतें केन्द्रीय निवेशक संपर्क कक्ष या मुम्बई स्थित यूटीआई के किसी भी शाखा कार्यालय को भेज सकते हैं।

- (1) केन्द्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्व विद्यालय बसमेंट, द्वार नं. 1, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुम्बई-400020।
- (2) भारतीय यूनिट ट्रस्ट, कामर्स सेंटर 1, 28वीं मंजिल, विश्व व्यापार केन्द्र, जी डी सेमानी मार्ग, कफ परेड, मुम्बई-400005।

## सदस्यों के अधिकार

1. इस प्लान में सदस्यों को प्लान की आस्तियों के लाभकारी स्वामित्व में समानुपातिक अधिकार है।
2. सदस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है, जो उनके निवेश के प्रतिकूलानुभूति है और न्यासी सदस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिए बाध्य होंगे।
3. सदस्यों को "निरीक्षण के लिए उपलब्ध दस्तावेज" शीर्षक के अन्तर्गत सूचीबद्ध सभी दस्तावेजों का निरीक्षण करने का अधिकार होगा।

निम्नलिखित परिस्थितियों में योजना के सदस्यों का अनुमोदन मांगा जाएगा :

- (1) सदस्यों के हिा में जब कभी सेबी द्वारा ऐसा किया जाना आवश्यक हो; या
- (2) योजना के तीन-चौथाई सदस्यों की मांग पर जब कभी ऐसा किया जाना आवश्यक हो;
- (3) जब न्यासी बहुमत से समापन करने या यूनिट का समयपूर्व परिशोधन करने का निर्णय लें; या
- (4) जब तक तीन-चौथाई सदस्यों की सहमति न ले ली जाए, तब तक योजना के खंड 10 में वर्णित मूल विशेषताओं, दिये शुल्क और व्यय में परिवर्तन या ऐसा कोई अन्य परिवर्तन, जिससे योजना के संशो-

धन करना पड़े या सदस्यों के हित को प्रभावित करे, नहीं किया जा सकता है।

## कर-निवेशिका

इस योजना में प्रतिलाभ का संवितरण सामान्यतः पुनर्चरीय पर वसूलनीय पूंजी वृद्धि के माध्यम से किया जाएगा।

## कर-छूट

प्रचलित कर कानून के अनुसार इस योजना में आय और पूंजी वृद्धि पर कर लगेंगे। मौजूदा कराधान कानून के अनुसार "यूटीआई-मुद्रा बाजार निधि" सहित ट्रस्ट की सभी योजनाओं में सभी निवासियों और अनिवासियों (यदि यूनिट की खरीद अनिवार्य सामान्य खाने से भुगतान करके की जाए), व्यक्तियों और हिन्दू अविभक्त परिवार को लाभान्वित के रूप में यूनिट से प्राप्त आय पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 एल के अधीन आय में रु. 15,000/- तक की कुल सीमा तक कटौती का लाभ मिलेगा।

इस योजना से होने वाले दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 लागू होंगी।

इस प्लान के अन्तर्गत यूनिट में किये गये निवेश का मूल्य धनकर से मुक्त है।

## पात्र न्यासियों के लिए

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11(2) (ख) के अंतर्गत यूनिट स्वीकृत प्रतिभूतियां हैं। अतः यूनिट में निवेश करने वाले पात्र न्यास आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 और 13 के अन्तर्गत आय और निधि के संबंध में कर छूट के योग्य होंगे।

आयकर/धनकर/उपहार कर/पूँजी अभिलाभ कर, अनिवार्य भारतीयों/विदेशी कम्पनी शिकायतों/विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा किये गये निवेश संबंधी प्रकटीकरण मौजूदा आयकर अधिनियम, फोरा और रिजर्व बैंक के निर्देशों और अनुमति के अनुरूप हैं।

## लेखा परीक्षक

मै. एस के कपूर एण्ड कं. 16/98, एलआईसी बिल्डिंग, बी माल, कानपुर-208001 और मै. कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री, माणिकजी वाडिया बिल्डिंग, 127, महात्मा गांधी मार्ग, मुम्बई। योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा की जाती है और वे प्रत्येक वर्ष बदले जा सकते हैं।

## निरीक्षण के लिए उपलब्ध दस्तावेज

केन्द्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय बसमेंट, द्वार नं. 1, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुम्बई-400020 में निम्नलिखित दस्तावेज निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे :-

- \* यूटीआई अधिनियम
- \* सामान्य विनियमावली
- \* यूटीआई बैंक के साथ किया गया करार
- \* मुद्रा बाजार म्यूचुअल फंड के पेशकश दस्तावेज की प्रतिलिपि

भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
कार्पोरेट कार्यालय

13, सर विट्ठलदास ठाकरसी मार्ग (न्यू मरीन लाइन्स),

मुम्बई-400 020

टेलीफोन नं. 206 8468

एमएमएफ टिबिजन

13, सर विट्ठलदास ठाकरसी मार्ग न्यू मरीन लाइन्स),

मुम्बई-400 020

टेलीफोन नं. 209 3639

यूटीआई बैंक की अधिकृत शाखा

यूटीआई बैंक लि., यूनिवर्सल इन्श्योरेंस बिल्डिंग

सर पी. एम. रोड, फोर्ट,

मुम्बई-400 001

टेलीफोन नं. 283 5784

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मुम्बई, दिनांक 24 जून 1997

यूटी/डीवीडीएस/एस पी डी-96/96-97/आर-224—भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाए गए यूटीआई इन्डेक्स इक्विटी फंड परिसंचरण द्वारा 12 अप्रैल, 1997 को अनुमोदित किया गया है, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

ए. जी. जोशी

महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

यूटीआई-इन्डेक्स इक्विटी फंड

ऐशकश दस्तावेज

12 मई, 1997 से 25 जून, 1997 तक पेशकश खूली रहेगी

यूटीआई इन्डेक्स इक्विटी फंड भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत यूटीआई के न्यासी मंडल द्वारा बनाया गया है।

\* योजना के विवरण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मासिक सूची) दिनांक 1996 के अनुसार संशोधित किए गए हैं और जन साधारण के अभिज्ञान हेतु पेश किए गए यूनिट सेबी द्वारा न तो अनुमोदित अथवा अनुमोदित किए गए हैं न ही सेबी ने पेशकश दस्तावेज की यथार्थता अथवा पर्याप्तता को ही प्रमाणित किया है।

योजना का उद्देश्य

\* यह एक निवेश निधि है। योजना नेशनल स्टाक एक्सचेंज-50 शेयर सूचकांक (निपटी) और डीएसई संश्लेषित सूचकांक की प्रतिभूतियों के समूह में इस उद्देश्य से निवेश करेगी कि वे सूचकांकों से निवेश प्रदर्शन किया जा सके। योजना दोनों में से किसी भी सूचकांक को प्रतिफल नहीं बनाएगी लेकिन यूटीआई

अपने पोर्टफोलियो का निर्धारण सूचकांक में सम्मिलित शेयरों में से करेगा।

विशिष्टताएं

- \* यह एक सात वर्षीय नियत कालिक योजना है।
- \* निवेशकों को बम्बई स्टॉक एक्सचेंज संश्लेषित सूचकांक (संश्लेष) और नेशनल स्टाक एक्सचेंज-50 शेयरों का सूचकांक (निपटी) के अनु-विषय इक्विटी शेयरों में निवेश का लाभ उठाने का अवसर देती है।
- \* सुरक्षा कवच : यदि एक वर्ष के बाद योजना का शुद्ध आस्ति मूल्य समग्र मूल्य से कम हो, तो निवेशकों को प्रति निवेशक 5000 यूनिटों तक समग्र मूल्य पर पुनर्चरीद का विकल्प होगा। इस विकल्प का प्रयोग केवल मूल आवंटित आवंटन की तारीख से एक साल बाद एक माह तक (अर्थात् 01-08-1998 से 31-08-1998 तक) कर सकते हैं। प्रत्येक निवेशक विकल्प का प्रयोग केवल एक बार ही कर सकता है। निवेशकों को एक वर्ष बाद पूंजी की सुरक्षा की गारंटी ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि द्वारा दी जा रही है।
- \* नियमित पुनर्चरीद की अनुमति आवंटन की तारीख से तीन वर्षों बाद अर्थात् 01-08-2000 से शुद्ध आस्ति मूल्य आधारित कीमत पर (जो साप्ताहिक आधार पर निर्धारित की जाएगी) दी जाएगी।
- \* अभिवान बंद होने के बाद छः माह के भीतर नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीकरण।
- \* लाभांश और पुनर्चरीद/प्रतिदान प्राप्ति या एनवाइडेंस तथा ओसीडी के लिए पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय है जहां निवेश विदेशों से विप्रेषण के माध्यम से या एनआरई खातों को नामे करके अथवा एफसीएनआर जमाओं की राशि से चंक/ड्राफ्ट जारी करके किया जाता है।
- \* पूंजी वृद्धि से पूंजीगत अभिलाभ और लाभांश पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 एल एवं धारा 48 तथा 112 के अंतर्गत कर लाभ।
- \* आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54ईए और 54ईबी के अंतर्गत उक्त धाराओं के अंतर्गत अगर शुद्ध अवधि के प्रावधानों के अधीन पूंजीगत अभिलाभ कर से छूट।
- \* निवासी और अनिवासी व्यक्ति व्यक्तियों/हिंदू व्यक्ति परिवार/भागीदार फर्म/न्यासी/समितियों/पंजीकृत सहकारी समितियों/कंपनियों एवं बैंकों सहित नियमित निकायों/विवैकी निगमित निकायों (ओबीसी)/मजाल फंडों/सेना/नौसेना/वायसेना/अर्ध सैनिक निधियों/विदेशी संस्थागत निवेशकों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए खूला है।

जोखिम के तत्व

- \* योजना के यूनिटों में निवेशों पर बाजार का जोखिम होगा है और योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का ऊपर या नीचे जाना योजना के पोर्टफोलियो पर बाजार की शक्तियों के प्रभाव पर निर्भर करता है।
- \* पूर्व योजनाओं का कार्यान्वयन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का दायक नहीं है। इस बात का कोई आश्वासन

सन नहीं है कि योजना को उद्देश्य प्राप्त कर ही लिए जाएँ।

\* यूटीआई—इन्डक्स इक्विटी फंड केवल योजना का नाम है और यह किसी भी प्रकार से योजना की गुणवत्ता, इसका भावी सम्भावनाओं या आय का संकेत नहीं देता है। निवेशकों से आग्रह किया जाता है कि इस योजना में निवेश करने से पहले वे पेशकश की शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें।

#### यूटीआई की स्थापना

यूटीआई अधिनियम, 1963 के अंतर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य बचत एवं निवेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रबंधन और निपटार से ट्रस्ट को प्राप्ति होने वाली आय, लाभों और अभिलाषों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1964 से कार्य करना आरंभ किया।

#### यूटीआई का प्रबंधन

ट्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है।

मंडल के अलावा, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होते हैं। यह समिति मंडल की कार्यक्षमता के अंतर्गत आने वाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

#### परिचालन का पैमाना

ट्रस्ट पिछले 32 वर्षों से अधिक समय से कार्य कर रहा है और इसने 5 करोड़ से ज्यादा निवेशकों की लगभग 56,620 करोड़ रुपये की निधियों का प्रबंध करने में विशेषज्ञता अर्जित की है।

#### न्यासी मंडल

1. श्री जी. पी. गुप्ता—अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
2. डा. पी. जे. मायक—कार्यपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
3. श्री आर. बी. गुप्ता—उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक
4. श्री एस. एच. खान—अध्यक्ष, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
5. श्री एन. एस. संवत्सरिया—प्रबंध निदेशक, गुजरात बंबूबा सिमेंट्स लि.
6. डा. अरविंद वीरमणि—सलाहकार, नीति आयोग, भारत सरकार, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय
7. श्री पी. आर. खन्ना—सतबो संचालक
8. श्री एन. एम. गोवर्धन—अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम
9. श्री पी. जी. काकोडकर—अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
10. श्री एन. वावेल—अध्यक्ष, आईसीआईसीआई लि.
11. श्री रविशंकर जिलाजी—अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पंचाभ नेशनल बैंक

\*दि. 31-03-1997 से उनकी कार्योक्ति समाप्त हो गई है।

#### 1. संक्षिप्त शोधक और योजना का आरम्भ

- (1) यह योजना यूटीआई इन्डक्स इक्विटी फंड कहی जाएगी।
- (2) यह योजना सित वषा के लिए अर्थात् 1 अगस्त, 1997 से 31 जुलाई, 2004 तक के लिए होगी।
- (3) यूनिटों की वक्रा 12 मई, 1997 से 25 जून, 1997 तक 45 दिनों के लिए होगी। अर्थात्, यूनिट ट्रस्ट के न्यासी मंडल का कार्यकारिणी समिति/अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी पारस्थितियाँ उत्पन्न होने पर, स्टॉक एक्सचेंज में व्यवसाय न होने पर या अन्य सामाजिक-आर्थिक कारणों से अखबारों में 7 दिनों की नाटस देने के बाद या एसी पद्धति से जैसा ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाए, योजना के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री स्थगित कर सकता है।

#### 2. परिभाषाएं :

इस योजना के संदर्भ में जब तक अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) "स्वीकृत तिथि" का अर्थ ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदन द्वारा ट्रस्ट को प्रेषित आवेदन पत्र के संदर्भ में वह तिथि है जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है;
- (ख) "अधिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) से है;
- (ग) "आवेदक" का अर्थ है वह व्यक्ति जो योजना में शामिल होने के लिए पात्र होगा, जो अवश्य नही होगा और योजना के खण्ड 4 के अंतर्गत आवेदन करता है।
- (घ) "आबंटन की तिथि" 1 अगस्त 1997 है।
- (ङ) "पात्र संस्था" का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 में स्थापित/भाषित कोई पात्र ट्रस्ट है।
- (च) "सूचीबद्धता" का अर्थ एनएसई पर व्यवसाय करने के प्रयोजन से यूनिटों का सूचीबद्ध किया जाना है।
- (छ) "अनिवासी भारतीय (एनआरआई)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रियता/मूल के अनिवारियों से है। जैसा कि मूलतः अधिनियमित भारत सरकार अधिनियम 1935 में परिभाषित है, किसी भी व्यक्ति को "भारतीय मूल का व्यक्ति" माना जाएगा यदि वह या उसके माता-पिता या पितामह-पितामही में से कोई भी, अपने अथवा पूर्वज के रूप में किताब हो गया कहीं न हो, बाह्य राष्ट्र या मातृपक्ष में हो, भारत में जन्मा हो/जन्मी हो।
- (ज) "जारी समझे जाने वाले यूनिटों की संख्या" का अर्थ बंभ गए और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (झ) "विदेशी निगमित निकाय" (ओसीबी) के अंतर्गत विदेशी कंपनियाँ, भागीदारी फर्मों, समितियाँ और अन्य निगमित निकाय जिनका कम से कम 60% तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के बाहर रहने वाले भारतीय राष्ट्रियता अथवा मूल के व्यक्तियों का है तथा विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 60% साम प्रत्यक्ष हित आनिम्तरणीय रूप से ऐसे व्यक्तियों द्वारा धारित हो, शामिल है।

- (अ) "व्यक्ति" में ऊपर यथापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है ।
- (ट) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी सेवाएँ ट्रस्ट द्वारा योजना के अन्तर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए ली जा सकें ।
- (ठ) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 है ।
- (ड) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम 1992 (1992 का 15) के अन्तर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड ।
- (डू) "समिति" का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत स्थापित समिति या फिलहाल प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अन्य कोई समिति है ।
- (ण) "व्यापार" का तात्पर्य यूनितों के पहले आर्बिटन के बाव नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के जरिए यूनितों का खरीद अथवा बिक्री में व्यवहार से है ।
- (त) "यूनिट" का अर्थ यूनित पंजी में दम रुपए के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर है ।
- (थ) "यूनित पंजी" का तात्पर्य फिलहाल यूनित योजना के अन्तर्गत निर्गत और शेष यूनितों के अंकित मूल्य के योग से है ।
- (द) योजना के अन्तर्गत "यूनित धारक" के रूप में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का अर्थ और शामिल नमः व्यक्ति से है, जिसे योजना के अन्तर्गत यूनित जारी किए गए हैं ।
- (ध) "यूनित ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की भाग 3 के अन्तर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से है ।
- (न) ट्रस्टों अधिपरिभाषित लेखित अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित कला गयी अभिव्यक्तियों के समान अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में दिए गए हैं ।
- (प) एक समय एक ही व्यक्ति में व्यवस्था शामिल है और सभी पॉलिंग संदर्भों में स्त्रीलिंग तथा एक में दूसरे के विपर्यय शामिल हैं ।

### 3. प्रत्येक यूनित का अंकित मूल्य

इस योजना के अन्तर्गत जारी किए गए प्रत्येक यूनित का अंकित मूल्य दस रुपए होगा ।

### 4. यूनितों के लिए आवेदन

- (1) यूनितों के लिए आवेदन निवासीयों और अनिवासीयों द्वारा भी किए जा सकते हैं ।

#### (अ) निवासी

- (1) व्यक्ति, एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त आधार पर ।
- (2) योजना में यथापरिभाषित पात्र संस्था, जिसमें अप्रति-संग्रणीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है ।

- (3) योजना में यथापरिभाषित कोई समिति ।
- (4) पंजीकृत सहकारी समिति ।
- (5) कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत निर्मित कंपनी सहित अन्य निर्गमित निकाय एवं बैंक ।
- (6) हिन्दू अविभक्त परिवार ।
- (7) भीगीवारी कर्म ।
- (8) सेना/नौसेना/वायु सेना/पैरामिलिट्री निधियां ।
- (9) म्यूचुअल फण्ड [भारतीय प्रतिभूति एवं एक्सचेंज बोर्ड (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसूची 7 के खंड 4 के साथ पठित विनियम 44(1) के अनुसरण में] ।

### (10) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) ।

#### (आ) अनिवासी द्वारा पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय आधार पर

- (1) अनिवासी वयस्क व्यक्ति या ही एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त आधार पर ।
- (2) अनिवासी हिन्दू अविभक्त परिवार ।
- (3) अनिवामी कम्पनी/विदेशी निर्गमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वत्वाधिकार कम से कम 60% तक हो ।

#### (इ) सेबी में पंजीकृत विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआइ)

- (2) आवेदन ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यामी द्वारा यथा अनुमोदित फार्म में किए जाएंगे ।

### 5. न्यूनतम निवेश राशि

आवेदन न्यूनतम 200 यूनितों (रु. 2000/-) के लिए और उसके बाद 100 यूनितों (रु. 1000/-) के गुणकों में किया जाना चाहिए । कोई अधिकतम सीमा नहीं है । रुपए 50,000/- और उससे अधिक निवेश के मामले में, निवेशक को संज्ञा दी जाती है कि यदि उसका वापस लेना/प्रीवियु आर संख्या है तो वह उसे तथा संबंधित आयकर सॉकिल के पते का उल्लेख करे ।

### 6. एकत्र की जाने वाली न्यूनतम लक्ष्य राशि

योजना के अन्तर्गत एकत्र की जाने वाली लक्ष्य राशि 10 करोड़ रुपए होगी । अत्यभिदान, यदि कोई हो, तो उसे पूर्णतया ट्रस्ट द्वारा रखा जाएगा ।

यदि 10 करोड़ रुपए की लक्ष्य राशि का अभिदान न हो तो योजना के अन्तर्गत एकत्र की गई सम्पूर्ण राशि को यूनितों को बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताह के भीतर ट्रस्ट द्वारा वापस में दिये चंके द्वारा धन वापस किया जाएगा ।

उक्त अनवध अर्ध के भीतर राशि वापस न करने की स्थिति में बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताहों की समाप्ति पर ट्रस्ट आवेदक को 15% प्रति वर्ष की दर से ब्याज का भुगतान करने का जिम्मेदार होगा ।

### 7. खर्चों पर सीमा

योजना के अन्तर्गत एकत्र निधि का आरम्भिक निर्गम एवं व्यय 6% से अधिक नहीं होगा । योजना के प्रारम्भिक निर्गम खर्चों का अनुमान निम्नानुसार है :



व्यय	%
मुद्रण और डाक	1.50
प्रचार और लोकप्रियता	1.75
एजेंटों को क्षमिकता	1.75
रजिस्ट्रारों का प्रभार	0.50
स्टाम्प शुल्क और अभिरक्षा शुल्क	0.50
योग	6.00

इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किए गए प्रत्येक रु. में से कम से कम 94 पैसे का इस योजना में निवेश किया जाएगा।

आरम्भिक निर्गम व्ययों को अतिरिक्त आवृत्ति आधार पर योजना का निम्नलिखित व्यय होगा। अनुमानित आवृत्ति व्यय निम्नानुसार है :

व्यय	%
प्रशासनिक व्यय	0.90
अभिरक्षण शुल्क	0.50
विकास प्रारम्भिक निधि	0.25
कर्मचारी कल्याण न्यास	0.10
रजिस्ट्रारों के लिए शुल्क	0.50
दलाली एवं सौदा लागत	0.25
योग	2.50

उपरोक्त व्यय अनुमानित है और वास्तविक रूप से किए गए व्ययों के साथ परिवर्तित किए जाने के अधीन है। फिर भी, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार कुल आरम्भिक निर्गम व्ययों के रूप में कुल व्यय एकत्र निधि की 6% की सीमा के भीतर होंगे।

योजना का कुल वार्षिक आवृत्ति व्यय, आरम्भिक निर्गम व्ययों एवं प्रतिदान व्ययों को छोड़कर परन्तु प्रशासनिक व्ययों, विकास प्रारम्भिक निधि और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान को सम्मिलित करने हुए निम्नलिखित सीमा के अधीन होंगे।

(1) प्रथम 100 करोड़ रुपये की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों पर—2.50%

(2) अगले 300 करोड़ रुपये की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों पर—2.25%

(3) अगले 300 करोड़ रुपये की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों पर—2.00%

(4) आस्तियों के शेष पर—1.75%

प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारम्भिक निधि में अंशदान एवं कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान, निम्नलिखित सीमाओं के अधीन होंगे जहाँ (1) योजना के प्रत्येक लेखा वर्ष में बकाया साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्तियों के एक प्रतिशत का चौथाई, जब तक शुद्ध आस्तियाँ 100 करोड़ रुपये से अधिक न हों जाएँ, और (2) 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि का एक प्रतिशत, जहाँ शुद्ध आस्तियों की गणना 100 करोड़ रुपये से अधिक हो। सेबी (म्यूचुअल फंड) अधिनियम, 1996 के अनुसार यूटीआई निवेश प्रबंधन एवं परामर्श शुल्क पर कोई प्रभार नहीं होता है। तथापि, यूटीआई द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्गम

पूर्व व्यय एवं वार्षिक आवृत्ति व्यय सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के विनियम 52 के अंतर्गत दर्शाए गए सीमा के भीतर ही होंगे।

8. भुगतान विधि :

(1) (1) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। यदि आवेदन यूटीआई के शाखा कार्यालयों में जमा किए जाएँ, तो चेक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की शाखा पर आहीरित किये जाएँ, जिन शहर में स्थित शाखा कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।

लेकिन, जहाँ आवेदक ट्रस्ट के शाखा कार्यालय/संग्रहण केन्द्र/विशेष बिक्री कार्यालय वाले स्थान से भिन्न स्थान से आवेदन करना चाहें तो आवेदित यूनिटों के लिए आवेदन पत्र के साथ दिये बैंक ड्राफ्ट के लिए भारतीय बैंक संघ के दिशानिर्देशों के अनुसार दिये बैंक प्रभार घटाकर बैंक ड्राफ्ट ट्रस्ट को भेज सकता है। संग्रहण केन्द्र/विशेष बिक्री कार्यालयों की आवेदन पत्र के साथ स्थानीय भुगतान योग्य चेकों या उन स्थानों पर भुगतान योग्य डिमांड ड्राफ्ट जहाँ तक योजना विक्रेत्रीकृत किया गया है। ऐसे मामलों में आवेदक भारतीय बैंक संघ के दिशानिर्देशों के अनुसार डिमांड ड्राफ्ट के लिए दिये प्रभार घटा सकता है। उदाहरणार्थ, यदि आवेदन राशि रु. 10,000/- है तो इस राशि के लिए ड्राफ्ट प्रभार बैंक घा रु. 20/- है। इस तरह, ड्राफ्ट रु. 9,980/- (रु. 10,000/- में से रु. 20/- घटाकर) के लिए बनवाया जा सकता है। ड्राफ्ट कमीशन प्रभार प्लान के आरम्भिक निर्गम व्ययों का एक अंश होगा।

किन्तु, जहाँ ट्रस्ट का कार्यालय/संग्रहण केन्द्र/विशेष बिक्री कार्यालय है और आवेदन स्थानीय बैंक ड्राफ्ट के साथ मिला है तो बैंक ड्राफ्ट कमीशन निवेशक को ही वहन करना होगा।

(2) यदि भुगतान बैंक द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा आवेदन प्राप्त की तिथि होगी, बशर्त चेक की वसूली हो।

यदि भुगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, ऐसे ड्राफ्ट की निर्गम तिथि होगी, बशर्त ड्राफ्ट की वसूली हो। लेकिन, आवेदन ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र में ड्राफ्ट जागे होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर प्राप्त हो जाए। यदि आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान द्वारा प्रस्तुत की गई राशि आवेदित यूनिटों के लिए दिये राशि के लिए पर्याप्त नहीं है, तो आवेदक को उतारने कम यूनिट जानी किए जाएंगे जितने योजना के अंतर्गत जारी किए जा सकते हैं। आवेदक को दिये बकाया उसके खर्च पर जैसा ट्रस्ट उचित समझे, वापस कर दिया जाएगा।

3. प्रत्यावर्तन लाभों के साथ निवेश की विधि :

एनआरआई/ओसीबी द्वारा किए गए निवेश पर प्रत्यावर्तन का अधिकार निवेशित पंजी और उस पर अर्जित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि लागू हो) पर तब तक होगा जब तक निवेशक भारत के बाहर का निवासी बना रहेगा। इन मामलों में निवेश निम्नलिखित विधियों में से किसी एक के माध्यम से किया जा सकता है।

(क) विदेशी मुद्रा में ड्राफ्ट

(ख) विदेशी बैंकों/विनियम गृह द्वारा यूटीआई के पक्ष में रुपये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय मंपकर्ता बैंकों पर आहीरित हों।

(ग) भारत स्थित बैंक में निवेशक द्वारा कायम किए गए एनआरआई खाते पर आहरित चंके द्वारा ।

(घ) एफसीएनआर जमाओं की राशि से जारी किए गए चंके/ड्राफ्ट द्वारा ।

इसके अलावा, नेपाल और भूटान की मुद्राओं में अदायगी स्वीकार नहीं की जाती है । यूनिटों में निवेश रुपये में किया जाता है, विदेशी मुद्रा के सभी ड्राफ्टों को उस दर पर रुपये में परिवर्तित किया जाता है जो परिवर्तन के समय प्रचलित हो ।

यदि कोई कमी पड़ती है, तो उसे एनआरआई निवेशक द्वारा विशेषण किया जाएगा । यदि राशि अधिक हो तो बैंक प्रभार काटकर प्रचलित विनिमय दर पर एनआरआई निवेशकों को वापस कर दी जाएगी ।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए यह संलाह दी जाती है कि एनआरआई/ओसीबी निवेशक उपर्युक्त (ख) और (ग) में उल्लिखित लिखतों को द्वारा अदायगी करें ।

#### 4. प्रत्यावर्तन लाभों के बिना निवेश की विधि :

जहां एनआरआई खाते में धारित निधियों का उपयोग यूनिटों की खरीद के लिए किया जाता है तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और उन पर अर्जित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि लागू हो) भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के लिए योग्य नहीं होगी ।

तथापि भा. रि. बैंक के दिनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपत्र ए. डी. (एम. ए. शृंखला) सं. 18 के अनुसार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरान्त अर्जित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होगी ।

जबकि इन मामलों में यूटीआई-एनआरआई खाते में जमा करने के लिए रुपये में अदायगी करेगा । निवेशकों को यह सूचना दी जाती है कि यदि वे यूनिटों पर लाभार्जन का प्रेषण प्राप्त करना चाहते हैं तो अपने बैंक/कर सलाहकार से संपर्क करें ।

(2) आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकार :

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह योजना के अंतर्गत यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके । ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिट जारी करने हेतु आवेदन अस्वीकृत कर सकता है : (1) यदि आवेदन रु. 2000/- की न्यूनतम निवेश राशि से कम के लिए प्राप्त हुआ हो, (2) यदि आवेदन पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो और (3) यदि आवेदक, योजना में निवेश करने के लिए पात्र न हो । योजना में आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा ।

(ख) अपूर्ण आवेदन अस्वीकृत किये जा सकते हैं :

आवेदन अपूर्ण पाये जाने पर, अस्वीकृत कर दिया जाएगा और बिना किसी व्याज या अन्य राशि के, चाहे जो भी हो, आवेदन राशि ट्रस्ट द्वारा यथाशीघ्र वापस कर दी जाएगी ।

अधीक्षित परिचालनगत और प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी होने के बाद राशि वापस की जाएगी ।

(3) यूनिट जारी होने के पहले आवेदक को योजना से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करना होगा :

योजना में यूनिटों के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को, आवेदन करने की अपनी पात्रता के बारे में ट्रस्ट को संतुष्ट करना

होगा और ट्रस्ट की सभी अपेक्षाएं पूरी करनी होंगी जैसे न्यासी आदि से प्राप्त आवेदन पत्र के माध्यम से ट्रस्ट निवेश, निकास्य योगिता का यूनिट खरीदने संबंधी संकल्प, (जो निवेशक की श्रेणी पर निर्भर करेगा) प्रस्तुत करना । ऐसी अपेक्षाएं पूरी करने या नहीं करने के प्रति ट्रस्ट की संतुष्टि उसके अपने विवेक पर निर्भर होगी ।

गलत घोषणा करके यूनिट रखने वाला व्यक्ति अपनी सवस्यता के निरस्तीकरण का भोगे होगा और उसका नाम सदस्यों की पूंजी से काट दिया जाएगा ।

ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसी स्थिति में 25% दण्ड के तौर पर घटाने के बाद समग्र मूल्य पर या ट्रस्ट द्वारा निर्धारित मूल्य पर यूनिटों की पुनर्खरीद करे या गलती से भगतान विवेक गये आय वितरण की वसुली पुनर्खरीद राशि से करे और शेष वापस करे ।

पुनर्खरीद करने और आवेदक को पुनर्खरीद राशि भंजने में ट्रस्ट की जो भी समय लगेगी उसके लिये राशि पर कोई व्याज देया नहीं होगा ।

#### 9. यूनिटों की बिक्री :

पेशकश की अवधि के दौरान यूनिटों की बिक्री सम्मूल्य पर होगी । ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री-मंविदा, स्वीकृति निधि को पूरा हुई समझी जाएगी । बिक्री-मंविदा पूर्ण होने पर ट्रस्ट यथाशीघ्र आवेदक को 100 यूनिटों के विपणन योग्य लाटों में यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा । अधिकतम 20 प्रमाणपत्र जारी किए जा सकेंगे । शेष यूनिटों के लिए एक समीक्षित यूनिट प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा । समीक्षित प्रमाणपत्र यूनिटधारक के अनुरोध पर एक बार बिना सर्च लिए विभाजित किया जाएगा । ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्था और नियमित निकास्य को जारी यूनिट प्रमाणपत्र के खो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत डिलीवरी या डिलीवरी नहीं होने का कोई दायित्व ट्रस्ट पर नहीं होगा ।

ट्रस्ट योजना के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री की समाप्ति तिथि से 6 हफ्तों के भीतर यूनिट प्रमाणपत्र भेजेगा ।

#### 10. सुरक्षा कवच :

ट्रस्ट निवेशकों को आवेदन की तारीख से एक वर्ष बाद पूंजी की सुरक्षा की गारंटी देता है । मूल निवेशकों को अपने 5000 यूनिटों तक के निवेश के सम्मूल्य पर बचने के लिए सुरक्षा कवच उपलब्ध होगा, भले ही उस समय योजना का शुद्ध अस्ति मूल्य सम्मूल्य से कम हो । निवेशक इस विकल्प का प्रयोग आवेदन की तारीख से एक वर्ष बाद एक माह तक (अर्थात् 01.08.98 से 31.08.98 तक) कर सकते हैं । प्रत्येक निवेशक विकल्प का प्रयोग एक बार ही कर सकता है । ट्रस्ट की विकास प्रारंभित निधि (डीआरएफ) एक वर्ष के बाद पूंजी सुरक्षा की गारंटी प्रदान करेगी ।

#### 11. यूनिटों की पुनर्खरीद :

(1) योजना के अंतर्गत पुनर्खरीद आवेदन तिथि से तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 अगस्त, 2000 से आरम्भ होगी । योजना के अंतर्गत पहले तीन वर्ष के दौरान मृत्यु संबंधी घातों का निपटान के मामले छोड़कर कोई पुनर्खरीद नहीं की जाएगी । पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के एनएच पर (पूर्ववर्ती आधार पर) आधारित होगा और उसे अभिमान बंद होने की तारीख से छः माह के भीतर और उसके

बाद साप्ताहिक आधार पर समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा।

पुनर्खरीद मूल्य को गणना करते समय ट्रस्ट प्रति यूनिट शुद्ध अर्थात् मूल्य के 5% से अधिक प्रशासनिक खर्च और अन्य प्रभार काटने के लिए स्वार्थि होगा। पुनर्खरीद विधिवत् उन्मोचिता यूनिट प्रमाणपत्र(पत्रों) के प्राप्त होने पर प्रभावी होगी। आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति दी जाएगी बशर्तें यूनिट धारक प्रति फीसिलो न्यूनतम रु. 2000/- (अंशित मूल्य) का नक़्काया भरकरार रखे।

प्राप्त सभी वस्तुवैज ट्रस्ट द्वारा निरस्तीकरण के लिए रख लिए जाएंगे।

आंशिक पुनर्खरीद के मामले में, यूनिटधारक द्वारा रखे गए यूनिटों की संख्या पर निर्भर करते हुए नए यूनिट प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। पुनर्खरीद राशि पर ब्याज ब्याज नहीं होगा।

(2) यूनिटधारक(कों) की मृत्यु हो जाने की स्थिति में और विधिक प्रतिनिधि द्वारा यूनिट प्रमाणपत्र (पत्रों) को ट्रस्ट को सौंपे जाने पर वह (ट्रस्ट) दावे की मान्यता संबंधी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर अपने नियमों और शर्तों के लिए दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार इसमें उपर उपखण्ड (1) में यथावर्णित रूप में यूनिटों की पुनर्खरीद करेगा।

(3) पुनर्खरीद/प्रतिदान के चेक पुनर्खरीद के अनुरोध पर कारोबार किए जाने वाले केन्द्र में प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर (यदि आवेदन सुव्यवस्थित हो) प्रेषित कर दिए जाएंगे।

आवेदक को देते राशि पर किसी भी कारण से कोई ब्याज ब्याज नहीं होगा तथा ट्रस्ट द्वारा प्रेषित चेक या डाफ्ट का प्रचण (ड्राफ्ट सर्व सही) या बरूनी खर्च आवेदक द्वारा वहन किया जाएगा।

(4) अनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद राशियां निवेश के स्रोत पर निर्भर रहते हुए निम्नानुसार प्रेषित की जाएगी:

(क) जब यूनिट विदेश से भेजी गई विदेशी मुद्रा/यूनिट-धारक की एफसीएनआर अमाओं की राशियों से या यूनिटधारक के भारत में रखे अनिवासी (बाह्य) खाते में रखी राशियों से जारी चेक/डाफ्ट द्वारा खरीदे गए हों तो यूनिटधारक के राशियां विदेशी मुद्रा में (विनिमय दर से उतार-चढ़ाव का वहन यूनिटधारक के करना होगा) प्रेषित की जा सकती है या यूनिट-धारक के भारत में स्थित संबंधी को यूनिटधारक के अनिवासी (बाह्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जा सकती है बशर्तें यूनिटधारक विदेश में रह रहा हो। यदि यूनिटधारक बाह्य तो इन राशियों को उसके अनिवासी (आन्तरिक) खाते में जमा करने के लिए भी भेजा जा सकता है।

(ख) जब यूनिटधारक के अनिवासी (आन्तरिक) खाते में रखी राशियों से खरीदे गए हों तो राशियां यूनिटधारक के भारत में स्थित संबंधी को यूनिटधारक के अनिवासी (आन्तरिक) खाते में जमा करने के लिए भेजी जाएगी।

## 12. यूनिटों की पुनर्खरीद पर प्रतिबंध:

योजना के किसी भी उपबंध में अंतर्निहित किसी बात के होने के बावजूद ट्रस्ट यूनिट की पुनर्खरीद के लिए बाध्य नहीं होगा

(1) ऐसे दिन, जो कार्य-विषय नहीं हैं; और

(2) ऐसी अवधि में जब यूनिटधारकों की पंजी (ट्रस्ट द्वारा यथावर्णित) किसी भी प्रयोजन के लिए बंद हो।

स्पष्टीकरण: इस योजना के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य-विषय" का अर्थ वह दिन है, जो न रात

(1) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, जहां ट्रस्ट के कार्यालय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में पर-क्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अंतर्गत अधिसूचित हो और न ही

(2) भारत के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

## 13. सूचीबद्धता:

अभिधान बंद की तारीख से छः मा के भीतर इस योजना के अंतर्गत जारी यूनिट एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। संबंधी से योजना का अनुमोदन प्राप्त होने के तुरन्त बाद संबंधी (स्व-सुखल फंड) अधिनियम, 1996 के विनियम 32 के अनुसार एनएसई में सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा।

## 14. यूनिट प्रमाणपत्र:

ट्रस्ट 100 यूनिटों के विपणन योग्य लाटों में यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा जो 20 प्रमाणपत्रों से अधिक नहीं होंगे। संबंधी यूनिटों के लिए एक समीकृत यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। समीकृत प्रमाणपत्र यूनिटधारक के अनुरोध पर एक बार बिना खर्च के विभाजित किया जाएगा।

अनिवासी भारतीय यूनिट प्रमाणपत्र के प्रेषण के लिए निम्नलिखित में से किसी एक तरीके का चयन कर सकते हैं—

(क) आवेदक के भारतीय/विदेशी पते पर या

(ख) आवेदक के भारत में स्थित रिप्रेसेन्टेटिव के पते पर

## 15. यूनिट प्रमाणपत्र तैयार करने की रीति:

यूनिट प्रमाणपत्र ट्रस्ट के कार्यपालक निदेशक द्वारा निर्णीत रूप के अनुसार होगा।

जैसा बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, यूनिट प्रमाणपत्र उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिवत् रूप से अधिकृत दो व्यक्तियों द्वारा, ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा। ऐसा प्रत्येक हस्ताक्षर, स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिक विधि से लगाया गया होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाणपत्र बंध और बाध्यकारी होगा भले ही उसके जारी होने से पहले कोई व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिकृत व्यक्ति न रहा हो।

किंतु यदि इस रूप में तैयार किए गए यूनिट प्रमाण पत्र में किसी प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मत है तो ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोचित समझता है, प्रमाणपत्र पर विद्यमान उक्त के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है और उस पर किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाणपत्र भी बंध होंगे।

16. यूनिट प्रमाणपत्र का विनिर्माण और यूनिट प्रमाणपत्र के कट-फट जाने, विरूपित हो जाने से जाने लायक की स्थिति में प्रक्रिया :-

(1) यदि कोई यूनिट प्रमाणपत्र कट-फट जाता है या विरूपित हो जाता है तो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वस्थाधिकारी व्यक्ति को एक नया यूनिट प्रमाणपत्र जारी कर सकता है जिसके यूनिटों की कुल संख्या उतनी ही होगी जितना कि कट-फट, विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र का था। यदि कोई यूनिट प्रमाणपत्र खो जाता है, चुराया जाता है या नष्ट हो जाता है तो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वस्थाधिकारी व्यक्ति को उसके बचल में नया यूनिट प्रमाणपत्र जारी करेगा।

कोई नया यूनिट प्रमाणपत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक आवेदक पहले :-

- (1) मूल यूनिट प्रमाणपत्र के कट-फट होने, टूटने, विरूपित होने, खो जाने, चुरा लिए जाने या नष्ट हो जाने के संतोषजनक साक्ष्य ट्रस्ट को प्रस्तुत नहीं करता।
- (2) तथ्यों की जांच के संबंध में सभी खर्चों का भुगतान नहीं करता।
- (3) (कट-फट या विरूपित या विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र के मामले में), ट्रस्ट को ऐसे कट-फट, विरूपित या विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र प्रस्तुत और अभ्यर्पित नहीं करता और
- (4) ट्रस्ट को आवश्यक क्षतिपूर्ति बंधन प्रस्तुत नहीं करता।

इस खण्ड के प्रावधान के अंतर्गत ट्रस्ट सम्भावना के आधार पर उक्त प्रमाणपत्र जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं लेगा।

(2) इस खण्ड के प्रावधान के अंतर्गत कोई प्रमाणपत्र जारी करने के पहले ट्रस्ट चाहेगा कि आवेदक इसके द्वारा निर्गत प्रत्येक यूनिट प्रमाणपत्र पर पांच रुपये का भुगतान करे। साथ ही ट्रस्ट के मतानुसार स्थाय शल्क, यदि हो या अन्य प्रभारों के लिए पर्याप्त धन राशि जो उक्त प्रमाणपत्र को जारी करने और प्रेषित करने के संबंध में दिये हों, उसे भी जमा करेगा।

उपरोक्त के बावजूद योजना के अंतर्गत ट्रस्ट प्रमाणपत्र का ऐसे नियमों/विधानों/प्रक्रियाओं व पालन करना होगा तथा ऐसे दस्तावेज निष्पादित करने होंगे जो समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा प्रतिपादित/अपीक्षित होंगे।

#### 17. यूनिटधारकों की पंजी :

यूनिटधारकों के पंजीकरण के संबंध में निम्नीलिखित उपबंध लागू होंगे :-

- (1) ट्रस्ट द्वारा यूनिटधारकों की पंजी रखी जाएगी और अन्य बातों के साथ-साथ पंजी में निम्नीलिखित उर्ष किए जाएंगे :-
  - (क) यूनिटधारकों के नाम और पते;
  - (ख) यूनिट प्रमाणपत्रों की संख्या और हरेक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या; और
  - (ग) जिस तिथि को ऐसा व्यक्ति अपने नाम के यूनिटों का धारक हो गया।

(2) यूनिटधारकों की ओर से उसके नाम और पते के परिवर्तन की सूचना ट्रस्ट को दी जाएगी। ट्रस्ट ऐसे परिवर्तन से सतुष्ट होने पर और यथापीक्षित आपचारिकताएं पूरा करने पर तदनुसार पंजी में परिवर्तन करेगा।

(3) केवल पंजी बंदी को छोड़कर, इसमें इसके बाव अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार, कामकाज के समय के दौरान (ट्रस्ट द्वारा यथापिणीत समुचित प्रतिबंधों के साथ प्रत्येक कार्य दिवस को न्यूनतम दो घंटों के लिए पंजी के निरीक्षण को अनुमति दी जाएगी) यूनिटधारक द्वारा उसके स्वयं के निदेश के संबंध में निःशुल्क निरीक्षण के लिए पंजी खुली रहेगी।

(4) ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर यथापिणीत समय और अवधि के लिए पंजी बन्द रहेगी, लेकिन एक वर्ष में 45 दिन से अधिक समय के लिए बन्द नहीं रहेगी। ट्रस्ट समाचार पत्रों में या अन्य माध्यम से विज्ञापन द्वारा ऐसी बन्दी की सूचना देगा।

(5) किसी यूनिट से संबंधित कोई स्पष्ट निहित और रचनात्मक सूचना पंजी में दर्ज नहीं की जाएगी।

#### 18. पात्र संस्थाओं द्वारा आवेदन और उनका पंजीकरण :-

(1) पात्र संस्थाएं, निगमित निकाय, भागीदारी वाली फर्मों और समितियां (सहकारो समितियों सहित) यूनिटधारक के रूप में पंजीकृत की जाएंगी।

(2) पात्र संस्थाओं, निगमित निकायों या समितियों से जब कभी अपेक्षा की जाएगी, उन्हें यूनिटों में निवेश करने की आवश्यकता की क्षमता से संबंधित सभी दस्तावेज, जैसे संस्था के अंतर्निर्णय और बहिर्निर्णय, उप-विधियां भागीदारी फर्मों की ओर से दिए गए आवेदन के मामले में भागीदारी विरोध की सत्यापित प्रति आवि, प्रबन्ध निकाय द्वारा पारित यूनिटों में निवेश करने के लिए प्राधिकृत करने वाले संकल्प की प्राधिकृत प्रति और अपीक्षित मुस्तारनामा की प्रति ट्रस्ट के समक्ष पेश करनी होगी।

#### 19. ट्रस्ट के उन्मोचन करने के लिए यूनिटधारक द्वारा रसीद :-

योजना के यूनिटों के संबंध में यूनिटधारक को प्रदत्त राशि के लिए उसके द्वारा दी गई रसीद ट्रस्ट के प्रति गच्छा उन्मोचन होगा।

#### 20. सदस्य की मृत्यु :-

(1) यूनिट के संयुक्त यूनिटधारकों में किसी एक की मृत्यु हो जाने पर ट्रस्ट द्वारा जीवित व्यक्ति (व्यक्तियों) को ही योजना के यूनिटों के हकदार होने या उनके हितधिकारी होने की मान्यता दी जाएगी।

लेकिन इसमें अंतर्विष्ट कोई भी बात उक्त यूनिटों के संबंध में ऐसे जीवित व्यक्ति के विरुद्ध किसी अन्य व्यक्ति के किसी अधिकार को प्रभावित नहीं करेगी।

(2) किसी एकल यूनिटधारक की मृत्यु की स्थिति में मृत यूनिटधारक का निष्पादक या प्रशासक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का धारक ही वह व्यक्ति होगा, जिसे यूनिटों के हकदार के रूप में ट्रस्ट द्वारा मान्यता दी जा सकती है।

(3) किसी/किसी यूनिटधारक(क) सदस्य/सदस्यों की मृत्यु के परिणामस्वरूप यूनिटों के हकदार हो जानेवाले व्यक्ति को, ट्रस्ट द्वारा उसके हक के लिए पर्याप्त समझे गए राशियों के प्रस्तुतीकरण के बाद तथा दावेदार द्वारा दावा संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों के पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा।

(4) यदि विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पात्र है तो उक्त विधिक उत्तराधिकारी को उसकी इच्छा के अनुसार मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य प्राप्त करने के बदले उसको यूनिटधारक के रूप में यूनिट रखने और पंजीकृत यूनिटधारक के रूप में बने रहने की अनुमति दी जाएगी तथा जिसने यूनिट बंद रखना चाहेगा, न्यूनतम यूनिट रखने की शर्तों पर उसने यूनिटों का उल्लेख करते हुए उसके नाम से यूनिट प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

(5) अवरोध अवधि में एकल यूनिटधारक की मृत्यु की स्थिति में ट्रस्ट आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दावे का निपटारा करेगा और संबंधित खण्ड में दिए गए धारों के अनुसार या ट्रस्ट द्वारा यथानिर्णित अन्य रीति में कानूनी वारिस को भुगतान करेगा।

(6) अनिवासी यूनिटधारक(कों) की मृत्यु के मामले में यूनिटों की पुनर्खरीद राशि का विप्रेषण अनिवासी विधिक वारिस/वारिसों को किया जा सकता है बशर्त कि—

(क) यूनिटों भारत के बाहर से विप्रेषित निधि में से, भारत में अनिवासी (बाह्य) खाते में धारित निधि में से अथवा एफ सी एस आर जमा-राशि में से खरीदी गई हों और

(ख) विधिक वारिस भारत के बाहर रहा हो/रहते हों। जहां यूनिटों एन आर आ खातों में धारित निधि से खरीदी गई हों, वहां अनिवासी विधिक वारिस (वारिसों) के मामले में, पुनर्खरीद राशि भारत को बाहर प्रत्यावर्तन के योग्य नहीं होगी।

## 21. आय वितरण :

(1) पूंजी वृद्धि प्रदान करने के लिए योजना के उद्देश्य के अनुसार ट्रस्ट लाभांश घोषित कर सकता है या नहीं कर सकता है।

प्रत्येक वर्ष 30 जून को वार्षिक लेखा वर्ष के बाद जिसमें जल्दी संभव होगा कर कटौती यदि कोई हो, के बाद आय, यदि कोई हो, वितरित की जाएगी। यू टी काई लाभांश घोषित करने की तारीख से 42 दिनों के अंदर आय वितरण वारंट घोषित करेगा।

(2) किसी यूनिटधारक के लिए उसके द्वारा धारित यूनिटों की संबंध में ट्रस्ट द्वारा घोषित आय को प्राप्त करना और रखना विधि सम्मत है। इस बात के बावजूद कि उसके द्वारा प्रतिफल के लिए यूनिट अंतरित कर दिए गए हैं लेकिन जब तक अंतरणकर्ता से आय का दावा करने वाले अंतरिती ने आय देने होने की तारीख से पंद्रह दिन के अंदर प्रमाणपत्र और अंतरण से संबंधित अन्य सभी दस्तावेज, जो उसके नाम पंजीकरण के लिए ट्रस्ट द्वारा अपेक्षित हों, जमा न करवा दिए हों।

स्पष्टीकरण : इस उक्त खण्ड में चिनिचित अवधि हम सामग्री में बड़ाई जाएगी :-

(1) अंतरिती की मृत्यु के मामले में उसके विधिक प्रतिनिधि द्वारा आय के उसके दावे का स्थापित करने में ती गद्द वास्तविक अवधि;

(2) अंतरण विलेख के जारी हो जाने या अंतरिती के नियंत्रण से बाहर किसी अन्य कारण से नष्ट होने के मामले में उसके स्थान पर दूसरा विलेख प्राप्त करने में लगी वास्तविक अवधि; और

(3) किसी प्रमाणपत्र या अंतरण से संबंधित किसी अन्य दस्तावेज को जमा करवाने में डाक से भेजने से जुड़े विलम्ब की वास्तविक अवधि।

(3) यहां ऊपर उल्लिखित कुछ भी ट्रस्ट द्वारा यूनिटधारक को उसके द्वारा धारित यूनिटों के संबंध में दिये हुए आय प्रदान करने का प्रभावित नहीं करेगा।

(4) ट्रस्ट द्वारा यूनिटधारकों के बीच वितरण योग्य हुए ऐसी आय पर व्याज ब्याज नहीं होगा।

तथापि, योजना के अंतर्गत बनी प्रारंभित निधि पर निर्भर रहते हुए और यदि परिस्थितियां अनुमति दें, तो ट्रस्ट यूनिट-धारक द्वारा लाभांश के बारे में किए गए दावे की कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित रीति और रूप में जहां तक संभव होगा अतिपूर्ति करेगा।

(5) यूनिट धारकों में यदि आय वितरित की गई तो ट्रस्ट के बैंकरों के उन स्थानों पर, जहां उनके कार्यालय हैं, जारीत चेक या वारंट या अन्य किसी लिखत द्वारा अथवा यूनिट-धारक के विकल्पानुसार बैंक ड्राफ्ट द्वारा अदा की जाएगी। ऐसी बैंक ड्राफ्ट को प्रभार यूनिटधारक द्वारा वहन किए जाएंगे।

अनिवासी भारतीय निवेशक को आय वितरण

योजना के अंतर्गत लाभांश मुद्रा नियंत्रण विनियमों के अनुसार अदा किया जाएगा। लाभांश के भुगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :

(क) जब यूनिट विदेश से भेजी गई विदेशी मुद्रा से या यूनिटधारक की एफसीएनआर जमाओं की राशियों से या यूनिटधारक के भारत में रखे अनिवासी (बाह्य) खाते की निधियों से खरीदी गए हों,

(1) यूनिटधारक को राशि विदेशी मुद्रा में प्रेषित की जा सकती है या

(2) वारंट यूनिटधारक के नाम जारी किया जा सकता है और उसके एनआरआई/एन आरओ खाते में जमा करने के लिए भारत में रह रहे उसकी संबंधी को भेजा जा सकता है। या

(3) वारंट भारत में रह रहे संबंधी के नाम जारी किया जा सकता है और उसे उसके खाते में जमा करने के लिए भेजा जा सकता है।

(ख) अब यूनिट यूनिटधारक के अनिवासी (सामान्य) खाते में रखी निधियों में खरीदी गए हों,

(1) वारंट निवेशक को भारत में रहने वाले संबंधी को यूनिटधारक के अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भेजे जाएंगे। या

(2) वारंट भारत में रह रहे निवासी के नाम जारी किया जा सकता है और उसे उसके खाते में जमा करने के लिए भेजा जा सकता है।

22. इस योजना में निम्नलिखित आस्तियों का मूल्यांकन :

(1) अवशेष अर्बिध को जमीन वाले निवेशों में उभृत निवेशों या मूल्यांकन, मूल्यांकन की तारीख को बाजार में दबाने पर या मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अर्बिध में दिखाने वाले ही की उपलब्ध दर पर किया जाता है। यदि मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अर्बिध हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं है तो उसे शरीरित निवेश माना जाता है।

(2) उभृत डिबेंचरों और बाण्डों के मामले में, बाजार दर, जो व्याज सहित है उसे व्याज तत्व, यदि हो, के लिए समायोजित किया जाता है।

(3) अर्जित/संवर्धन/व्यापारिक इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन प्रतिशतों के पूंजीकरण और वही मूल्य (विश्लेषित मूल्य) के औसत में से 10% घटाकर अथवा बही-मूल्य पर जो भी कम हो, किया जाता है।

(4) अर्जित डिबेंचर, बाण्ड और अंतरणीय नोट परिपक्वता पर प्रतिफल जो ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित लिखत की वजह पर आधारित होता है, के आधार पर मूल्यांकित किए जाते हैं।

(5) अर्जित वारंट, फंड हुए शेयरों की बाजार दर पर, लाभांश तत्व, यदि हो, के लिए बड़ा काटकर तथा बड़े प्रायोगिक मूल्य से कम करके, लिए जाते हैं। जिन मामलों में इस तरह किए गए मूल्य से प्रायोगिक बड़े मूल्य जादा हो, वहां वारंटों का मूल्य जून्य लिया जाता है।

(6) देवता/अधिकार प्राप्तता के धौनस रहित/राइट्स रहित निधियों का लिया जाता है।

(7) परिवर्तनीय डिबेंचर और बाण्ड, जहां मिश्र बाजार भाव उपलब्ध न हो, वहां परिवर्तनीय भाग का मूल्यांकन, संबंधित इक्विटी शेयरों, जिनमें लाभांश तत्व, यदि हो, के लिए बड़ा काट कर किया जाता है। ऐसे डिबेंचरों एवं बाण्डों का अपरिवर्तनीय भाग, यदि हो, का मूल्यांकन, परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर, जैसा कि ट्रस्ट की न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित हो, किया जाता है। जहां परिवर्तनीय भाग के लिए परिवर्तन की शर्तें विनिर्दिष्ट न हों, वहां उन्हें लागत पर लिया जाता है।

(8) मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन एक से अधिक डीलर या बलाल से प्राप्त भाव के आधार पर किया जा सकता है।

(9) सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन, प्रचलित बाजार दरों पर आधारित, परिपक्वता पर प्रतिफल (वाइटीएम) आधार पर किया जाता है।

(10) उपर्युक्त पैरों (1) से (9) तक के अनुसार यथासंगणित निवेशों के कुल मूल्य की तुलना ऐसे निवेशों की कुल लागत से की जाती है और परिणामी मूल्यहास, यदि हो, को राजस्व संबंध से प्रभावित किया जाता है।

23. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटीकरण :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपबंधों और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की आस्तियों के मूल्यों को निर्धारित कर और योजना की

व्ययताओं को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के एनएवी में उस निधि की जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग दे कर किया जाएगा। अभिदान बंध होने के छः माह के भीतर और उसके बाद साप्ताहिक आधार पर शुद्ध आस्ति मूल्य (पूर्ववर्ती आधार पर) समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा।

24. (क) निवेश उद्देश्य :

योजना का निवेश उद्देश्य मुख्यतः यूनिटधारक को पूंजी यूनिट प्रदान करना है।

योजना के अंतर्गत संग्रहीत निधियों का, सभी प्रारम्भिक परिचालन पूर्व और परिचालनगत खर्चों का प्रावधान करने के बाद सामान्यतः निम्न रूप में निवेश किया जाएगा :

(1) निधियों का कम-से-कम 90% ऐसी कम्पनियों की इक्विटियों एवं इक्विटी संबंध लिखतों में निवेश किया जाएगा जो मुंबई स्टॉक एक्सचेंज संवेदनशील सूचकांक (सेंसेक्स) तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 50 शेयर सूचकांक (निफ्टी) में शामिल की गई हों। इक्विटी-निवेश का जोखिम तत्त्व उच्च होगा। बीएसई सेन्सेक्स और निफ्टी में शामिल शेयरों में निवेश संबंधित सूचकांकों में उनकी मात्रा के अनुपात में नहीं होगा तथा फंड का उद्देश्य सूचकांकों में बहतर कार्य निष्पादन दर्शाना और न कि उनके पीछे रहना होगा। यदि कोई शेयर बीएसई संवेदनशील सूचकांक या निफ्टी में बाहर हो जाता है तो यह फंड प्रबंधक के स्वविवेक पर निर्भर करेगा कि योजना उन शेयरों में बनी रहे/विनिवेश करे।

(2) निधियों का 10% निवेश आयवाली प्रतिभूतियों और मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश किया जाएगा। निवेश का जोखिम तत्त्व न्यून से मध्यम होगा।

पूर्वोक्त के बावजूद बाजार की स्थितियों/निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों पर निर्भर करते हुए फंड प्रबंधक के स्वविवेक के अनुसार निवेश का अनुपात घट-बढ़ सकता है। निवेश के अनुपात में कोई भी परिवर्तन, योजना के निवेश उद्देश्य के अनुरूप होगा।

उपर्युक्त हुए निवेश उद्देश्यों के अनुसार योजना की निधियों की प्रतिभूतियों में विनिवेशन किए जाने तक ट्रस्ट योजना की निधियों का निवेश अनुमोचित वाणिज्य बैंकों की अल्पावधि जमाओं में कर सकता है।

(ख) निवेश नीतियां

(1) सभी ऋण लिखतें जिनमें योजना द्वारा निवेश किया जाता है, उनके निवेश दर्जे का निर्धारण समय-समय पर मान्यता प्राप्त किसी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा किया जाएगा बशर्ते यदि ऋण लिखत का दर्जा निर्धारण नहीं किया गया हो, तो निवेश के लिए ट्रस्ट के न्यासी मंडल से विशिष्ट अनुमोदन लिया जाएगा।

(2) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं दिये जाएंगे।

(3) इस योजना से दूसरी योजना/प्लान में अंतरण कोष तभी किया जाएगा जब :-

(क) अधृत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूल्य पर ऐसे अंतरण स्पष्ट आधार पर किए गए हों।

(क) ऐसी अंतर्गत प्रतिभूतियों उस योजना/प्लान के निवेश उद्देश्यों के अनुरूप हों जिनमें ऐसे अंतरण किए जाते हैं।

(ग) प्लान की अस्पष्टीकृत या उभूत न किए गए निवेशों का ट्रस्ट की अन्य योजना/प्लान में अंतरण यूटीआई के न्यायी मंडल द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार किया जाएगा।

(4) योजना ट्रस्ट या किसी दूसरे स्मूचअल फंड की किसी अन्य योजना/प्लान में कोई शुल्क प्रभावित किए बिना निवेश कर सकती है, जबकि ट्रस्ट की सभी योजनाओं द्वारा किया गया कुल अंतर योजना निवेश या किसी दूसरी अस्तित्व प्रबंधन कम्पनी द्वारा प्रापित योजनाओं में किया गया निवेश स्मूचअल फंड के शुद्ध अस्तित्व मूल्य के 5% से अधिक न हो।

(5) ट्रस्ट प्रतिभूतियों का तब तक प्रत्यक्ष स्वत्वनिर्माणों के आधार पर करण और खरीद के सभी मामलों में संबंधित प्रतिभूतियों की गुणवत्ता तथा और बिक्री के सभी मामलों में प्रतिभूतियों की गुणवत्ता करण और किसी भी मामलों में बह को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे इसे संबंधित बिक्री करनी पड़े या सौदे का बाधदा (कैरी फॉरवर्ड) करना पड़े या बदला में लिप्त होना पड़े।

(6) जब भी निवेश एग्रीमेंट प्रकृति के होते हैं, ट्रस्ट योजना की अंतर्गत प्रतिभूतियों की खरीद या अंतरण ट्रस्ट के नाम से करवाएगा।

(7) योजना यूनितों की पूर्णरूप, प्रतिदान या ब्याज की अवसरी या यूनित धारकों को लाभार्थ अदा करने के लिए नकदी की अस्थाई जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने के बिना उधार नहीं लेगी।

परन्तु उधार योजना की शुद्ध अस्तित्व के 20% से अधिक नहीं लिया जाएगा और इस तरह के उधार की अवधि छः माह से अधिक नहीं होगी।

प्लान की प्रतिभूतियों को पैन-वेर के लिए शीयर-दलाली फर्म और यूटीआई की सहायक संस्था यूटीआई सिक्योरिटीज एक्सचेंज लिमिटेड (यूटीआई-एसईएल) की सेवाएं ली जा सकती हैं जो नीतियों के अनुसार हो और ट्रस्ट के न्यायी मंडल द्वारा तय की गई सीमाओं के अंतर्गत हों। यूटीआई एसईएल 1994 में स्थापित की गई थी। यह निवेशकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करती है। इसका पंजीकृत कार्यालय मुंबई में है।

(ग) तथापि, उपर खण्ड 22, 23 और 24 (ख) के संबंध में किसी भी बात के होते हुए, आयियों का सत्यांकन, शुद्ध अस्तित्व मूल्य का अभिकलन, परस्परगत मूल्य और उसके प्रवर्तकीकरण का अंतराल सेवा द्वारा सत्य-सत्य पर जारी गैरी (एमएफ) विनियमों के प्रावधानों/निर्देशों और निवेशों के अंतरण में होगा।

25. योजना के प्रयोजनार्थ तरतों को स्वीकृति और मान्यता नहीं दिया जाता :

जो व्यक्ति यूनित धारक के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम से यूनित प्रमाणपत्र जारी किया गया है, वह व्यक्ति ट्रस्ट द्वारा सदस्य के रूप में मान्य होगा और चूंकि ऐसे यूनितों में उसका

अधिकार, हक और हित है, इसीलिए ट्रस्ट ऐसे सदस्य को उसके पूर्ण स्वामी के रूप में मान्यता देगा और इस योजना में संबंधित यूनितों के हक को प्रभावित करने वाले किसी स्थान या हीनवटी या अन्य हित को मान्यता देने के लिए यहां स्पष्ट रूप से किए गए प्रावधान या किसी सक्षम प्राधिकार वाले व्यापारिक के आदेश को छोड़कर किसी विपरीत नोटिस या किसी न्याय के विनिर्दान पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं होगा।

26. यूनितों का अंतरण/निगमी रखा जाता/पदनिर्देशन :

इस योजना के अंतर्गत जारी यूनित निम्नीकृत शर्तों के अधीन अंतरणीय/निगमी रके जाने और/समानुदेशनीय होंगी :

(क) इस योजना के प्रावधानों के अनुसार जारी यूनित प्रमाणपत्र परकाय है और जैसा कि इस योजना के प्रावधानों के खण्ड 4 में उल्लेख किया गया है इसे व्यक्तिगत, व्यक्त या अन्य श्रेणियों के अंतर्गत किया जा सकता है।

(ख) यूनितधारण करने की क्षमता रखने वाले अंतरणकर्ता और अंतरिती के द्वारा और बीच अंतरण प्रभावकारी होगा। किसी अन्य अंतरण को मान्यता देने के लिए ट्रस्ट बाध्य नहीं होगा।

(ग) संबंधित यूनित प्रमाणपत्रों के साथ अंतरण दस्तावेज तथा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्धारित शुल्क इस तरह के विद्युत किए गए रजिस्ट्रार के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

(घ) ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत या कार्यालय द्वारा स्वीकृत अंतरण संबंधित नजदीक के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अर्पित किए जाएंगे।

(ङ) प्रत्येक अंतरण लिखित पर अंतरणकर्ता तथा अंतरिती के हस्ताक्षर होंगे और रजिस्ट्रार द्वारा अंतर्गती का नाम धारकों के रजिस्ट्रार में दाखिल करने तक अंतरणकर्ता को ही यूनित का धारक समझा जाएगा।

(च) अंतरणकर्ता के स्वत्वाधिकार या उसके यूनितों का अंतरण करने के अधिकार के समर्थन में रजिस्ट्रार ऐसा कोई सबूत मांग सकते हैं जो उन्हें आवश्यक लगे।

(छ) यदि यूनित प्रमाणपत्र खो गया हो, चूक लिया गया हो, नष्ट हो गया हो तो यूनित अपेक्षार्थ, जिसने रजिस्ट्रार जरूरी समझें को पूरा करने के बाद मूल यूनित प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि के संबंध में रजिस्ट्रार छूट देगे।

(ज) यूनितों के अंतरण का पंजीकरण होने पर अंतरण को सभी लिखित और यूनित प्रमाणपत्र रजिस्ट्रार के पास रहेंगे।

(झ) अंतरण को मान्यता देने तथा पंजीकृत करने वाले रजिस्ट्रार, उक्त अंतरण एवं प्रमाणपत्रों तथा वारंटों को जारी करने के संबंध में वये पेशावों की अदायगी तथा बसुली के दावे, मूल या नया यूनित प्रमाणपत्र अंतरिती को जारी करेंगे।

(ञ) यदि कोई अंतरिती अधिकारिक क्षमता के कारण विधि के परिचालन से या गिरवी लागू होने पर

अनुसूचित बैंक यूनिटों का धारक बन जाता है तो इच्छुक अंतर्गती यूनिटों के धारण के लिए अन्यथा पात्र होने पर रजिस्ट्रार ऐसे साक्ष्य जिसे पर्याप्त समझे, के प्रस्तुतीकरण के अधीन अंतरण प्रभावी करेंगे।

(ट) इसमें ऊपर उल्लिखित प्रावधानों के अधीन ट्रस्ट अंतरण का एंजीकृत करेगा और यूनिट प्रमाणपत्र बांखिल करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर अंतर्गती को लाभार्थी वारंट, यदि कोई हो, सहित यूनिट प्रमाणपत्र अंतरण संबंधी सभी लिखतों के साथ वापस करेगा।

27. विकास प्रारंभित निधि (डीआरएफ) में अंशदान :

प्रत्येक वर्ष शुद्ध आसित मूल्य के साप्ताहिक आसित का 0.25% ट्रस्ट के डीआरएफ में अंशदान के रूप में रखा जाएगा।

डीआरएफ अंशदान आवृत्ति व्यय का अंश होगा।

ट्रस्ट ने इस निधि की स्थापना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि ट्रस्ट नई योजनाओं को लागू करने के संबंध में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अवधारणा के स्तर पर प्रवर्तन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत से अन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े अथवा संबंधित न हों, पर होने वाले व्ययों को पूरा कर सके। इस निधि का उपयोग आर्थिक और पूंजी बाजार अनुसंधान, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंधान, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट के छात्र निर्माण संबंधी ऐसे प्रयामों जो किसी विशेष योजना से जुड़े हुए न हों तथा मानव संसाधन विकास संबंधी प्रयासों जिनका वार्षिकालिक प्रभाव हो और जो ट्रस्ट के भविष्य के कार्यकलापों से संबंधित हों, तथा ट्रस्ट की किसी भी योजनाओं में दिए गए आवेगसित प्रतिफल की वर में कमी होने पर, उनकी पूर्ति करने के लिए भी किया जा सकता है।

28. कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट में अंशदान :

प्रत्येक वर्ष साप्ताहिक आसित शुद्ध आसित मूल्य का 0.10% कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। ट्रस्ट से कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट की स्थापना अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए की है जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सा सहायता, स्वास्थ्य सहायता अथवा इसी प्रकार के अन्य प्रयोजन शामिल हैं।

29. लेखों का प्रकाशन :

ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद यथाशीघ्र बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से लेखों को प्रकाशित करेगा। जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि का योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के कार्यों का विवरण होगा। ट्रस्ट सेबी की विधिवत रूप से परीक्षित तालन-पत्र सहित वार्षिक लेखों की प्रतियाँ और राजस्व लेखा, अपरोक्षित अर्ध वार्षिक लेखों और तालनपत्रों में हुए उभार गिराव का एक तिमाही फोटोकॉपीयों विवरण पिछली अवधि में हुए परिवर्तनों सहित भेजेगा। ट्रस्ट निवेशकों को वर जानकारी देगा जो उनके निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के डार में हों और जिनका संचित किया जाना आवश्यक हो। ट्रस्ट, सबसे से लिखित रूप में अनुसंधे प्राप्त होने पर, उसे प्रकाशित लेखों और विवरणों की एक प्रतिलिपि भेजेगा।

30. योजना में परिवर्तन और संशोधन :

बोर्ड समय-समय पर इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान

में परिवर्तन या अन्यथा संशोधन कर सकता है और उसमें किए गए परिवर्तन/संशोधन की अधिसूचना सरकारी राजपत्र में की जाएगी। किसी संशोधन के मामले में सेबी का पूर्व अनुमोदन लिया जाएगा।

जब योजना की मूल विशेषताओं या ट्रस्ट या शुल्क या देय भुगतानों में या अन्य कोई ऐसा परिवर्तन किया जाना हो जिससे योजना परिवर्तित हो जाए या सदस्यों के हितों पर प्रभाव पड़े तो ऐसे परिवर्तन करने के लिए तीन-चौथाई से अधिक सदस्यों की सहमति ली जाए।

परन्तु यह कि तब तक ऐसा कोई परिवर्तन न किया जाए जब तक तीन-चौथाई सदस्यों ने अपनी सहमति न दे दी हो और जो अपनी सहमति न दे उन्हें योजना से अपनी धारिताएं मोचित करने की अनुमति है।

व्याख्या : इस खण्ड के प्रयोजन के लिए 'मूल विशेषताओं' का अर्थ है निवेश उद्देश्य, तथा योजना की शर्तें।

31. योजना की समाप्ति :

(क) योजना 31-07-2004 को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाएगा। सदस्यों के बकाया यूनिटों की पुनर्संरिद की जाएगी और सदस्यों को उनके यूनिटों के मूल्य की अवयगी उक्त अवधि के दौरान अंतिम पुनर्संरिद के लिए निर्धारित पुनर्संरिद मूल्य पर की जाएगी। निर्धारित पुनर्संरिद मूल्य की प्राप्ति के अभाव याद की किसी अवधि के लिए पुनर्संरिद मूल्य में वृद्धि या लाभार्थी के रूप में किसी प्रकार का कोई अतिरिक्त लाभ उपचित नहीं होगा। फिर भी, ट्रस्ट, सेबी की पूर्व अनुमति से इस योजना को 7 वर्षों से आगे बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। ऐसी स्थिति में सदस्यों को विकल्प दिया जाएगा कि या तो वे यूनिटों को वापस ट्रस्ट को बंध दें अथवा इस योजना में बने रहें। ट्रस्ट द्वारा निवेशकों को यह विकल्प भी दिया जा सकता है कि वह पुनर्संरिद की राशि को आरंभ करें गइ अथवा उस समय परिचालन में रहने वाली किसी भी योजना में परिवर्तित कर सकें।

(ख) ट्रस्ट योजना को निम्नलिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है :

- (1) योजना के सात वर्ष पूरे होने पर अर्थात् 31 जुलाई, 2004 को अथवा सात वर्ष के आगे ऐसी तारीख की समाप्ति पर जो ट्रस्ट द्वारा यथा निर्धारित हो।
- (2) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे ट्रस्ट की राय में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या
- (3) योजना के 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का संकल्प पारित करने पर, या
- (4) सदस्यों के हित में सेबी ऐसा करने के लिए निवेश दे।

(ग) जहां उपर्युक्त उप खण्ड (ख) के अनुसरण में योजना की समाप्ति की जाती है, तो ट्रस्ट योजना को समाप्त करने वाले कारणों की सूचना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेबी को और अधिक भारतीय स्तर पर परिचालित होने वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में और भारत में एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देने होगी।



(ख) योजना की समाप्ति संबंधी विज्ञापन की तिथि को और उस तिथि से दूर—

- (1) इस योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक क्रिया-कलाप नहीं करेगा।
- (2) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों को उत्पन्न और रद्द करना बंद करेगा।
- (3) इस योजना में यूनिटों को जारी करना और यूनिटों का प्रतिदान भी बंद करेगा।

(ड) न्यायी मंडल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जाएगा तथा साधारण बहुमत से आवश्यक संकल्प पारित किया जाएगा और मतदान द्वारा न्यायियों अथवा किसी अन्य व्यक्ति को योजना की समाप्ति हेतु कदम उठाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

परन्तु यदि योजना परिपक्वता अवधि के पूरा होने पर समाप्त की जाती है तो बैठक आवश्यक नहीं होगी।

(च) (1) न्यायी मंडल या योजना के उप खंड (ड) के अंतर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना से संबंधित आस्तियों को योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में निपटाएगा।

- (2) ऊपर दिए गए खण्ड (च) (1) के अनुसार की गई बिक्री की राशि को पहले छंटान्त में, योजना के अंतर्गत ऐसी व्ययों के उन्मोचन के लिए उपयोग किया जाएगा जो उचित रूप से बँचे हों और ऐसी समाप्ति से संबंधित व्ययों को चुकाने के लिए उचित प्रावधान करने के बाद समाप्ति का निर्णय लेने वाली तिथि को योजना की आस्तियों में यूनिट धारकों के हित के समानुपात में उन्हें शेष राशि का भुगतान किया जाएगा।

(छ) समाप्ति पूरी होने पर, ट्रस्ट सेबी और सदस्यों को समाप्ति के बारे में एक रिपोर्ट प्रेषित करेगा जिसमें ऐसी परिस्थितियाँ जिनके कारण योजना समाप्त हुई, समाप्ति से पूर्व आस्तियों के निपटान के लिए उठाए गए कदम, समाप्ति के लिए की गई योजना का व्यय, सदस्यों को क्षतिपूर्ति के लिए उपलब्ध शेष आस्तियों के विवरण और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाण पत्र भेजेगा।

(ज) इसमें ऊपर दी गई किसी भी बात के बावजूद, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम 1996 के प्रावधान, अर्धवार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए लागू रहेंगे।

(झ) खण्ड 31 (छ) में संदर्भित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि सेबी संतुष्ट हो जाती है कि योजना समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गयी है तो योजना समाप्त हो जाएगी।

(ञ) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद के लिए अनुरोध पत्र के साथ विधि-वत् रूप से उन्मोचन यूनिट प्रमाणपत्र (पत्रों) प्राप्त होने पर और अन्य प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी करने पर यथाशीघ्र पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा। यूनिट प्रमाण-पत्र, पुनर्खरीद के लिए प्राप्त अनुरोध पत्र और अन्य फार्म, यदि कोई हों, ट्रस्ट द्वारा रद्दकरण के लिए रख लिए जाएंगे।

(ट) अनिवासी निवेशक के मामले में पुनर्खरीद/परिपक्वता राशि निवेश के स्रोत पर निर्भर करने हुए निम्नानुसार विप्रेषित की जाएगी :

(1) जब यूनिटों की खरीद विदेश से विप्रेषित विदेशी मुद्रा से की गई हो अथवा सदस्य को एफसीएनआर जमागों की राशि से की गई हो अथवा सदस्य के भारत में स्थित अनिवासी (बाह्य) खाते में धारित निधियों से की गई हो तो प्राप्तियाँ, सदस्य को विदेशी मुद्रा में विप्रेषित की जा सकती हैं।

(2) जब यूनिटों की खरीद सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में धारित निधियों से की गई हो तो परिपक्वता चेंक भारत में निवेशक के रिस्तेदार को यूनिट धारक को अनिवासी (बाह्य) खाते में जमा करने के लिए भेजे दिया जाएगा।

32. उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार :

योजना के किसी भी उपबंध की व्याख्या में कोई संदेह उत्पन्न होने पर केवल अध्यक्ष और यदि उस समय कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो, तो कार्यपालक न्यायी को योजना के उपबंधों के अर्थ निर्धारण का अधिकार होगा। ऐसा अर्थ किसी भी रूप में प्रतिकूल प्रभाव डालनेवाला या योजना की मूल संरचना को विपरीत नहीं होगा तथा ऐसा निर्णय निश्चायक, बाध्यकारी और अंतिम होगा।

33. उपबंधों में ढील :

केवल अध्यक्ष और यदि कोई अध्यक्ष नियुक्त न हो तो ट्रस्ट का कार्यपालक न्यायी कठिनाइयों को दूर करने के उद्देश्य से या योजना के निर्वाह और सहज संचालन के लिए योजना के किसी भी उपबंध में ढील दे सकता है। ऐसी कोई ढील खंड 30 के विपरीत एवं विभेदक नहीं होगी तथा सभी यूनिट धारकों पर समान रूप से लागू होगी।

पेशकश दस्तावेज में कोई परिवर्तन सेबी के पूर्व अनुमोदन के बाद ही किया जाएगा।

34. योजना और उसके अंतर्गत बना प्लान सदस्यों के लिए बाध्यकारी होगा :

इस योजना की शर्तों के साथ समय-समय पर इनमें किए गए संशोधन और परिवर्तन प्रत्येक सदस्य और उसके माध्यम से वाचा करने वाले हरेक अन्य व्यक्ति के लिए इस प्रकार बाध्यकारी होंगे, मानो वह इसके लिए सहमत हो कि योजना के उपबंधों में अंतर्विष्ट किसी विपरीत बात के बावजूद ऐसा करने के लिए बाध्य हो।

35. सदस्यों को लाभ :

योजना की समाप्ति के समय पूंजी, प्रारक्षित निधि और अधिशेष के संबंध में योजना में उपचित सभी लाभ केवल उन्हीं यूनिट-धारकों को प्राप्त होंगे जो योजना की समाप्ति तक पूरी अवधि के लिए यूनिट के धारक रहे हों।

योजना के यूनिटधारकों का अनुमोदन निम्नलिखित परिस्थितियों में मांगा जाएगा :

- (1) यूनिटधारकों के हित में जब कभी सेबी द्वारा ऐसा किया जाना अपेक्षित हो, या
- (2) योजना के तीन-चौथाई यूनिटधारकों द्वारा जब कभी मांग करने पर ऐसा किया जाना आवश्यक हो,
- (3) जब न्यायियों ने बहुमत से समाप्त करने का निर्णय लिया हो या यूनिटों का समयपूर्व प्रतिदान किया जाए; या,

(4) जब कोई परिवर्तन योजना के खण्ड 30 में उल्लिखित मूलभूत विशेषताओं में या शुल्क और दाय्ये व्यय में किया जाना हो या अन्य कोई परिवर्तन जिससे योजना संबंधित होता हो या यूनिटधारकों का हित प्रभावित होता हो, तो ऐसा प्रस्तावित परिवर्तन तब तक न किया जाए जब तक तीन-चौथाई यूनिटधारकों की सहमति न ले ली जाए।

कर मार्गदर्शक

कर रियायतें

योजना के अंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान प्रचलित कर कानूनों के अधीन होगा। वर्तमान कराधान कानूनों के अनुसार "यू टी आई-इंडेक्स इक्विटी फण्ड" सहित ट्रस्ट की सभी योजनाओं के अंतर्गत सभी निवासियों और अनिवासीयों (यदि यूनिटों की खरीद अनिवासी (सामान्य) खाते में अदायगी के जरिए की गई हो, व्यक्तिगत एवं एच यू एफ को लाभों द्वारा हुई आय से हो) को यूनिटों से प्राप्त आय पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 एल के अंतर्गत रु. 15,000/- तक की कुल सीमा तक आय से कटौती उपलब्ध होगी।

इस योजना के अंतर्गत होने वाला कोई भी दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 में दिए गए निवेशों के अधीन होगा।

इस योजना के अंतर्गत यूनिटों में किए गए निवेश का मूल्य धनकर से मुक्त है।

धारा 54 ई ए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट

दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से प्राप्त होने वाले सम्पूर्ण या आंशिक शुद्ध राशि का "यू टी आई-इंडेक्स इक्विटी फण्ड" में किया गया निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ई ए के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट के लिए पात्र होगा बशर्ते पुनर्खरीद/अंतरण/गिरवीकरण, यूनिटों की आवंटन तिथि से सात वर्षों के बाद किया जाए/रखे जाए।

धारा 54 ई बी के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट

दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से प्राप्त होने वाले सम्पूर्ण या आंशिक पूंजीगत अभिलाभ का "यू टी आई-इंडेक्स इक्विटी फण्ड" में किया गया निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ई बी के अंतर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट के लिए पात्र होगा बशर्ते पुनर्खरीद/अंतरण/गिरवीकरण, यूनिटों की आवंटन तिथि से सात वर्षों के बाद किया जाए/रखे जाए।

पात्र ट्रस्टों के लिए

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 (2) (ती) के अंतर्गत योग्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ हैं। अतः यूनिटों में निवेश कर रहे पात्र ट्रस्ट आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 और 13 के अंतर्गत आते और निधि के लिए आवश्यक कर छूट के योग्य होंगे।

स्रोत पर कर की कटौती

निवासी

वर्तमान कराधान कानूनों के अनुसार धारा 104 के. के अधीन ट्रस्ट द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आय वितरण के अंतर्गत व्यक्तिगत सदस्यों को दिये आय पर 15% की दर से स्रोत पर कर

की कटौती की जाएगी बशर्ते वित्तीय वर्ष के दौरान यह आय रुपये 10,000/- से अधिक हो।

इसी प्रकार हिंदू अविभक्त परिवारों (एच यू एफ) को दिये आय से स्रोत पर 15% की दर से कर की कटौती की जाएगी यदि यह आय वित्तीय वर्ष के दौरान रुपये 10,000/- से अधिक हो।

अनिवासी

वित्त अधिनियम, 1995 के अनुसार, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 196ए को अनिवासी भारतीय द्वारा यू टी आई की किसी भी योजना के यूनिटों के संदर्भ में प्राप्त आय पर 20% की दर से स्रोत पर कर की कटौती किए जाने हेतु प्रतिस्थापित कर दिया गया है जिन्हें उन्होंने अनिवासी (सामान्य) खाते में अदायगी करके अर्जित किया है।

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, द्वारा जारी विनॉक 24 जनवरी, 1996 के परिपत्र सं. 734 एफ सं. 500/4/96-एफ टी डी के अनुसार यू ए ई में रहने वाले अनिवासी सदस्यों को बंहरने कराधान से बांधा है, जहां निधि का स्रोत एन आर ओ खाता है, स्रोत पर 15% की रियायती दर से कर कटौती की जाएगी।

कर कटौती नहीं

निवासी

सदस्य (कम्पनी या फर्म के छोड़कर) जो स्रोत पर कर की कटौती के बिना आय चाहते हैं उन्हें ट्रस्ट को लिखित रूप से निर्धारित फार्म सं. 15 एच पर दो प्रतियों में घोषणा प्रस्तुत करनी चाहिए और उसे इस आदेश की निर्धारित रीति से सत्यापित किया जाना चाहिए कि उसकी गत वर्ष की अनुमानित कुल आय पर कर "शून्य" होगा। स्रोत पर कर की कटौती नहीं करने संबंधी निर्धारित फार्म आवेदन पत्र के साथ तथा उत्तरवर्ती वर्षों के लिए आय वितरण वारंटों के भेजे जाने के कम से कम तीन माह पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए, ऐसा न करने पर प्रचलित कराधान कानूनों के अनुसार कर कटौती की जाएगी।

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 अथवा 12 अथवा 10 (22) अथवा 10 (22ए) अथवा 10 (23) अथवा 10 (23ए) अथवा 10 (23सी) के अंतर्गत आने वाले पात्र ट्रस्टों द्वारा आवेदन पत्र में उपलब्ध कराए गए प्रारूप में घोषणा किए जाने के आधार पर उन पर कर की कटौती नहीं की जाएगी।

अनिवासी

अनिवासीयों के मामले में, यदि यूनिटों की खरीद सीधे विदेशी मुद्रा के विप्रेषण के जरिए अथवा भारत में रखे गए अनिवासी (बाह्य) खाते के जरिए अथवा एफ सी एन आर जमाओं की राशि से की गई है तो ऐसे यूनिटों से प्राप्त आय पूर्णतया आयकर से मुक्त है।

उपरोक्त मामलों में यू टी आई स्रोत पर कर की कटौती नहीं करेगा, बल्कि ही लाभों को राशि कितनी भी हो।

आय कर/धन कर/उपहार कर/पूंजीगत अभिलाभ कर, अनिवासी भारतीयों/ओ सी वी/एफ आई आई द्वारा किए गए निवेशों के संबंधित प्रकटीकरण प्रचलित आयकर अधिनियम, फोरा और रिजर्व बैंक के निवेश और अनुमीतियों के अनुरूप है।

## सदस्यों के अधिकार :-

1. योजना के अधीन यूनिटधारक को योजना की आवश्यकतों के लाभकारी स्वामित्व तथा योजना द्वारा घोषित लाभों में समानुपातिक अधिकार है।
2. यूनिटधारक को न्यायियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जो उनके निवेशों पर प्रतिकूल प्रभाव रखती हो तथा यूनिटधारक को ऐसी जानकारी देने के लिए न्यायी बाध्य होंगे।
3. यूनिटधारक को "निरीक्षण के लिए उपलब्ध दस्तावेज" शीर्षक के अंतर्गत सूचीबद्ध किए गए सभी दस्तावेजों का निरीक्षण करने का अधिकार है।
4. लाभों की दर, यदि कोई हो, की घोषणा किए जाने के 42 दिनों के भीतर यूनिटधारक लाभों वारंट के प्रेषण किए जाने के हकदार है।
5. "यूनिटों का अंतरण/गिरवी रखना/समनुद्वेशन" पर खण्ड XXVI में दी गई शर्तों के अधीन, ट्रस्ट अंतरण को पंजीकृत करेगा और यूनिट प्रमाणपत्र वापस करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर अंतरिती को यूनिट प्रमाणपत्रों के साथ अंतरण संबंधी निश्चित वापस करेगा।

## अभिरक्षक

भारतीय स्टॉक धारिता नियम के साथ 17 जनवरी 1994 को हुए कार के अनुसार हमारे सभी योजनाओं और प्लानों का अभिरक्षक भारतीय स्टॉक धारिता नियम है जिसका कार्यालय मित्तल कोर्ट, वी विंग, नगीमन पॉइन्ट, मुंबई-400 021 में स्थित है।

अभिरक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनाओं/बण्डों/प्लानों की सभी प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी लें और उन्हें अपनी अभिरक्षा में रखें। अभिरक्षक प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी केवल ट्रस्ट के अनुदेशों के अनुसार और प्रतिफल प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया गया हो, अभिरक्षक, एजेंट के रूप में उसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों, अन्य आवश्यकतों की बिक्री, शरीर, अंतरण एवं अन्य लेन-देन से संबंधित अभिरक्षा संबंधी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिए सभी पर विवेकाधीन एवं प्रक्रियात्मक बंधनों के लिए सामान्यतया प्राधिकृत होगा।

अभिरक्षक सभी सूचनाएं रिपोर्टें अथवा ट्रस्ट की योजनाओं/बण्डों/प्लानों से संबंधित प्रतिभूतियों के वास्तविक रूप से सत्यापन एवं मिलान और लेखा परीक्षा के प्रयोजन हेतु ट्रस्ट अथवा ट्रस्ट की लेखा परीक्षकों द्वारा मांगा गया कोई भी गप्टीकरण उपलब्ध कराएंगे।

## लेखा परीक्षक

मंसर्स एम के कपूर एण्ड कम्पनी 16/98, एल आई सी बिल्डिंग, दी मान, कानपुर-208 001 और मंसर्स चतुर्वेदी एण्ड कम्पनी, सनवी लेखाकार, 24, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-700 016।

योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति आई डी वी आई द्वारा की जाती है, और वे प्रत्येक वर्ष बदले जाने के अधीन हैं।

## निवेशकों की शिकायतें

01-02-96 से 31-01-97 तक की अवधि के लिए प्राप्त शिकायतों की संख्या, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, उन्हें नीचे दिया गया है :-

योजना का नाम	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवारणाधीन शिकायतें
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
1	2	3	4	5
सीसीसीएफ	2553	2428	125	4.90%
सीजीजीएफ	18132	17704	428	2.36%
सीजीएस-83	16848	16449	399	2.37%
सीजीयूएस-91	4795	4722	73	1.52%
सीआरटीएस	184	140	44	23.91%
डीआईयूपी-93	414	403	11	2.66%
डीआईयूपी-95	967	947	20	2.07%
डीआईयूएस-90	1829	1806	23	1.26%
डीआईयूएस-91	3671	3620	51	1.39%
डीआईयूएस-92	2218	2101	27	1.22%
ईओएफ	760	757	3	0.39%
जीसीजीआई	10784	10579	205	1.90%
जीएमआईएस-91	13165	10880	2285	17.36%
जीएमआईएस-92	3209	2984	225	7.01%
जीएमआईएस-92 (II)	788	776	12	1.52%

1	2	3	4	5
जीएमआईएस-बी-92	254	250	4	1.57%
जीएमआईएस-बी-92(II)	2136	2074	62	2.90%
ग्रेड मास्टर-93	829	807	22	2.65%
ज़ीयूपी	1493	1447	46	3.08%
एचयूएस	248	210	38	15.32%
आईआईएसएफयूएस	4	4	0	0.00%
मास्टर गेन-92	43608	41992	1616	3.71%
मास्टर ग्रोथ -93	2314	2226	88	3.80%
मास्टर प्लस-91	10612	10527	85	0.80%
मास्टर गेयर-86	15801	14462	1339	8.47%
एमईपी-91	4401	4105	206	4.68%
एमईपी-92	36357	34932	1425	3.92%
एमईपी-93	24484	23747	737	3.01%
एमईपी-94	8229	8147	82	1.00%
एमईपी-95	13549	13384	165	1.22%
एमईपी-96	4351	4307	44	1.01%
एमआईपी-93	2422	2399	23	0.95%
एमआईपी-94(I)	2454	2313	141	5.75%
एमआईपी-94 (II)	4247	4146	101	2.38%
एमआईपी-94 (III)	6459	6171	288	4.46%
एमआईपी-95	3230	3144	86	2.66%
एमआईपी-95 (II)	4101	3770	331	8.07%
एमआईपी-95 (III)	3040	2913	127	4.18%
एमआईपी-96	2431	2391	40	1.65%
एमआईपी-96 (II)	2845	2782	63	2.21%
एमआईपी-96 (III)	2770	2414	300	12.00%
एमआईपी-96 (IV)	347	337	10	2.88%
एमआईएस-बी-93	3992	3890	102	2.56%
एमआईएसजी-90 (I)	218	173	45	20.64%
एमआईएसजी-90 (II)	1708	1665	43	2.52%
एमआईएसजी-91	2265	2219	46	2.03%
ओमनी-प्लान	44	36	8	18.18%
पीईएफ	442	334	108	24.43%
राजलक्ष्मी यूनिट प्लान	7689	7332	357	4.64%
आरबीपी	2292	2219	73	3.18%
वरिष्ठ बायरिक यूनिट प्लान	1181	1106	55	4.74%
यूजीएस-2000	10857	9674	1183	10.90%
यूजीएस-5000	5966	5767	199	3.34%
यूलिप	12369	11134	1235	9.98%
यूएस-64	180943	168153	14790	8.17%
यूएस-92	7358	7355	3	0.04%
कुल	520637	490934	29703	5.71%

शिकायतें लीवत रहने के कारण :—

- (1) संग्रहण कर्ता बैंकों से आवेदन पत्र/निवेदनों का प्राप्ति न होना।
- (2) आवेदन पत्र में निवेशक के पते, नाम और हस्ताक्षर सहित अपूर्ण विवरण।
- (3) निवेशक के पते में हुए परिवर्तन को सूचित नहीं किया जाना/अद्यतन नहीं किया जाना।
- (4) मार्ग में ही खो जाना।
- (5) डाक सेवा में विलंब।
- (6) अंतरण/मृत्यु दाखिल/पुनर्खरीद के मामलों में अपेक्षित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना।
- (7) शिकायतें भेजते समय अपूर्ण व्योरा।
- (8) कमीशन प्राप्ति न होना/विलम्ब से प्राप्ति होना।
- (9) पत्रों/दस्तावेजों को गलत कार्यालय/रजिस्ट्रार को भेजा जाना।

सभी निवेशक अपनी शिकायतें निवेश संबंधी पूर्ण विवरण देते हुए सम्बंधित निवेशक संपर्क कक्ष को निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं :

पश्चिमी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष, कामर्स सेंटर 1, 28वीं मंजिल,  
विश्व व्यापार केन्द्र, जी डी सोमानी मार्ग,  
कफ परडे, मुम्बई-400005  
टेली : 2180172/2181600

पूर्वी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
2, फेयरली प्लेस, 2री मंजिल,  
कलकत्ता-700001  
टेली : 2434581

दक्षिणी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
यू टी आई हाउस, 29, राजाजी साल,  
चेन्नई-600001  
टेली : 517101 विस्तारित : 360/364

उत्तरी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट  
निवेशक संपर्क कक्ष,  
होरोल्ड हाउस, 2री मंजिल,  
5ए, बहादुर शाह जफर मार्ग,  
नई दिल्ली-110002  
टेली : 3329860

रजिस्ट्रार

सेलर्स एम सी एम लिमिटेड को रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि रजिस्ट्रार के साथ आवेदन पत्रों, अंतरण फार्मों एवं पुनर्खरीद आग्रहों की प्रोसेसिंग करते, सक्षमता सूचनाओं/यूनिट प्रमाणपत्रों एवं लाभांश वारंटों को निर्धारित समय के भीतर प्रेषित करने और निवेशक की शिकायतों को दूर करने जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पर्याप्त क्षमता है।

आवेदन पत्रों की प्रोसेसिंग और विक्री के पश्चात् संवाएं रजिस्ट्रार की निम्नलिखित चार प्रमुख शाखाओं द्वारा प्रधान की जाएंगी :

पश्चिम अंचल : श्री पद्मावती भवन, प्लॉट नं. 93, रोड नं. 16, एम आई डी सी फोरम, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-400 093 दूरध्वनि : 820 1785, 820 5741।

पूर्व अंचल : श्री वेकटेश मंगलम, 24/26, हेमन्त वामु सरानी, कानकता-700 001, दूरध्वनि : 210 2805/6।

दक्षिण अंचल : श्री वेकटेश भवन, 35 अरमोनियन स्ट्रीट, चेन्नई 600 001, दूरध्वनि : 524 0116, 523 1849।

उत्तर अंचल : श्री वेकटेश भवन, 212 ए शाहपुर जाट, नई दिल्ली 110 049, दूरध्वनि : 621 3830/1।

निरीक्षण के लिए उपलब्ध दस्तावेज

निम्नलिखित दस्तावेज निरीक्षण के लिए केन्द्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एन एन डी टी महिला विध्वविद्यालय, दोसमंन्ट द्वारा नं. 1, सर विट्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुम्बई-400 020 में उपलब्ध रहेंगे :—

- \* यू टी आई अधिनियम
- \* सामान्य विनियम
- \* अभिरक्षक, रजिस्ट्रार और संग्रहणकर्ता बैंकों के साथ किए गए करार
- \* पेशकश दस्तावेज यू टी आई-इन्डोक्स फण्ड की प्रति

पूर्ववर्ती

1994-95

1995-

पूर्ववर्ती आंकड़े	मास्टर शेयर	मास्टर प्लन 91	मास्टर शेयर	यूनिट योजना 92	मास्टर शेयर	मास्टर प्लन 91
(क) शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति यूनिट	27.27	19.89	15.18	14.42	25.39	23.56
(ख) सकल आय प्रति यूनिट में विभक्त :-						
(i) निवेशों के बिक्री पर लाभ के अतिरिक्त आय, प्रति यूनिट	0.51	0.26	0.19	0.19	0.58	0.42
आय, प्रति यूनिट						
(ii) निवेश के अंतर योजना बिक्री/अंतरण पर लाभ से आय, प्रति यूनिट	1.52	0.71	0.53	0.05	0.01	0.04
(iii) तृतीय पक्ष को निवेशों के बिक्री पर लाभ से आय, प्रति यूनिट	0.70	0.38	0.02	0.09	1.16	0.72
(iv) पिछले वर्ष के अतिरिक्त से राजस्व लेखे में अंतर, प्रति यूनिट	0.97	0.49	0.16	0.69	0.03	1.09
(ग) कुल व्यय, अपलिखित, परिशोधन एवं प्रभार, प्रति यूनिट	0.10	0.12	0.10	0.03	0.11	0.11
(घ) शुद्ध आय, प्रति यूनिट	1.66	1.69	0.80	0.99	1.60	2.15
(ङ) निवेश के मूल्य में अप्रাপ्य मूल्यवृद्धि मूल्यह्रास, प्रति यूनिट	13.82	8.81	4.80	3.43	14.16	11.41
(च) बाजार मूल्य						
उच्चतम	29.5	21.0	17.25	..	17.75	15.3
न्यूनतम	17.0	11.75	9.24	..	11.70	9.5
पुनर्बरीच मूल्य						
उच्चतम	..	..	..	..	..	..
न्यूनतम	..	..	..	..	..	..
बिक्री मूल्य						
उच्चतम	..	..	..	..	..	..
न्यूनतम	..	..	..	..	..	..
लाभ उपार्जन अनुपात	..	..	..	..	..	..
(ज) औसत शुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट व्यय का अनुपात प्रतिशत में	0.24	0.50	0.56	0.15	0.42	0.49
(झ) औसत शुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट सकल आय का अनुपात प्रतिशत में (गत वर्ष के आरक्षित से राजस्व लेखे से अंतरण को छोड़कर परन्तु अप्रাপ्य निवेशों में श्रद्धाचरी का सम्मिलित करते हुए)	36.06	43.81	34.12	6.02	60.28	62.90
(ञ) प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य	27.27	19.89	15.18	14.42	25.39	23.56

अंकित

1996				31-J-2-1996			
मास्टर प्रोथ	इक्विटी सूचक निधि	यूनिट योजना 92	मास्टर शेयर	मास्टर प्रोथ 91	मास्टर प्रोथ	इक्विटी सूचक निधि	यूनिट योजना 92
18.28	9.98	17.77	19.62	19.53	15.14	6.93	13.94
-0.30	0.01	0.46	0.25	0.22	0.14	-1.43	-0.15
-0.01	0.00	0.01	0.02	0.00	0.00	0.00	0.33
0.04	0.00	1.46	0.39	0.00	0.04	0.01	0.68
0.40	0.00	1.21	0.00	2.15	0.65	-0.05	2.15
0.03	0.03	0.05	0.03	0.05	0.04	0.08	0.05
0.65	-0.02	3.08	0.02	2.32	0.79	-1.55	2.95
7.63	0.00	5.87	7.77	7.21	4.35	-1.53	1.71
13.00	..	15.80	..	..	..	..	..
7.00	..	14.00	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..	..	..
0.46	0.28	0.31	0.15	0.21	0.23	0.58	0.35
49.98	0.07	19.44	35.92	43.53	34.17	-17.36	21.22
18.28	9.98	17.77	19.62	19.53	15.14	16.93	13.94

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

कार्पोरेट कार्यालय

13, सर बिट्टलदास ठाकरसी मार्ग (न्यू मरिन लाईन्स),  
मुंबई-400 720, दूरध्वनि : 2068468 ।

आंशिक कार्यालय

पश्चिमी अंचल : केन्द्र-1, 28वीं मंजिल, विभव व्यापार

केन्द्र, कफ परेड, कोलाबा, मुंबई-400005, दूरध्वनि :  
2181600/2181254, पूर्वी अंचल : 2 फेयरली प्लेस, दूसरी  
मंजिल, कलकत्ता-700001, दूरध्वनि : 2209391/  
2209322, वंक्षणी अंचल : यूटीआई हाउस 29, राजाजी  
साल, चेन्नई-600001, दूरध्वनि : 517101, उत्तरी अंचल :  
जीवन भारती, 13वीं मंजिल, टावर 2, कनाट मकान, नई  
दिल्ली-110001, दूरध्वनि : 3329860/3329858 ।

पश्चिमी अंचल के अंतर्गत आने वाले शाखा कार्यालय

मुंबई मुख्य शाखा कार्यालय

कामर्स सेंटर-1, 29वीं मंजिल, विश्व व्यापार केंद्र, कफ परेड, कोलाबा, मुंबई-400005, दूरध्वनि : 2181600/2180057।

शाखाएं, जहां आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं

अहमदाबाद : बी जे हाउस, दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009, दूरध्वनि : 6423043, बड़ौदा : संघधनुष, चौथी और पांचवीं मंजिल, ट्रान्सफॉर्मर सर्कल, रोस कोस रोड, बड़ौदा-390015, दूरध्वनि : 332481, भोपाल : पहली मंजिल, गंगाजमुना, कर्मशाला कामप्लेक्स, प्लॉट नं. 202, महाराणा प्रताप नगर, अंचल-1, स्क्रीम 13, हबीब गंज, भोपाल-462001, दूरध्वनि : 558308 इन्दौर : सिटी सेंटर, दूसरी मंजिल, 570, एम जी रोड, इन्दौर-452001, दूरध्वनि : 22796, मुंबई : (1) यूनिट सं. 2, ब्लॉक 'बी' गुलमोहर क्रास रोड नं. 9, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई-400049, दूरध्वनि : 6201995 (2) पर्सोपॉलिम बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, जांधू बॉक के उत्तर, सेक्टर 17, दादर, नवी मुंबई-400703, दूरध्वनि : 7672607 (3) लाटस कोर्ट बिल्डिंग, 196, जयवंदजी टाटा रोड, बॉकबे रिक्लमेशन, मुम्बई-400020, दूरध्वनि : 2850821 (4) श्रद्धा शापिंग आर्कैड, पहली मंजिल, एस बी रोड, बारिवली (पश्चिम), मुम्बई-400092, दूरध्वनि : 8020521 (5) सागर बोनान्जा, पहली मंजिल, खोस लैंड, घाटकोपर (पश्चिम) मुंबई-400086, दूरध्वनि : 5162256, कोल्हापुर : अयोध्या टावर्स, सी एस नं. 511, कोएच-1/2, 'ई' वार्ड, दाबोलकर कार्नेर, स्टेशन रोड कोल्हापुर-416001 दूरध्वनि : 657315 नागपुर : श्री मोहिनी कामप्लेक्स, तीसरी मंजिल, 345, सरदार वल्लभभाई पार्क रोड, नागपुर-440001, दूरध्वनि : 536893, नासिक : साठवा भंकरल, दूसरी मंजिल, एम.जी. रोड, नासिक-422001, दूरध्वनि : 72166, पणजी : ई. डी. सी. हाउस, भूतल, डा. ए. दी मार्ग, पणजी, गोवा-403001, दूरध्वनि : 222472, पुणे : सदाशिव विद्यास, तीसरी मंजिल, 1183 फर्ग्युसन कालेज रोड, शिवाजी नगर, पुणे-411005, दूरध्वनि : 325954, राजकोट : लल्लभाई सेंटर, चौथी मंजिल, लखाजी राज मार्ग राजकोट-360001, दूरध्वनि : 35112, सूरत : सैफि बिल्डिंग, डब रोड, ननपुरा, सूरत-395001, दूरध्वनि : 434550, ठाणे : म्यूटिआई हाउस, स्टेशन रोड, ठाणे (प.)-400601, दूरध्वनि : 5400905।

उत्तरी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले शाखा कार्यालय

आगरा : भूतल, जेदत प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी रोड, आगरा-282002, दूरध्वनि : 54408, इलाहाबाद : ग्लास्टेड टावर्स, तीसरी मंजिल, 53, लीडर रोड, इलाहाबाद-211003, दूरध्वनि : 50521, अमृतसर : श्री द्वारकाप्रोश कामप्लेक्स, दूसरी मंजिल, सिमला रोड, अमृतसर-143001, दूरध्वनि : 210367, चंडीगढ़ : जीवन प्रकाश, एलआर्डीसी बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़-160017, दूरध्वनि : 543683, देहरादून : दमानी मंजिल, 59/3, राउपर रोड, देहरादून-248001, दूरध्वनि : 26720, फरीदाबाद : बी-614-617, नेहरू आउंड, एनआर्डीटी, फरीदाबाद-121001, दूरध्वनि : 210010, गाजियाबाद : 41, नवयुग मार्केट, मिथानी रोड के समीप, गाजियाबाद-201001, दूरध्वनि :

752040, जयपुर : आनंद भवन, तीसरी मंजिल, संसार चन्द्र गंज, जयपुर-302001, दूरध्वनि : 365212, कानपुर : 16/79इ, सिविल लाईन्स, कानपुर-208001, दूरध्वनि : 317278, लखनऊ : रिजेंसी प्लाजा बिल्डिंग, 5, पार्क रोड, लखनऊ-226001, दूरध्वनि : 232501, लुधियाना : मोहन पॉलेस, 455, दि माल, लुधियाना-141001, दूरध्वनि : 400373, नई दिल्ली : गुलाब भवन, दूसरी मंजिल, 6, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरध्वनि : 3318638, शिमला : 3, माल रोड, पहली मंजिल, 9 जानकीवास एण्ड कं. डिपार्टमेंट स्टोर के ऊपर, शिमला-171002, दूरध्वनि : 4203, वाराणसी : पहली मंजिल, डी-58/2ए-1, भवानी मार्केट रथयात्रा, वाराणसी-221001, दूरध्वनि : 54306।

दक्षिणी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले शाखा कार्यालय

बंगलूर : विश्व व्यापार केंद्र, चेंबर आफ कामर्स, कोम्प्लेक्स रोड, बंगलूर-560009, दूरध्वनि : 2263739, कोचीन : जीवन प्रकाश, पांचवीं मंजिल, एम जी रोड, एनकलम, कोचीन-682011, दूरध्वनि : 362354, कोयंबटूर : चैन टावर्स, तीसरी मंजिल, 6/25, आर्ट्स कालेज रोड, कोयंबटूर-641018, दूरध्वनि : 214973, हुबली : कालवर्गी भवन, 4थी मंजिल, लीमिंगटन रोड, हुबली-580020, दूरध्वनि : 363963, हैदराबाद : पहली मंजिल, सुरभि आर्कैड, 5-1-664, 665, 669, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद-500001, दूरध्वनि : 511095, चेन्नई : यू. टी. आर्कैड हाउस, 29, राजाजी सलाई, चेन्नई-600001, दूरध्वनि : 517101, मदुराई : तमिलनाडू सर्वोदय संघ बिल्डिंग, 108, तिरुवरुन-कन्थम रोड, मदुराई-625001, दूरध्वनि : 38186, मंगलूर : सिद्धार्थ बिल्डिंग, पहली मंजिल, बाल-मत्ता रोड, मंगलूर-575001, दूरध्वनि : 426258, तिरुवनंतपुरम : स्वस्तिक सेंटर, तीसरी मंजिल, एम. जी. रोड, तिरुवनंतपुरम-695001, दूरध्वनि : 331415, त्रिची : 104, मलार् रोड, वोरियर, तिरुचिरापल्ली-620003, दूरध्वनि : 27060, त्रिचूर : 28/876/77, वेंस्ट पॉलिथामामा बिल्डिंग, करुणाकरण नंबियार रोड, राउंड नार्थ, त्रिचूर-680020, दूरध्वनि : 331259, विजयवाड़ा : 27-37-156, बन्दर रोड, मनरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा-520002, दूरध्वनि : 74434, विशाखापट्टनम : रत्ना आर्कैड, तीसरी मंजिल, 47/15/6, स्टेशन रोड, द्वारका नगर, विशाखापट्टनम-530016, दूरध्वनि : 548121

पूबी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले शाखा कार्यालय

भुवनेश्वर : ओसीएचसी बिल्डिंग, पहली और दूसरी मंजिल, 24, जनपथ, खारवैला नगर, राम मंदिर के समीप, भुवनेश्वर-751001, दूरध्वनि : 410995, कलकत्ता : 2 और 4, फेयरली प्लेस, कलकत्ता-700001, दूरध्वनि : 2209391, दार्जिलिंग : तीसरी एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, आसनसोल, दार्जिलिंग विकास प्राधिकरण, सिटी सेंटर, दार्जिलिंग-713216, दूरध्वनि : 4831, गंगाहाटी : जीवन दीप, एम एन नेहरू रोड, पानबाजार, गंगाहाटी-781001, दूरध्वनि : 543131, जमशेदपुर : 1-ए, राम मन्दिर परिसर, भुसल और दूसरी मंजिल, बिस्मूप जमशेदपुर-831001, दूरध्वनि : 425508, पटना : जीवन दीप बिल्डिंग, भूतल और 5वीं मंजिल, एडिजिप्शन रोड, पटना-800001, दूरध्वनि : 235001, सिलीगुड़ी : जीवन दीप, भूतल, गुरु नानक मारती, सिलीगुड़ी-734401, दूरध्वनि : 24671।



## STATE BANK OF INDIA

## CENTRAL OFFICE

Mumbai, the 30th April 1997

SBD No. 20/1997.—In terms of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the State Bank of India hereby nominates Shri B. M. Bhide, Dy. Managing Director & Chief Credit Officer, State Bank of India, Central Office, Mumbai, as a Director on the Board of the following Associate Banks with immediate effect vice Shri O. P. Setia.

1. State Bank of Bikaner & Jaipur.
2. State Bank of Hyderabad
3. State Bank of Indore
4. State Bank of Mysore
5. State Bank of Patiala
6. State Bank of Saurashtra
7. State Bank of Travancore.

M. S. VERMA  
Chairman

The 5th July 1997

SBD No. 19/1997.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of Sub-section (1) of

Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Central Government and Reserve Bank of India, nominated Dr. K. S. Johar, Veterinary College Campus, Civil Lines, Jabalpur, as a Director on the Board of Directors of State Bank of Indore for a period of three years with effect from 1st August 1997 to 31st July 2000 (both days inclusive) in place of Dr. V. N. Shroff.

M. S. VERMA  
Chairman

SBD No. 21/1997.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Central Government and Reserve Bank of India nominated Ms. Kiran Mazumdar, "Carica", 3rd Block, Koramangala, 874/1, 7th Cross, Bangalore-560034, as a director on the Board of Directors State Bank of Mysore for a period of three years with effect from 1st August 1997 to 31st July 2000 (both days inclusive) in place of Ms. M. M. Chatrapathy.

M. S. VERMA  
Chairman

The 8th July 1997

## CORRIGENDUM

No. 20/1997.—In the notification of the State Bank of India, Central Office, SBD. No. 9/1996 dated the 14th March 1996 published in Issue No. 12 of the Gazette of India Extraordinary Part-III, Section 4 dated the 23rd March 1996, the corrections as under may be noted:—

Page No.	Regulation No.	Correction
(1)	(2)	(3)
3017	1(1)	Sub-regulation (1) to read as (a)
3017	1(1)	in line 9 "understanding" to read as "undertaking".
3017	2(o)(a)	in line 1 insert word "a" between the words "of" and "male".
3020	14	in line 3 "Bank's" to read as "Bank".
3020	15	in line 4 word "first" be inserted between the words "is" and "appointed".
3021	22(4)(6)	in line 3 the word "of" be read as "or".
3021	24	in line 3 the word "and" be inserted between the words "any" and "military".
3021	26(c) proviso 3	in line 2 of the word "of" be read as "or".
3021	29(1) proviso 3	in line 3 clause (1) be read as clause (1).
3022	35(3)	be read as 35(3)(a).
3023	37(1)	in line 2 words "pnsione" be read as "pension".
3023	39(1)(b)	in line 6 the words "and declared fit for employment in the Bank" be deleted
3023	39(3)a(i)	in line 1 the word "there" be read as "where".
3023	39(3)a(i)	in line 11 the word "the" between the word "had" and "survived" be read as "he".
3023	39(3)(c)	in line 4 sub-regulation (ii) be read as sub-regulation (i).

(1)	(2)	(3)
3024	40(1)(c)(iv)	in line 1 the word "allowing" be inserted between the words "before" and "the family".
3024	40(4)(a)	in line 3 sub-clause (1) be read as sub-clause (i).
3024	40(4)(b)	in line 2 and 3 sub-clause (1) be read as sub-clause (i).
3024	40(5)(e)	in line 3 of the word "he" may read as "the".
3026	41(4)	in the last line of Note (1) figure Rs. $100 \times 10.466 \times 12 =$ Rs. 12.552 be read as Rs. $100 \times 10.46 \times 12 =$ Rs. 12.552/-.
3027	48(2)	in line 1 the word "there" be read as "where".
3029	Appendix I(E)(2)	in line 2 the word "copied", be read as "Counted".
3029	Table below Appendix	in line 3 the word "service" be read as "series".
3029	Column (ii) below the table.	the figure "Rs. 500 i" be read as "Rs. 500".
3030	Appendix III	In the 4th line from bottom after the words "family pension" a full stop (.) be placed and the words "The aggregate of basic and additional family pension" be inserted before the word "shall".

B. M. BHIDE  
Dy. Managing Director  
(Associates & Subsidiaries)

### THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Mumbai, the 16th June, 1997

No. 3WCA(4)3/96-97.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations 1988, it is hereby notified that in exercise of the power conferred by clause (a) of the sub section (1) of 20 of the Chartered Accountants Act 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from the date mentioned against their names, the names of the following members :—

S. No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
1.	000704	Mr. Clerk Vasantlal Chhaganlal II Parsiwada Bai Krishna Niwas, III Floor, Room No. 46 Vithal Bhai Patel Rd, Opp. Mahanbowri P.O. Mumbai-400004.	13-04-96
2.	000790	Mr. Mehta Pheroj Dinshaw Block 7, Unit L, AVA Baug, Seth Shapoorji Jokhi Marg. Opp. S.T. Bus Depot, Navsari-396445.	01-03-96
3.	000935	Mr. Sopariwalla Devendrababu C. C/o C.H. Sopariwalla & Co, Khira Bhavan 4th Fl., Flat No. 4, Chowpatty, Mumbai-400007.	12-02-96
4.	001241	Mr. Patankar M. K. Anand 38/1, Prabhat Road, Pune-411004.	02-11-96
5.	001266	Mr. Fatehpuria Sundarlal 59, Dr. V.B. Gandhi Marg, Fort, Mumbai-400001.	05-02-97

S.No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
6.	001940	Mr. Shah Vallabhdas Muljibhai Chandulal M. Shah & Co., 304 Maker Bhavan No. 3, III Floor New Marine Lines, Mumbai-400020.	17-04-96
7.	002410	Mr. Pandit Balkrishna Ramchand Birtane & Pandit 73-2-2 Bhakti Marg, Off. Chipalunkar Rd., Pune-411004.	13-02-97
8.	002469	Mr. Shah Naimish Natwarlal Naimish N. Shah & Co., III Floor, Ahmedabad Peoples Co-op. Bank, Bhadra, Ahmedabad-380001.	06-11-95
9.	002562	Mr. Sanghavi Jaysukh Becharlal J.B. Sanghavi & Co., R. No. 410, Rajgor Chamber, 4th Floor, Masjid Siding Street, Mumbai-400009.	12-08-96
10.	002626	Mr. Taraporewalia Russi Faramr Sir Dorab Tata Bldg. No. 1, Flat No. 2, Swami Vivekanand Rd., Bandra-AS Mumbai-400050.	01-12-95
11.	003598	Mr. Misar Shantilal Ghanshyam S.G. Misar & Co., 3/2A, Maker Bhavan No. 3, 21, New Marine Lines-BR, Mumbai-400020.	09-12-96
12.	004940	Mr. Kshirsagar Bhaskar Naraya Flat No. 2, Plot No. 67/2, Oberoi House, Nai Stop Ernadawane Karv Road, Pune-411004.	16-08-96
13.	006614	Mr. Garud Ashok Govind 1512, Agra Road, Dhule-424001	10-02-96
14.	007406	Mr. Joshi Madhukar Vinayak N.D. Joshi & Co., Laxmi Sadan, New Peth, Jalgaon	26-03-96
15.	011368	Mr. Khandwala Harish Mangaldas V.M. Khandwala & Co., Sohrab Bldg., I Floor, 505 Kalbadevi Road, Mumbai-400002.	25-10-95
16.	013778	Mr. Goraksha Jayawant Putalaji S.J. Goraksha & Co., Sahakar Nagar No. 5, Shell Clny. Bldg. No. 2, New 1972 Ground Floor, Room No. Mumbai-400071	11-05-96
17.	013837	Mr. Patel Ushakant Kanobhai Utkarsh-9/B, Patidar SOC, Gulabi Tekra Marg, Ellisbridge, Panchvati Panch Rasta, Ahmedabad-380006.	19-11-96

S.No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
18.	013952	Mr. Gopal K.S. No. 6 II Floor Raghukul Deep Vyapari Kendra, Phadke Road, Baji Prabhu Chowk, Dombivli-921201	02-05-96
19.	014348	Mr. Dalal Fakhruddin Adamali M/s F.A. Dalal & Co., Tezabwala Manzil, 4th Floor, No. 18, 21 1st Marine Cross Lane, Mumbai-400002	28-03-96
20.	016063	Mr. Kulkarni Vijaykumar Sadash V.S. Kulkarni & Co., 1184/4 Shivajinagar Gokulnagar A-Ferguson College Rd., Dnyaneshwar Pad, Pune-411005.	25-09-96
21.	030508	Mr. Rameswaran K. A-19, Shilpa Apartments, Dr. Charat Singh, Colony Road, Chākala, Mumbai-400093.	23-12-95
22.	034439	Mr. Soneji Janak Kanubhai 3, Pankaj Society, Paldi Ahmedabad-380007.	30-10-95
23.	037277	Mr. Angle Ramchandra Vasant PA P.O. Box No. 214, Near Railway Gate, Margao, Goa-403601.	17-09-95
24.	037543	Mr. Mitragotri, Shrirang Srini Flat No. 6, 2nd Floor, 320/1, Somwar Peth, Opp. Shahu Pune-411011	14-04-96
25.	037935	Mr. Goiporia Maneck Nadirshaw Bldg. No. 17, Flat 24, UTI Staff Quarters, Bandra Reclamation West, Mumbai-400050.	01-05-97
26.	040384	Mr. Sejpal Jayesh Motilal C/o. J.M. Sejpal & Co., A-315, Kalpataru Plaza, Third Fl., 224, Bhawani Peth, Pune-411042.	14-10-95
27.	040682	Mr. Ganghan Omprakash Shiv Lalji O.S. Ganghan & Co., Nityanand Bhawan Dharaskar Rd., Itwari, Nagpur-0	01-05-97
28.	041147	Mr. Damania Khushru Nariman B/20, 4th Floor, Godrej Baug, Opp. Napean Sea Road, Mumbai-400026.	12-06-95
29.	041768	Mr. Kolhatkar Hemant Laxman 1187/20 Bhole Road Pune-411005.	08-10-95
30.	046251	Mr. Apte Ashish Vasant 1423, Kasba Peth, Near Phadke Haud Pune-411011.	22-11-96

ASHOK HALDIA  
Secretary

The 23rd June 1997

No. 3WCA(o)4/96-97.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulation 1988, it is hereby notified that in exercise of the power conferred by clause (b) of sub section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on request with effect from the date mentioned against their name, the name of the following persons.

S.No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
1.	003138	Mr. Shah Dhirajlal Dipchand Flat No. 11, 1st Floor, Beach Towers P Balu Marg, Prabhadevi, Mumbai-400025.	01-04-96
2.	004311	Mr. Soman Narahari Krishnaji 639, Sadashiv Peth, Pune-411030.	17-05-96

ASHOK HALDIA,  
Secretary

Calcutta-700071, the 7th July 1997

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3ECA/4/1/97-98.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons :

S.No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
1.	000680	Mr. Das Bhowmik Pulin Chandra 60, Dharamtolla Street, 1st Floor, Calcutta-700013.	16-06-97
2.	003898	Mr. Choudhury Haradhan Purbachal Housing Estate, Flat No. S-10, Sector-3, Cluster-III, Calcutta-700091.	07-01-97
3.	013732	Mr. Gupta Krishna Kumar 15-1-A1, Golepark Coop Hsg. Soc., 49C, Govindapur Road, Lake Gardens, Calcutta-700045.	08-03-97
4.	015638	Mr. Oswal Bhairoran B Oswal & Associates, 121 Netaji Subhas Road, Room No. 53, 5th Floor, Calcutta-700001.	10-04-97
5.	050484	Mr. Bandyopadhyay Kishor Kumar C. Dutta & Co., 7, Kiran Sankar Roy Road, Calcutta-700001.	01-04-97

ASHOK HALDIA

No. 3SCA(5)/4/96-97;—With reference of his Institute's Notification Nos. 3SCA(4)/4/94-95 dated 22nd February 1995, 4SCA(1)/8/81-82 dated 17th March 1982, 3SCA(4)/10/83-84 dated 31st March 1984, 3SCA(4)/3/92-93, dated 27th November 1992, 3SCA(4)/4/95-96 dated 12th March 1996, 3WCA(4)/2/95-96 dated 13th May 1996, 3SCA(4)/8/87-88 dated 30th December, 1987, 4CA(1)/18/70-71 dated 4th January 1971, 3SCA(4)/3/93-94 dated 11th January 1994, 3WCA(4)/9/94-95 dated 30th January 1995, 3ECA(4)/2/95-96 dated 25th March 1996, 3CCA(4)/6/86-87 dated 28th 3CEA(4)/5/85-86 dated 20th March 1986, 3SCA(4)/8/90-91 dated 1st December 1990, 3WCA(4)/5/92-93 dated 1st December 1992 and 3NCA(4)/2/95-96 dated 7th May 1996 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons :

S. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
1.	002652	Mr. Padmanabhan T.K., FCA Chartered Accountant 11/8 Jeevarathna Nagar Adayar Chennai-600 020.	30-07-1996
2.	005271	Mr. Rāmanurthy S. FCA 1-10-22 Cheru Vari Street Nāzerpet Tenali-522 201	11-10-1996
3.	008001	Mr. Chandrudu V., FCA AP-910 (Opp. to 1713) 34th Street G. Block Annagar West Chennai-600 040.	11-10-1996
4.	011679	Mr. Sai Baba Chinta, FCA Chartered Accountant 18/18/857 Gandhi Nagar Vijayawada-520 003	22-07-1996
5.	012298	Mr. Vaidyanathan S., ACA Chartered Accountant Operations Manager National Bank of Oman P.B. No. 751 Ruwi Postal Code 11 Sultanate of Oman-0	11-10-1996
6.	014224	Mr. Shamanna Nanjappa, ACA Chartered Accountant Post Box 50751 Dubai.	26-11-1996
7.	019624	Mr. Chandrashekar C.K.T., ACA Chartered Accountant, Deputy General Manager The Vysya Bank Limited, 72 St. Marks Road, Bangalore-560 001.	18-09-96
8.	019898	Mr. Ravi R., ACA Chartered Accountant, Asst. General Manager (Finance), HMT Limited SWCD, HMT Post, Bangalore-560 031.	20-11-1996
9.	019976	Mr. Balasundaram S., ACA Chartered Accountant, Manager (Finance) A-3 Tamilnadu Cements Quarters, Ariyalur-621 729.	30-09-1996
10.	021636	Mr. Narendran P., ACA Chartered Accountant, 365 Holland Road, 10-03 Allsnorth Park, Singapore.	17-09-1996
11.	021856	Mr. Rajeswara Rao N., ACA Chartered Accountant, Dy. General Manager Commercial Greaves Ltd., Industrial Estate Medak Dist. Patancheru-502 319.	20-09-1996

S. No.	MRN	Member Name & Address	Res. Date
12.	021866	Mr. Rajana Krishna Rao, ACA B-2-17/2 Mallayya Agraharam Gandhinagar, Kakinada 533 004.	05-11-1996
13.	024537	Mr. Kaliki Vijayulu Reddy, FCA 6-3-609/195 Ananda Nagar, Khairatabad, Hyderabad 500 004.	23-09-1996
14.	024674	Mr. Ravichandar N., ACA Chartered Accountant Controller-Indirect Taxation, A Sea Brown Boveri Ltd Plot 5, Penny II Phase, Bangalore 560 058.	14-08-1996
15.	025137	Mr. Thomas Kuruvilla, ACA Managing Director, Muthoot Capital Services Ltd., Muthoot Towers M.G. Road Ernakulam, Kochi-682 035.	23-09-1996
16.	025706	Mr. Hari Krishnan R., ACA Chartered Accountant, Accounts Officer, Rubber Board Kerala Kottayam.	12-11-1996
17.	026248	Mr. Anil Kumar Muthya, ACA Chartered Accountant, 5B Vinayaka Nagar, Hebbal, Bangalore-560 024.	23-12-1996
18.	026531	Mr. Harish P., ACA Chartered Accountant, Flat No. 304 Gitanjali Apartments 6-3-1216/21-26, Methodist Colony Begumpet Hyderabad 500 016.	07-03-1996
19.	027778	Mr. Rajesh Thangiah S., ACA No. 121/4 N.M.M. Road, Aminjikara, Chennai-600 029.	11-12-1996
20.	027822	Mr. Krishna Kishore J., ACA Chartered Accountant, Assistant Commissioner, of Income Tax, Trust Circle, C.R. Bldg. Queens Road, Bangalore 560 001.	09-12-1996
21.	028018	Mr. Srikanth K.N., ACA No. 5 Govindu Street T. Nagar, Chennai 600 017.	25-10-1996
22.	028608	Mr. Anto M.P., ACA Chartered Accountant Chief Accountant PLS Pipe Line Services Ltd., P.O. Box 4500, Abu Dhabi, U.A.E.	15-10-1996
23.	027040	Mr. Vilina Prakash K.V., ACA No. 4 Swimming Pool Road, 5th Temple Cross Road, Malleshwaram, Bangalore 560 003.	11-10-1996
24.	029457	Mr. Jetendran N., FCA No. 2 G.T.N. Road, Dindigul-624 005.	30-10-1996
25.	030172	Mr. Srikrishna Subramaniam, ACA 1645 Hal 3rd Stage 6th Cross 11th Main Bangalore 560 008.	04-10-1996
26.	052660	Mr. Himadri Gupta, ACA Chartered Accountant, C/o Micoland Ltd., Financial Controller 58 80 Feet, Koramangala Block 7 Bangalore 560 095.	20-09-1996
27.	070293	Mr. Swaminathan K., ACA 13/1 Dr. Sadasivam Road, New Bazaar, T. Nagar, Chennai 600 017.	30-09-1996

S. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
28.	082857	Mr. Srinivasan S., ACA Chartered Accountant, D-144-D Shantiniketan Colony, P.V. Rajamannar Salai, K.K. Nagar, Chennai 600 078.	22-10-1996
29.	086949	Mr. Rajagopalan S., ACA Chartered Accountant, C/o ITC Limited-ILTD Division, Post Box No. 317, G.T. Road, Guntur 522 004.	28-08-1996
30.	088478	Ms. Anuja Bansal, ACA A-310 Lraheja Residency, BDA Complex Road, Koramangala, Bangalore-560 034.	22-11-1996
31.	200589	Mr. Arunachalam S., ACA Chartered Accountant, 6 Brindavan Street, B1 Brindavan Apartments Mylapore, Chennai 600 004.	04-07-1996
32.	201558	Mr. Krishnan L., ACA Chartered Accountant, Finance Manager, Policy Management Systems Pvt. Optel Software Technology Park, Indore 452 008.	30-12-1996
33.	202762	Mr. Pradeep C., ACA 2-B Muktha Gardens, Spur Tank Road, Chetpet.	18-10-1996

ASHOK HALDIA,  
Secy.

No. 3SCA(4)/6/96-97:—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (b) of Sub-section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India at their own request has removed from the Register of Members of this Institute with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons;—

S. No.	MRN	Member Name & Address	Removal Date
1.	000215	Mr. Sambamurthy M.N. 132 Kantha Court 2nd Floor, Lalbagh Road, Bangalore-560 027.	31-03-1997
2.	001873	Mr. Gopalakrishna Rao, A-305, 3-5-873, Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad-500 029.	31-03-1997
3.	005653	Mr. Visweswaraiya Basaralu Suryanarayanaiah, C/o Dr. Ramachandran V. 5425 Vaulin Brossard P.O. Canada.	31-03-1997

ASHOK HALDIA,  
Secy.



Madras-600034, the 18th June, 1997

No. 3SCA(8)/8/96-97.—In pursuance of clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations 1988, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled with effect from dates mentioned against their names, they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S.No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
1.	000978	Mr. Naryanaswami A. FCA 2853 Ground Floor 80 Feet Road H.A.L. II Stage Bangalore-560008.	31-03-97
2.	003337	Mr. Modi Manohar Sec ACA General Marketing & Mfg. Co. Ltd., 6, GST Road, St. Thomas, Chennai-600016.	31-03-97
3.	007210	Mr. Mohamed Lebhe Haniffa ACA 27/J-10, IHFD Apartments, Dr. Ambedkar Road, Velandipalayam Coimbatore-641025.	31-03-97
4.	016827	Mr. Sundharesan Narayanaswamy ACA Plot No. 1231 18th Main Road, Anna Nagar West Chennai-600040.	10-2-97
5.	019803	Mr. Rajasekharan A.S. ACA Q-33, Annanagar, Chennai-600040.	10-03-97
6.	022341	Mr. Bhaskar T. ACA 93, 7th Cross Lower Palace Orchards, Bangalore-560003.	31-03-97
7.	023265	Mr. Vidya Sagar S. FCA 301, Rekha Deluxe Apartments 6-3-661 Sangeth Nagar, Somagiuda, Hyderabad-500482.	31-03-97
8.	026863	Mr. Suresh K.R. FCA 24, G.V.D. Layout, Coimbatore-641002.	15-02-97
9.	026918	Mr. Umesh N.V. FCA No. 49, 4th Main Road, Palace Guttaballi, Bangalore-560003.	01-03-97
10.	027638	Mr. Iftikhar F. Kathawala FCA Group Chief Accountant Shanfari Group of Companies, P.O. 783, P.C. 113 Ruwi Sultanate of Oman	28-02-97
11.	028924	Ms. Maheswari V. ACA USHUS Keerankulangara Post, Thrissur-680005.	31-03-97
12.	029338	Mr. Kannappan N. ACA DGP Windsor (I) Ltd., Plot No. 6 & 7, G.I.D.C. North Gujarat, Chhatral-382729.	13-12-96
13.	029362	Ms. Su Iha Balasubramanian ACA 24, G.V.D. Layout, Coimbatore-641002.	17-02-97

S.No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
14.	203378	Mr. Anand Rao T V ACA H. No. 1-2-212/1/C Behind Domalguda Market Hyderabad-500029	04-02-97
15.	203484	Mr. Kayalvizhi Chandrasekaran ACA No. 18 D'Monte Colony, Alwarpet, Chennai-600018.	26-03-97
16.	203602	Mr. Chakrabhararao A. CH. S. ACA Officer Lord Krishna Bank Limited Head Office, Indian Express Building Kaloor, Kochi-682017.	20-01-97
17.	203862	Ms. Gowri K. ACA 9, Nachiappan Street, Mahalingapuram, Chennai-600034.	28-02-97
18.	204029	Mr. Rama Subba Rao Mithipati ACA Sudarsana, Narayanapeta Road, Amalapuram-533201.	31-03-97
19.	204932	Mr. Renganathan R. ACA Executive Trainee Finance Bharat Heavy Electricals Limit Post Box No. 1245, EPD Finance D, Bangalore-560012.	07-12-96
20.	204953	Mr. Krishnan T.P. ACA Assistant Manager Finance, The Associated Cement Company, 121, Maharishi Karve Road, Mumbai-400020.	04-02-97
21.	204991	Mr. Ramdas M. ACA Supervisor, KPMG P.O. Box 508, Balantyre Malawi, Africa.	31-03-97
22.	204992	Mr. Seema Sukumaran ACA Supervisor, KPMG, P.O. Box 508, Balantyre Malawi, Africa.	31-03-97
23.	205211	Mr. Phanindra Prakash Ilapakurty ACA D. No. 8-3-897/7, Yellareddyguda, Hyderabad-500873.	01-12-96
24.	205282	Ms. Jyothi Shenoy ACA No. 3094, 14th B. Main Road, 8-D, Cross RPC Layout, Vijayanagar East, Bangalore-560040.	25-12-96
25.	205460	Mr. Sivakumar B. ACA A-17 "Maitri", 54 Jubilee Road, West Mambalam, Chennai-600033.	12-02-97
26.	205513	Mr. Raja Sekhar D. ACA Finance Officer Net Work Systems Unit IT Limited ITI Bhavan, Doorvani Nagar, Bangalore-560016.	10-03-97
27.	205921	Ms. Sharada K. ACA E-6 ICT Staff Quarters Habsiguda, Hyderabad-500007.	31-03-97

New Delhi-110066, the 27 June, 1997

No. C.P.F.C. E.1(4)AP(1539)/96/999—Whereas it appears to the Regional Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

Sl. No.	Code No.,	Name & Address of the Estt.	Date of Coverage
1.	AP/28177	M/s. Sri Laxmi Engineers, L.I.G., 335, Bharathnagar, R. C. Puram, B.H.E.L. Hyderabad-500032	1-8-95
2.	AP/25367	M/s. Primary Agricultural Cooperative Credit Society Ltd., Chandupatla Nalgonda District, Andhra Pradesh	1-10-93
3.	AP/26182	M/s. Akupamuta Munagala Mandal, Nalgonda District, Andhra Pradesh	1-12-93
4.	AP/25366	M/s. Primary Agricultural Credit Society Ltd., Madaram Kalan, District Nalgonda,	1-10-93
5.	AP/25373	M/s. Primary Agricultural Cooperative Society Ltd., Takkellapad : Miryalguda Mandal, District Nalgonda	1-10-93
6.	AP/25369	M/s. Primary Agricultural Cooperative Society Ltd., B. Annaram, Miryalguda Mandal, Nalgonda District	1-10-93

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Regional Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

R. KALYANARAMAN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. C.P.F.C. E.1(4) RJ(1530)/95/1007—Whereas it appears to the Regional Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

Sl. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of Coverage
1.	RJ/5694	M/s. Cymex Time (P) Ltd., 19, Outside Surajpole, Udaipur-313001	1-4-90
2.	RJ/5783	M/s. Alfalex, 1st Sarang Marg, Outside Surajpole, Udaipur	1-4-90

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Regional Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

R. KALYANARAMAN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. CPFC E.1(4) WB (1540)/96/1011—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

Sl. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of Coverage
1.	WB/CA/29578	M/s. AEC Engineers (P) Ltd., AD-5, Salt Lake City, Calcutta-700064	1-11-94
2.	WB/CA/29579	M/s. NDT Centre, 32/24, M.C. Garden Road, Dum Dum, Calcutta-700030	1-7-94
3.	WB/CA/29616	M/s. R. K. Enterprises, 25, MC LEOD Street, Calcutta-700017	1-11-94
4.	WB/CA/29615	M/s. Rajesh Tobacco Company, 10, Satish Mukherjee Road, Calcutta-700026	1-12-94
5.	WB/CA/29640	M/s. Mandec Consultants, 38, Little Russel Street, Flat-1, Ground Floor, Calcutta-700071	1-12-94
6.	WB/CA/29580	M/s. Creative Leathers, 47, South Tangra Road, Calcutta-700046	1-10-94

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Regional Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

R. KALYANARAMAN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. C.P.F.C. E.1(4) AP/(1517)/96/1019—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

Sl. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of Coverage
1.	AP/VP/27265	M/s. The Kaldari Primary Agricultural Cooperative Credit Society Ltd., Kaldari, Tumkur Taluk, Godavari District	1-8-95
2.	AP/VP/23273	M/s. Magatapalli Primary Agricultural Cooperative Credit Society Ltd., Magatapalli, Mamidi Kuduru Mandal, East Godavari District	1-10-95
3.	AP/VP/27257	M/s. Delta Nitrochem (F) Ltd., Tetali, Tanuku Mandal, West Godavari District (AP), Tanuku-534211	1-12-95
4.	AP/VP/27217	M/s. Murada Primary Agricultural Cooperative Credit Society Ltd., Kurada, Karopa Mandal, East Godavari District	1-8-95
5.	AP/VP/28456	M/s. G. Kothapalli Primary Agricultural Cooperative Credit Society Ltd., G. Kothapalli, Sankarama Mandal, East Godavari District	1-10-95
6.	AP/VP/25921	M/s. Aswini Biopharma Ltd., 505-A, 1st Floor, V.V. Mahal Road, Tirupati-517501	1-4-96

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

**R. KALYANARAMAN**  
Regional Provident Fund Commissioner

No. CPFC-1(4) KR (1525)/95/1927 - Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of Coverage
1.	KR/12864	M/s. Krishna Info Tech Ltd. Manhattan, Near Housing Board, Thiruvananthapuram,	1-1-96
2.	KR/14545	M/s. Kozhikode Harijan Mahila Indl. Co-op. Society Ltd., Industrial Development Plot, West Hill, Calcutta-5	1-4-96
3.	KR/KK/14554	M/s. Ernakulam Textile Centre, S. M. Street, Calicut-673001.	1-4-96
4.	KR/KC/15040	M/s. Premco Products, South Vazhaku'am, Alwaye-5.	31-1-95
5.	KR/KC/15090	M/s. Ashis Super Mercato, Verapoly Archbishop's, House Campus, Marina Drive, Cochin-31	30-9-95
6.	KR/KC/15097	M/s. Alappatt Marketing Corporation, 11nd Floor, Alaraa Building, Warriam Road, Kochi-16.	1-4-95
7.	KR/KC/15125	M/s. Assisi Vidyaniketan Public School, Chemomukku, B.M.C. P.O. Kochi-21	1-9-95
8.	KR/KC/15133	M/s. Central Engineers, XXX VII/2442, N.H. Road, Near Mathrubhumi, Kaloar, Kochi-17.	1-1-96
9.	KR/KC/15150	M/s. Ehnem Motor Credit pvt. Ltd, Building No. 39/6019, 2nd Floor, M. G. Road, Ravipuram, Kochi-15.	1-4-96
10.	KR/KC/15151.	M/s. Melamambal Syndicate, Building No. 39/6019, 2nd Floor, M/G. Road, Ravipuram, Kochi-15.	1-4-96

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the abovementioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments

**R. KALYANARAMAN**  
Regional Provident Fund Commissioner

**MINISTRY OF LABOUR  
EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION,  
CENTRAL OFFICE**

New Delhi-110 006, the 24th June 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/3976.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND Whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of

premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

**SCHEDULE-I**

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C P F G File No.
	M/s. Bharat Commerce and Industries Ltd., Industrial Area, Rajpura-140401 Punjab	PN/2199	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I Dated 28-10-92	25-3-95 to 25-3-98	26-3-95 to 25-3-98	2/426/80/DLI

**SCHEDULE-II**

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH  
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 28th April 1997

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/983.- WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance

Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Miero Turners, Hissar Road, Rohtak, Haryana.	HR/3774	2/1959/DLI/Exam/89/Pt. II dated 7-5-93	30-11-93	1-12-93 to 30-11-96	2/4865/93/DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member, entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

D. K. MARWAH

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/988.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favour-

able to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Delhi from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.F.F.C.'s File No.
1.	M/s. Inalsa Ltd., Surya Kiran, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.	DL/3155	1-11-90 to 31-10-93 & 1-11-93 to 31-10-96	3/4/97/DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it, and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

D. K. MARWAH  
Regional Provident Fund Commissioner



## UNIT TRUST OF INDIA

Mumbai, the 24th June 1997

No. UT/DBDM/SPD-93/R-223/96-97.—Offer Document of the UTI Money Market Fund formulated under section 19(1) (8)(c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme, the UTI Money Market Mutual Fund Scheme made under section 21 of the said Act approved by the Executive Committee in the meeting held on 12th March 1997 is published here below.

A. G. JOSHI  
General Manager  
Business Development and Marketing

UTI MONEY MARKET FUND  
(A MONEY MARKET MUTUAL FUND)  
OFFER DOCUMENT

(Offer Open from 23rd April, 1997)

The UTI MONEY MARKET FUND is a plan formulated under Section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963), in relation to the unit scheme, the UTI Money Market Mutual Fund Scheme made under section 21 of the said Act by the Board of Trustees of UTI.

The plan particulars have been prepared in accordance with the various RBI circulars on guidelines for money market mutual funds and the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996. The unit offered for public subscription have not been approved for disapproval by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the offer document.

## OBJECTIVE OF THE SCHEME

The plan seeks to provide high liquidity of investments, safety of capital and highest possible return consistent with these objectives and as available from investments in a diversified portfolio of short term money market securities.

## STRUCTURE OF THE SCHEME

The Money Market Mutual Fund Scheme is to be set up inhouse as a separate Division. The scheme will be managed by a separate fund manager.

## HIGHLIGHTS

- \* An open ended scheme with high liquidity.
- \* Minimum investment is of Rs. 10,000/- without any maximum limit. To start with, applications for investments can be made at the Mumbai branch office of the UTI Bank. Progressively other branches of UTI Bank will also accept applications of the scheme.
- \* On the date of launch the sale price will be at par. Thereafter sale and repurchase prices will be at prospective NAV.
- \* Continuous repurchase will be allowed after the prescribed lockin period which at present is of 30 days.
- \* The scheme is open to resident and non resident individuals, HUF, Trusts, Societies, bodies corporate including companies and Overseas Corporate Bodies.
- \* The Trust seeks to maintain high expense efficiency in managing the scheme. The promotional expenses for the scheme for the first two years will be met from the Development Reserve Fund of the Trust and will be charged to the scheme. However the revenue expenses including depreciation if any, in the value of investments will be charged to the scheme.
- \* The Trust has built up expertise of over 32 years in managing funds in the money market. The scheme aims to maximise returns by active investment management strategies.

9-169 GI/97

## RISK FACTORS

- \* Investments in units issued under the scheme are subject to risks of investment in the money market. There is no assurance that the fund will maintain a stable net asset value.
- \* The funds invested in the scheme will not have insurance cover from the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation of India.
- \* Repurchases shall be subject to a monthly ceiling of Rs. 5 crore per member. This ceiling may be relaxed in future.

UTI-Money Market Fund is only the name of the scheme and does not in any manner indicate either the quality of the scheme, its future prospects or returns.

## MANAGEMENT'S PERCEPTION OF RISK FACTORS

- \* The Trust has been in operation for over 32 years and has built up expertise in managing funds of around Rs. 56,620 crores from over 50 million investors. Thus it is reasonably expected that the objective of the scheme will be achieved.

## CONSTITUTION OF UTI

Unit Trust of India was set up as a statutory corporation under UTI Act, 1963, with a view to encourage saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July, 1964.

## MANAGEMENT OF UTI

The Management of the affairs and business of UTI are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India. Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. The Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

## BOARD OF TRUSTEES

1. Shri G. P. Gupta—Chairman, Unit Trust of India.
2. Dr. P. J. Nayak—Executive Trustee, Unit Trust of India
3. Shri R. V. Gupta—Deputy Governor, Reserve Bank of India
4. Shri S. H. Khan—Chairman, Industrial Development Bank of India
5. Shri N. S. Sekhsaria—Managing Director, Gujarat Ambuja Cement Ltd.
6. Dr. Arvind Virmani—Advisor, Policy Planning, Govt. of India, Dept. of Economic Affairs, Ministry of Finance
7. Shri P. R. Khanna—Chartered Accountant
8. Shri N. M. Govardhan—Chairman, Life Insurance Corporation of India
9. Shri P. G. Kakodkar—\*Chairman, S.B.I.
10. Shri N. Vaghul—Chairman, ICICI Ltd.
11. Shri Rashid Jilani—Chairman & Managing Director, Punjab National Bank

\*His term has expired with effect from 31-03-97.

DETAILS OF THE UTI MONEY MARKET MUTUAL  
FUND SCHEME

1. Short title and commencement : —
  - (i) This Scheme shall be called UTI MONEY MARKET MUTUAL FUND SCHEME.

- (ii) The Scheme shall be open for sale from the 23rd of April, 1997. The units shall have a face value of Rs. 10/- each. Sale of units will be kept open throughout the year.
- (iii) Provided, however that the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust/Chairman may suspend the sale of units under the scheme at any time after giving 2 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust of India.

## II. Definitions :

In this Scheme and the Plan made thereunder, unless the context otherwise requires :

- (1) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Unit Trust for sale or repurchase of units by the Unit Trust means the day on which the Unit Trust after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (2) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) ;
- (3) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the Scheme and the Plan made thereunder who is not a minor and makes an application under Clause III of the Plan.
- (4) "Alternate applicant" in case of minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of the minor.
- (5) "Member" used as an expression under the Scheme and Plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the Scheme.
- (6) "Number of units in issue" means the number of units sold and remaining outstanding.
- (7) "RBI" means the Reserve Bank of India constituted under the Reserve Bank of India Act, 1934.
- (8) "Regulations" means the Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act.
- (9) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).
- (10) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital pertaining to this Fund.
- (11) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the fund and outstanding for the time being.
- (12) "Unit Trust" or "Trust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (13) All other expressions not defined herein but defined in the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/Regulations.
- (14) "Non Resident Indian (NRI)", means non residents of Indian Nationality/Origin. A person shall be deemed to be a person of Indian origin, if he/she or either of his parents or any of the grand parents, howsoever high in degree or ascent, whether of paternal side or of maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- (15) "Overseas Corporate Bodies (OCBs)", include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned, directly or indirectly to the extent of atleast 60% by individuals of Indian nationality or origin resident outside India as also overseas Trust in which atleast 60% of the beneficial interest is irrevocably held by such persons.
- (16) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa.

The other provisions of the scheme are continued from page no. 07 onwards.

## DETAILS OF THE "UTI MONEY MARKET FUND" formulated under the

### UTI MONEY MARKET MUTUAL FUND SCHEME are given herebelow

#### I. Definitions :

The words not defined in the plan and defined in the scheme and the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them in the Scheme/Act/Regulations.

#### II. Face value of each unit :

The face value of each unit issued under the scheme shall be ten rupees.

#### III. Application for units :

(1) Applications for units under this plan may be made by the following classes of persons :

- (i) A resident or non resident individual either singly or with another individual none of whom is a minor, on joint/either or survivor basis.
- (ii) A parent, step parent or other lawful guardian on behalf of a minor who could be resident or a non resident.
- (iii) Hindu Undivided Family—both resident and non-resident.
- (iv) An eligible Trust as defined in the Regulations, including Charitable and Religious Trusts.
- (v) Societies registered under Societies Registration Act, 1860.
- (vi) A company, banks or other body corporate.
- (vii) Non-resident Company/Overseas Corporate Bodies owned by NRIs to the extent of atleast 60%.
- (viii) Foreign Institutional Investors and any other institution.

(2) Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Unit Trust.

(3) Applications for units by non-individual investors shall be made by such persons as are duly authorised in this behalf by the charter of establishment, rules and regulations etc., governing the investors.

#### IV. Application by and registration of bodies corporate, minors etc. :

- (1) A body corporate may be a member or one of the joint members.
- (2) An adult, being a parent, step parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor.

The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

- (3) Applications by companies or other corporate bodies shall be accompanied by the relevant documents showing the applicant's competence to invest in units, such as Memorandum and Articles of Association, etc., an authorised copy of the resolution by the managing body, and a copy of the requisite power of attorney.
- (4) Not more than two persons may be joint holders.
- (5) An individual applying for units in his official capacity shall be issued units in his official name.

#### V. Minimum amount of investment :

Minimum investment shall be for Rs. 10,000/-. There shall be no maximum limit on the amount of investment.

In case of investment of Rs. 50,000/- add. above, the investor is advised to furnish Income Tax P.A.N./G.I.R. number and I.T. Circle address if he/she is having so.

#### VI. Minimum target amount to be raised :

Amount of Rs. 1 crore is targeted to be raised under the plan, within the first thirty days of the launch of the plan. Oversubscription, if any, will be retained by the Trust in full.

The Trust shall by account payee cheque refund not later than six weeks from the thirtieth day of the launch of the plan, entire amount collected under the plan, if the said targeted amount of Rs. 1 crore is not subscribed.

In the event of failure to refund the amounts within the period stipulated above, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @ 15% per annum on the expiry of six weeks from the thirtieth day of the launch of the plan.

#### VII. Sale of Units :

(1) On the date of launch of the plan units will be sold at par, thereafter "Sale price" will be equal to the net asset value of the scheme.

(2) The payment for units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque, draft or pay order. Applications will be accepted at the designated UTI Bank branch offices only.

(3) *Right of Trust to accept or reject application :* The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the plan. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the plan shall be final.

(4) *Incomplete application liable for rejection :* In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum.

(5) *Applicant to comply with requirements under the fund before being issued units :* Persons applying for units under the plan shall have to satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust, such as submission of requisite documents etc. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust. Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unit-holding cancelled. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par after deduction of penalty or at such other price as may be decided by the Trust and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

#### VIII. Date of allotment of units :

The date of allotment of units in case of payment by cheque/draft/pay-order will be the date on which the account on which the instrument is drawn is debited. Payments made by cash will be allotted on the date of receipt, provided it is deposited before the specified cut-off time at the designated branch of UTI bank. For payments made by non-MICR instruments in MICR centres or through outstation cheques, date of allotment will be the date of realisation of the instrument.

Units will be allotted at the NAV of the date of allotment which will be announced before the commencement of normal business hours of the next working day. Units will be allotted upto four places after decimal, e.g. (a) if payment is made by cash/high value cheque on 3rd June 1997, units will be allotted at NAV of 3rd June '97, calculated at the close of business hours on 3rd June '97 and announced on 4th June '97, e.g. (b) if payment is made by low value

cheque/draft/pay order on 1st July '97, the instrument will normally be realised on 2nd July '97 (being the next clearing day) and units will be allotted on the NAV of 2nd July '97, calculated at the close of business on that day and announced before the commencement of normal business hours on 3rd July '97.

#### IX. Statement of Membership :

Every member of the plan will be issued a statement showing the number of outstanding units (upto four decimal places) in his membership with details of investments/repurchases and free balance available for repurchase after the specified lock-in period. The first such statement will be issued within two working days of the investment.

#### X. Repurchase of units :

(1) The units issued under the plan cannot be repurchased for the lock-in period as specified by RBI from time to time which is 30 days at present. Each sales transaction will be under separate lock-in from the date of allotment. Repurchase will be allowed after expiry of the lock-in period.

(2) The Unit Trust shall repurchase the units at NAV. For every repurchase a transaction fee, to be determined from time to time, will be charged to the member. At present this fee is fixed at Rs. 20/- per repurchase transaction. However it will be ensured that the repurchase price net of the transaction fee is not less than 93% of the NAV as per the regular 49 of the SEBI (mutual funds) regulations, 1996. All requests for repurchase received by close of business hours of any working day will be repurchased at the NAV of that day (calculated at the close of business hours) to be announced before the normal business hours of the next working day. Payment of repurchase amount shall be by cheque, dated the next working day. The next working day means the first working day at Mumbai and also at the location at which the repurchase is lodged.

(3) Repurchase requests can be made through a simple pre printed application form available at the counters of the UTI bank branch office(s).

(4) Repurchases shall be subject to a monthly ceiling of Rs. 5 crore (i.e. repurchase value) per member. This ceiling may be relaxed in future. Units under a membership shall be repurchased on a "First in First Out" basis i.e. the units that were issued first would be the first to be repurchased.

(5) Partial repurchase will be allowed, provided that no repurchase so made should result in the member having investment less than Rs. 10,000/-. If the application for partial repurchase is for an amount which leaves a balance of less than Rs. 10,000/- after the repurchase, the Trust may repurchase the entire unit-holding standing to the credit of the investor.

(6) The member shall be under no obligation to offer his units for repurchase and will be free to hold them as long as he desires during the currency of the scheme.

#### XI. Restrictions on sale and repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme and the Plan made thereunder, the Unit Trust shall not be under an obligation to sell or repurchase units on such days as are not working days.

*Explanation :* For this Fund, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Unit Trust or UTI Bank has its offices; or (ii) notified by the Unit Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Unit Trust will be closed.

#### XII. Expenses :

The initial expenses of marketing and promotion of the scheme in the first two years will be met from the Development Reserve Fund of the Trust and will not be charged to the scheme thereafter it will be charged to the scheme. The Scheme will incur expenses towards Bank charges, printing & stationery and administration of the scheme on a recurring

basis. Further, upto a nominal 0.10% of the daily average net assets of the scheme will be set aside as contribution to the DRF of the Trust every year.

The estimated recurring expenses are as under :

Expenses	%
Administrative expenses	0.10%
Printing & Stationery	0.15%
Bank Charges	0.20%
Development Reserve Fund	0.10%
Total	0.55%

The above expenses are estimates and are subject to change *inter-se* as per actual expenses incurred. The Trust seeks to maintain high overall expense efficiency in managing the scheme. As the corpus of the scheme grows it is estimated that the proportion of expenses to the assets of the scheme will progressively come down. The expected expenses as a percentage of the total assets for various asset sizes will be as follows :

Upto asset size of Rs. 25 crores	0.80%
More than Rs. 25 crores and upto Rs. 50 crores	0.60%
More than Rs. 50 crores	0.55%

UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. UTI will ensure that the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

#### XIII. Receipt by member to discharge Unit Trust :

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units indicated in the statement of membership shall be a good discharge to the Unit Trust.

#### XIV. Nomination by members :

Members may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations. Members being parent or lawful guardian holding units on behalf of a minor, HUFs, Trust, Societies and Bodies corporate shall have no right to make any nomination.

#### XV. Death of a member :

- (1) In case of death of any one of the joint members of units, the survivor shall be the only person recognised by the Unit Trust as having any title to or interest in the units represented by the Scheme and the Plan made thereunder.

Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

- (2) In the event of death of a single member, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units.
- (3) In the absence of a valid nomination by a single member, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.
- (4) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of member(s) may, upon producing such evidence to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.
- (5) In the event the nominee is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall

be permitted to hold the units as a member and shall be issued statement of membership in his name representing units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.

#### DETAILS OF THE MONEY MARKET MUTUAL FUND SCHEME—Continued

##### II. Investment Objective and Policy :

(i) The investment objective of the scheme is to provide highest possible current income consistent with preservation of capital and providing liquidity from investing in a diversified portfolio of short term money market securities. The scheme will invest in the following money market securities :

- (a) Treasury bills and dated government securities having unexpired maturity upto 1 year.
- (b) call/notice money,
- (c) in Certificates of Deposit with rating of P1 and above.
- (d) in Commercial Papers\* with atleast P1 rating.
- (e) commercial bills arising out of genuine trade/commercial transactions and accepted/co-accepted by banks.
- (f) any other instrument allowed by RBI.

\*As per the present RBI guidelines, investment in Commercial Papers issued by an individual company will be subject to the exposure limit of 3% of the funds of the scheme.

(ii) Transfers of investments from/to this scheme to/from another scheme/plan of the Trust shall be done only if :

- (a) such transfers are done at the prevailing market price for quota instruments on spot basis. For unquoted instruments, transfer will be effected at the valuation price. The manner of valuation of assets is stated at Clause IV below.
- (b) the securities so transferred are in conformity with the investment objective of the Scheme/Plan to which such transfer has been made.

(iii) The scheme shall not invest in or lend to another UTI scheme/plan unless the regulatory authority so permits.

(iv) The scheme shall take delivery of money market instruments purchased and give delivery of the instruments sold.

Notwithstanding anything mentioned in this offer document, any investment to be made in the Fund will be governed by such rules, regulations and guidelines as are formulated by the Reserve Bank of India and SEBI from time to time.

##### IV. Valuation of assets of the Scheme :

The investments made by this scheme will be valued at the close of business hours of every working day on the following basis :

- (i) The money invested in inter bank Call market for one day will be valued at the sum of money lent plus interest accrued till the start of the valuation day.
- (ii) The money invested in inter bank Call market for more than a day will be valued at cost plus interest accrued till the start of the valuation day.
- (iii) The money lying in various current accounts of the fund will be valued at cost plus accrued interest, if any, till the start of the valuation day.
- (iv) The money invested in T-Bills, CPs, CDs and other discount instruments will be valued at the yield at which the instrument was last traded. For this purpose a quota which is not more than two working days old will be considered valid. When there are no quotas available in the last two working days the instrument will be valued at cost plus the difference between the face value and cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.

(v) The interest bearing instruments will be valued at the yield at which the instrument was last traded. For this purpose a quote which is not more than two working days old will be considered valid. When there are no quotes available in the last two working days, the instruments will be valued at cost plus interest accrued till the start of the day plus the difference between the face value and cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.

For the purposes of items (iv) and (v) above a quote means any outright deal reported for settlement on the day of valuation on the National Stock Exchange or any outright deal reported in the Subsidiary Ledger Account of Reserve Bank of India.

Notwithstanding anything mentioned above the valuation policy can be modified by the Board of Trustees, Chairman or any other competent authority consistent with the objective of the scheme.

#### V. Determination of Net Asset Value (NAV):

The Net Asset Value of the scheme shall be calculated at the close of business hours of every working day by determining the value of the assets (as per the manner of valuation stated at clause IV above) and subtracting the liabilities of the scheme on account of expenses and provision. The Net Asset Value per unit shall be calculated by dividing the NAV of the Fund by the total number of units issued and outstanding at the close of business hours of that date. NAV calculated shall be upto four decimal places.

The Net Asset Value shall be determined and issued for publication on a daily basis.

#### VI. Transfer/pledge/assignment of Units:

Units issued under the scheme can not be transferred/pledged/assigned.

#### VII. Application forms signed by attorneys:

If any application is signed by a person lacking a power of attorney empowering him to do so, the original power of attorney or a notariaily certified copy of the same should be submitted along with the application unless the power of attorney has already been registered in the books of UFI Bank.

#### VIII. Development Reserve Fund (DRF) contribution:

Upto 0.10% of the daily average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the DRF of the Trust every year. DRF contribution will be part of recurring expenses.

The Trust instituted DRF in the year 1983-84 as a common fund to enable the to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new Scheme, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and also various other production & developmental work not related to or linked with any particular Fund itself.

DRF is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate image building efforts that are not connected to any specific Scheme and Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust.

#### IX. Publication of Accounts:

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending as of that date. The Trust shall, on request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts and statements so published.

#### X. Additions and Amendments to the Scheme:

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and the plan made thereunder, consistent with the objective of the scheme and the interest of the members, and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette. In case of any amendments prior approval of SEBI shall be obtained. When any change in

the fundamental attributes of the scheme or fees and expenses payable or any other change which would modify the scheme or affect the interest of the members is proposed to be carried out the consent of not less than three fourths of the members shall be obtained:

Provided that no such change shall be carried out unless three fourths of the members have given their consent and those who do not give their consent are allowed to redeem their holdings in the scheme.

Explanation: For the purposes of this clause "fundamental attributes" means the investment objective and terms of the scheme.

#### XI. Power to construe provisions:

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme and the plan made hereunder, only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee shall have the powers to construe the provisions of the scheme and the plan made thereunder, in so far as it not in any manner prejudicial contrary to the basic structure of the scheme and the plan made thereunder and such decision shall be final, conclusive and binding. The provisions of the scheme formulative thereunder and the provisions of the plan as stated in the scheme shall be read in conjunction to each other.

#### XII Relaxation of provisions

Only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the plan relax any of the provisions of the scheme and the plan made thereunder in case of any member or class of members upon such terms as may be deemed expedient.

Any changes in the offer document shall be with prior approval of SEBI.

#### XIII. Scheme and the Plan made thereunder to be binding on members:

The terms of the scheme and the plan made thereunder including any amendments, changes thereto from time to time shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contrary contained in the provisions of the scheme and the plan made thereunder.

#### XIV. Termination of the Scheme

(a) The Trust may wind up the Scheme under the following circumstances:

- (i) on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the Scheme to be wound up, or
- (ii) if 75% of the Members pass a resolution that the scheme be wound up; or
- (iii) if the SEBI so directs in the interest of the Members.

(b) Where the Scheme is wound up in pursuance of sub clause (a) above, the Trust shall give notice of the circumstances leading to the winding up of the Scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.

(c) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall:

- (i) cease to carry on any business activities in respect of the Scheme.
- (ii) cease to create and cancel units in the Scheme.
- (iii) cease to issue and redeem units in the Scheme.

(d) The Board of Trustees shall call a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take step for winding up of the Scheme.

(e) (i) The Board of Trustees or the person authorised under sub clause (d) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the Scheme.

- (ii) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (e) (i) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the Scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the Scheme as on the date when the decision for winding up was taken.

(f) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.

(g) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half years reports and annual report shall continue.

(h) After the receipt of the report referred to in clause XIV (f) of the scheme, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed the scheme shall cease to exist.

(i) The Trust shall pay the repurchase value as early as possible after the Statement of Membership along with the request letter for repurchase has been received by it and other procedural and operational formalities are complied with. The Statement of Membership, the request letter for repurchase and other forms, if any, shall be retained by the Trust for cancellation.

(j) In case of non-resident investors, repurchase proceeds will be sent to the member or relative of the member in India for crediting his Non-Resident (Ordinary) Account.

#### Role of UTI Bank

The Trust has entered into an agreement with the UTI bank to function as the collecting banker, paying banker and it will maintain member's records for a fee payable by the scheme. The scheme will be operated by the UTI Bank from its designated branch offices. However, UTI reserves the right to change the arrangement it has with the UTI Bank or substitute the services offered by it.

The services of UTI Securities Exchange Ltd. (UTI-SEL), a stock broking firm and an affiliate of UTI, may be utilised for securities transactions, as per the policies laid down by the Board of Trustees.

All the charges, commission or brokerage paid either to UTI Bank or UTI SEL will be disclosed in the half-yearly accounts.

#### Investors complaints

All investors of the scheme could refer their grievances to the Central Investor Relations Cell or any of the UTI branch offices at Mumbai.

- (i) Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India SNDT Women's University Basement Door No. 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai-400 020.
- (ii) Unit Trust of India, Commerce Centre 1, 28th floor, World Trade Centre, G. D. Somani Marg, Cuffe Parade, Mumbai-400005.

#### Rights of members :

1. Members under the Plan have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of the Plan.
2. The Members have a right to ask the Trustees about any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the Members.
3. The members have a right to inspect all documents listed under the heading "Documents available for inspection".

Approval of members of the Scheme shall be sought in the following circumstances :

- (i) whenever required to do so by SEBI in the interest of the members; or
- (ii) whenever required to do so on the requisition made by three-fourths of the members of the Scheme;
- (iii) when the majority of the trustees decide to wind up or prematurely redeem the units; or
- (iv) when any change in the fundamental attributes detailed in clause X of the scheme or fees and expenses payable or any other change which would modify the Scheme or affect the interest of the members is proposed to be carried out unless the consent of not less than three fourths of the members is obtained.

#### TAX GUIDE :

Returns under the scheme will normally be distributed through capital appreciation which is realisable on repurchase.

#### Tax Concessions

Taxation of income and capital appreciation under the plan will be subject to prevalent tax laws. As per the present taxation laws income from units to all residents and non-residents (if units are bought through payment from non-resident ordinary account) individuals and HUF by way of dividend under all schemes of the Trust including "UTI-Money Market Fund" will enjoy deduction from income upto an overall limit of Rs. 15,000/- under section 80L of Income Tax Act, 1961.

Any long term capital gains arising out of the plan will be subject to treatment indicated under section 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961.

Value of investment in units under the plan is exempted from wealth tax.

#### For Eligible Trusts

Units are approved securities under section 11(2) (b) of the Income Tax Act, 1961. Eligible Trusts investing in units will, therefore qualify for tax exemption in respect of income and corpus, under section 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

Disclosures regarding income tax/wealth tax/gift tax/capital gains tax, investments by NRIs/OCBs/FIIs are in conformity with the prevalent Income Tax Act, FERA and RBI's directions and permissions.

#### Auditors

M/s. S. K. Kapoor & Co., 16/98 LIC Bldg, The Mall, Kanpur 208 001 and M/s. Kalyaniwalla & Mistry, Maneckji Wadia Building, 127, Mahatma Gandhi Road, Mumbai. The auditors of the scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.

#### Documents available for inspection

The following documents will be available for inspection at the Central Investors Relation Cell, Unit Trust of India, SNDT Women's University Basement, Door No. 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai-400 020.

The UTI Act.

The General Regulations.

The agreement with UTI Bank.

Copy of the offer document of MMMF.

**UNIT TRUST OF INDIA  
CORPORATE OFFICE**

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg (New Marine Lines)  
Mumbai-400 020.  
Ph. No. 206 8468

**MMF DIVISION**

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg (New Marine Lines)  
Mumbai-400 020.  
Ph. No. 209 3639

Designated Branch of UTI Bank

UTI Bank Ltd., Universal Insurance Building

Sir P. M. Road, Fort,  
Mumbai-400 001.  
Ph. No. 283 5784

Mumbai, the 24th June 1997

UTI/DBDM/R-224/SPD 96/96-97.—Offer Document of the UTI Index Equity Fund formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) approved by circulation on 12th April, 1997 is published herebelow.

**A. G. JOSHI**  
General Manager  
Business Development & Marketing

**UTI-INDEX EQUITY FUND  
OFFER DOCUMENT**

Offer open from May 12, 1997 to June 25, 1997

The UTI Index Equity Fund has been formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) by the Board of Trustees of UTI

The scheme particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, and the units offered for public subscription have not been approved or disapproved by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the Offer Document.

**Scheme Objective**

It is a pure growth fund. The Scheme shall invest in a basket of securities of the National Stock Exchange—50 share Index (Nifty) and the BSE Sensitive Index with the objective of outperforming the two indices. The scheme will not replicate any of the indices but UTI will decide its portfolio weightage within the index scripts.

**Highlights**

A seven year close ended Scheme.

Allows investors the benefit of investment in the basket of blue-chip equity shares of the Bombay Stock Exchange Sensitive Index (Sensex) and the National Stock Exchange—50 share Index (Nifty).

**Safety net :** If after one year the NAV of the scheme is below par, the investors will have an option to repurchase at par upto 5000 units per investor. This option can be exercised by only the original allottees after one year from the date of allotment over a period of one month (i.e. from 01-08-1998 to 31-08-1998). The option can be exercised by each investor only once. Capital protection to the investor after one year is being guaranteed by the Development Reserve Fund of the Trust.

**Regular repurchase** allowed after three years from the date of allotment i.e. from 01-08-2000 at NAV based price, to be determined on a weekly basis.

**Listing** on the National Stock Exchange (NSE), within six months from the closure of subscription.

Dividends and Repurchase/Redemption proceeds for NRIs and OCBs are fully repatriable, where the investment is made by remittances from abroad or by debit to the NRE account or by cheque/draft issued from proceeds of FCNR deposits.

Tax benefits U/S 80L and U/S 48 & 112 of Income Tax Act, 1961 on dividends and capital gains from capital appreciation.

Capital gains tax exemption U/S. 54 EA and U/S. 54 EB of the Income Tax Act, 1961 subject to the provisions of lock-in-period under the said sections.

Open to resident and non resident adult individuals/HUFs/Partnership Firms/Trusts/Societies/Regd. Co-operative Societies/Bodies Corporate including Companies and Banks/Overseas Corporate Bodies (OCBs)/Mutual Funds/Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds/FIs/PSUs.

**Risk Factors**

Investments in Units of the Scheme are subject to market risks and the NAV of the Scheme may go up or down depending on the influence of market forces on the Scheme's portfolio.

Performance of the previous schemes is not necessarily an indication of future results. There can be no assurance that the objective of the scheme will be achieved.

UTI-Index Equity Fund is only the name of the Scheme and does not in any manner indicate the quality of the Scheme, its future prospects or returns. Investors are urged to study the terms of the offer carefully before they invest in the Scheme.

**Constitution of UTI**

Unit Trust of India was set up as a statutory body under UTI Act, 1963 with a view to encouraging saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July, 1964.

**Management of UTI**

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India.

Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

**Scale of Operation**

The Trust has been in operation for over 32 years and has built up expertise in managing funds of around Rs. 56,620 crores from over 50 million investors.

**Board of Trustees**

1. Shri G. P. Gupta—Chairman, Unit Trust of India.
2. Dr. P. J. Nayak—Executive Trustee, Unit Trust of India
3. Shri R. V. Gupta—Deputy Governor, Reserve Bank of India
4. Shri S. H. Khar—Chairman, Industrial Development Bank of India
5. Shri N. S. Sekhsaria—Managing Director, Gujarat Ambuja Cement Ltd.
6. Dr. Arvind Virmani—Advisor, Policy Planning, Govt. of India, Dept. of Economic Affairs, Ministry of Finance
7. Shri P. R. Khanna—Chartered Accountant.
8. Shri N. M. Govardhan—Chairman, Life Insurance Corporation of India

9. Shri P. G. Kakodkar—\*Chairman, S.B.I.
10. Shri N. Vaghul—Chairman, ICICI Ltd.
11. Shri Rashid Jilani—Chairman & Managing Director, Punjab National Bank

\*His term has expired with effect from 31-03-97.

## I. Short Title and Commencement :

- (1) This Scheme shall be called the UTI Index Equity Fund.
- (2) The Scheme shall be for a period of seven years i.e. from 1st August 1997 to 31st July 2004.
- (3) Units will be on sale from 12th May, 1997 to 25th June, 1997 for 45 days. Provided, however the Executive Committee of the Board of Trustee of the Unit Trust/Chairman may suspend the sale of units under the Scheme at any time in circumstances like war, disruption of trading in Stock Exchanges and other socio-economic factors after giving 7 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.

## II. Definitions :

In this scheme unless the context otherwise requires :

- (a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963; (52 of 1963).
- (c) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the Scheme who is not a minor and makes an application under Clause IV of the Scheme.
- (d) "Date of allotment" is 1st August 1997.
- (e) "Eligible institution" means an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.
- (f) "Listed" means the listing of units for the purpose of trading on the NSE.
- (g) "Non Resident Indian (NRI)", means Non Residents of Indian nationality/origin. A person shall be deemed to be "person of Indian origin" if he/she or either of his parents or any of the grand parents, howsoever high in degree or ascent, whether of paternal side or maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- (h) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (i) "Overseas Corporate Bodies (OCBs)", include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned, directly or indirectly, to the extent of atleast 60% by individuals of Indian nationality or origin resident outside India as also overseas trust in which atleast 60% of the beneficial interest is irrevocably held by such persons.
- (j) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- (k) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrars under the Scheme from time to time.
- (l) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act.
- (m) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992. (15 of 1992).
- (n) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- (o) "Trading" means the dealing in by buying or selling units through the National Stock Exchange (NSE) after the first allotment of units.
- (p) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (q) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- (r) "Unit holder" used as an expression under the Scheme shall mean and include the applicant who has been issued units under the Scheme.
- (s) "Unit Trust" or "Trust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (t) All other expressions not defined herein but defined in the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/Regulations.
- (u) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa.

## III. Face value of each unit :

The face value of each unit issued under the scheme shall be rupees ten.

## IV. Application for units :

- (1) Application for units may be made by residents and also non residents.

### (A) Residents

- (i) individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (ii) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing.
- (iii) a society as defined under the scheme.
- (iv) a registered co-operative society.
- (v) other bodies corporate including companies formed under the Companies Act, 1956 and Banks.
- (vi) Hindu Undivided Family.
- (vii) Partnership Firms.
- (viii) Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds.
- (ix) Mutual Funds in accordance with Regulation 44(1) read with Clause 4 of Schedule VII of the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996.
- (x) Public Sector Undertaking (PSUs).

### (B) Non-Residents On fully repatriable basis by

- (i) Non resident adult individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (ii) Non-Resident HUF.
- (iii) Non-resident Company/Overseas Corporate Bodies owned by NRIs to the extent of atleast 60%.

### (C) Foreign Institutional Investors registered with SEBI (FIIs).

- (2) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

## V. Minimum amount of investment

Application shall be made for a minimum of 200 units (Rs. 2000/-) and in multiples of 100 units (Rs. 1000/-) thereafter. There is no maximum limit. In case of investment of



Rs. 50,000/- and above, the investor is advised to furnish Income Tax P.A.N./G.I.R. number and I T Circle address if he/she is having so.

#### VI. Minimum target amount to be raised:

Amount of Rs. 10 crores is targeted to be raised under the scheme. Oversubscription, if any, will be retained by the Trust in full.

The Trust shall by A/C payee cheque refund not later than six weeks from the date of closure of the sale of units under the scheme the entire amount collected under the scheme, if the said targeted amount of Rs. 10 crores is not subscribed.

In the event of failure to refund the amounts within the period stipulated above, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @ 15% per annum on the expiry of six weeks from the date of closure of the sale of units.

#### VII. Limitation on expenses:

Initial issue expenses shall not exceed 6% of the funds raised under the Scheme. Initial issue expenses of the Scheme are estimated to be as under:

Expenses	%
Printing & Postage	1.50
Publicity & Marketing	1.75
Commission to agents	1.75
Registrars Charges	0.50
Stamp Fees & Custodial Fees	0.50
Total	6.00

Thus for every Rupee invested by an investor not less than 94 paise will be invested in the Scheme.

In addition to the initial issue expenses, the following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimated recurring expenses are as under:

Expenses	%
Administrative Expenses	0.90
Custodial Fees	0.50
Development Reserve Fund	0.25
Staff Welfare Trust	0.10
Registrars Fees	0.50
Brokerage and transaction cost	0.25
Total	2.50

The above expenses are estimates and are subject to change inter se as per actual expenses incurred. However, the total expenses would be within the limit of 6% of the funds collected for initial issue expenses, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

The total annual recurring expenses of the scheme excluding initial issue expenses and redemption expenses but including administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and Staff Welfare Trust shall be subject to the following limits:

- On the first Rs. 100 crores of the average weekly net assets—2.50%
- On the next Rs. 300 crores of the average weekly net assets—2.25%
- On the next Rs. 300 crores of the average weekly net assets—2.00%
- On the balance of the assets—1.75%

Expenses under the head 'Administrative expenses' 'Contribution to Development Reserve Fund' and 'Contribution to Staff Welfare Trust' will be subject to the following limits namely: (i) One and a quarter of one per cent of the

weekly average net assets outstanding in each accounting year of the scheme as long as the net assets do not exceed 100 crores, and (ii) One per cent of the excess amount over Rs. 100 crores, where net assets so calculated exceed Rs. 100 crores. UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. UTI will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

#### VIII. Mode of Payment

- (i) The payment for units by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Where applications are submitted at UTI branch offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UTI branch office at which the application is tendered is situated.

Provided, however, that the applicant who wishes to apply from a place other than where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office may do so by sending the application to the branch office of the Trust along with the bank draft after deducting therefrom charges payable for bank draft as per guidelines of Indian Banks Association. The collection centres/franchise offices are authorised to accept applications alongwith cheque payable locally or demand draft payable at places upto which the scheme is decentralised in which case the applicant may deduct charges payable for bank draft as per guidelines of Indian Banks Association, e.g. if the application amount is Rs. 10,000/- the bank draft charges for this amount is Rs. 20/-. Thus the draft can be prepared for Rs. 9,980/- (i.e. Rs. 10,000 less Rs. 20/-). The draft commission charges will from a part of the initial issue expenses of the Scheme.

However, in case of applications received along with local bank draft where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office bank draft commission will have to be borne by the investor.

- (ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre within 7 days from the date of issue of draft. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the Scheme, the balance due to him shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

- (iii) Mode of Investment with repatriation benefits:

The investments by NRIs/OCBs shall carry the right of repatriation of capital invested and income earned thereon and capital appreciation (if applicable), as long as the investor continues to be resident outside India. Investment in these cases can be made through one of the following modes:

- Draft in foreign currency.
- Draft in rupees issued in favour of UTI by foreign banks/Exchange House drawn on their Indian correspondent banks.
- By cheque drawn on investor's NRE account maintained with a Bank in India.

- (d) By cheque/draft issued from the proceeds of FCNR deposits.

Further, payment in Nepalese and Bhutanese currencies are not accepted. Investment in units is made in rupees, all foreign currency drafts are converted into Indian rupees at the rate of exchange ruling at the time of such conversion.

Shortfall, if any, will have to be remitted by NRI investors. Surplus of any, will be remitted back to NRI investors after deducting bank charges for such remittance at the ruling rate of exchange.

In view of the above it is advisable that NRI/OCB investors make payment by instruments mentioned at (b) & (c) above.

- (iv) Mode of investment without repatriation benefits :

Where funds held in NRO accounts are utilised for purchase of units, the funds so invested and capital appreciation (if applicable), will not qualify for repatriation out of India.

However as per RBI circular A.D. (M.A. Series) No. 18 dated August 19, 1994 the entire income earned thereon during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation.

While in such cases UTI will make payment in Rupees for credit to NRO A/C, investors are advised to contact their banks/Tax consultants if they desire remittance of dividend on units.

- (2) (a) Right of the Trust to accept or reject application :

The Trust shall have the right to accept and/or reject application for issue of units under the Scheme. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances : (i) the application is received with less than the minimum investment of Rs. 2000/-, (ii) the application has not been signed by the first applicant and (iii) the applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the Scheme shall be final.

- (b) Incomplete Application Liable For Rejection

In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum.

Refund will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities.

- (3) Applicant to comply with requirements under the Scheme before being issued units :

Persons applying for units under the Scheme shall satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust such as furnishing of the Trust deed, Resolution by the Managing Body to buy units in case of application from Trusts, etc. depending on the category of the investors. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust.

Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unitholding cancelled and the name deleted from the register of unitholders.

The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par after deduction of 25% as penalty or at such price as may be decided by the Trust, and recover the Income Distribution, if any, wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance.

The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

## IX. Sale of Units :

The sale price of units during the period of offer shall be at par. The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible, issue to the applicant Unit Certificates in marketable lots of 100 units subject to a maximum of 20 certificates. For the balance units, a consolidated unit certificate will be issued. The consolidated certificate will be split once, free of cost, on request from the unitholder. The Unit Certificates issued by the Trust to the eligible institution or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the Unit Certificates so sent.

The Trust shall send the Unit Certificates not later than 6 weeks from the date of closure of sale of units under the Scheme.

## X. Safety net :

The Trust guarantees capital protection to the investors after one year from the date of allotment. There will be a safety net for original investors to sell their investment upto 5000 units at par, should the NAV of the scheme fall below par at the time. This option can be exercised by the investors after one year from the date of allotment over a period of one month (i.e. from 01-08-98 to 31-08-98). The option can be exercised by each investor only once. The Development Reserve Fund of the Trust (DRF) will guarantee the capital protection after one year.

## XI. Repurchase of units :

(1) Repurchases under the Scheme will commence after three years from the date of allotment i.e. from 1st August, 2000. There shall be no repurchase during the first three years of the scheme except for settlement of death claim cases. The repurchase price will be based on the NAV of units (on historic basis) and shall be issued to the press for publication within six months from the date of closure of subscription and on a weekly basis thereafter.

While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit. Repurchase will be effected on receipt of the Unit Certificate(s) duly discharged. Partial repurchase shall be permitted subject to the unitholder maintaining a minimum balance of Rs. 2000/- (face value) per folio.

All the documents received shall be retained by the Trust for cancellation.

In the event of partial repurchase, depending on the number of units retained by him, the unitholder shall be issued fresh unit certificates. No interest shall be payable on the repurchase proceeds.

(2) In the event of the death of the unitholder/s and on surrender to the Trust by the legal representative of the Unit Certificate(s), the Trust shall on compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub clause (1) hereinabove in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust.

(3) The repurchase/redemption cheques, shall be despatched within 10 working days from the date of receipt of application (provided the application is in order) at the centre where the repurchase requests are processed.

No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

(4) In case of non-resident investors, repurchase proceeds will be remitted depending upon the source of investment as follows :

- (a) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad/by cheque/draft issued from proceeds of unitholder's FCNR deposit or from funds held in unitholder's Non-Resident (Ex-

ternal) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the unitholder in foreign currency (any exchange rate fluctuation will be borne by the unitholder) or can be sent to the unitholder's relative in India for crediting the unitholder's Non-Resident (External) Account provided he continues to be resident abroad. It can also be sent for crediting to his Non-Resident (Ordinary) Account if desired by the unitholder.

- (b) When units have been purchased from funds held in unitholder's Non-Resident (Ordinary) Account, the proceeds will be sent to the unitholder's relative in India for crediting to the unitholder's Non-Resident (Ordinary) Account.

#### XII. Restrictions on repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme, the Trust shall not be under any obligation to repurchase units :

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unitholders is closed for any purpose as notified by the Trust.

Explanation :—For the purpose of this Scheme the term "working day" shall mean a day which has not been either :

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or
- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

#### XIII. Listing

The units issued under the scheme shall be listed on NSE within six months from the date of closure of subscription. An application for listing shall be made to NSE immediately on receipt of the approval of the scheme from SEBI as per Regulation 32 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

#### XIV. Unit Certificate :

The Trust shall issue unit certificates in marketable lots of 100 units subject to a maximum of 20 certificates. For the balance units, a consolidated unit certificate will be issued. The consolidated certificate will be split once free of cost, on request from the unitholder.

The non resident Indian may choose any one of the following modes of despatch of Unit Certificates :

- (a) At the applicant's Indian/Foreign address OR
- (b) At the applicant's relative address in India.

#### XV. Manner of preparation of Unit Certificate :

The Unit Certificate shall be in such form as may be decided by the Executive Director, of the Trust.

The Unit Certificate may be engraved or lithographed or printed as the Board may from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Unit Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. Unit certificates shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Unit Trust.

Provided that should the Unit Certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the Certificate, the Unit Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the Certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

#### XVI. Exchange of Unit Certificate and procedure when Unit Certificate is mutilated, defaced, lost etc. :

- (1) In case any Unit Certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Unit Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new Unit Certificate representing the same

aggregate number of units as the mutilated or defaced Unit Certificate. In case any Unit Certificate should be lost, stolen or destroyed, the Unit Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new Unit Certificate in lieu thereof.

No such new Unit Certificate shall be issued unless the applicant shall previously have :

- (i) furnished to the Unit Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original Unit Certificate.
- (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts :
- (iii) (in case of mutilation of wearing out or defacement) produced and surrendered to the Unit Trust the mutilated or worn out or defaced Unit Certificate, and
- (iv) furnished to the Unit Trust such indemnity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such Certificate in good faith under the provisions of this clause.

- (2) Before issuing any Unit Certificate under the provisions of this clause, the Unit Trust may require the applicant for the Unit Certificate to pay a fee of Rupee Five per Unit Certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

Notwithstanding the above, the unitholder under the scheme shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

#### XVII. Register of unitholders :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders—

- (1) A register of the unitholders shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register inter alia;
  - (a) the names and address of the unitholders;
  - (b) the number of the Unit Certificates and the number of units held by every such person; and
  - (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.
- (2) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.
- (3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf herein-after contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge and in connection with his own investment.
- (4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 45 days in any one year. The Trust shall give notice of such closure by advertisement in newspapers or other media.
- (5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

#### XVIII. Application by and registration of eligible institutions etc. :

- (1) Eligible institutions, body corporates, partnership firms and societies (including co-operative societies) may be registered as unitholders.

(2) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and articles of association, Byelaws, a certified copy of the partnership deed in case of application on behalf of partnership firms etc. an authorised copy of the resolution by the managing body etc. authorising investment in units and a copy of the requisite Power of Attorney.

#### XIX Receipt by unitholder to discharge Trust:

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the Scheme shall be a good discharge to the Trust.

#### XX. Death of a unitholder:

(1) In case of death of any of the joint unitholders of units, the survivor(s) shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the scheme. Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

(2) In the event of death of a single unitholder, the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.

(3) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of a unitholder(s) may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

(4) In the event the legal heir is a person eligible to hold units then at the desire of the said legal heir, the legal heir may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued Unit Certificate(s) in his name indicating units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings

(5) In the event of death of a single unitholder during the lock-in period the Trust shall settle the claim after compliance with necessary formalities and pay the legal heir the repurchase value as detailed in the relevant clause(s) or arrived at by any other method as may be decided by the Trust.

(6) In case of death of non-resident unitholder(s) the repurchase proceeds of the units can be remitted to the non-resident legal heir(s) provided:

- (a) units were bought out of funds remitted from outside India, from funds held in non-resident (E) account in India or from proceeds of FCNR deposits and
- (b) The legal heir(s) reside outside India. Where units have been purchased from funds held in NRO accounts the repurchase proceeds in case of non-resident legal heir(s) will not qualify for repatriation out of India.

#### XXI. Income Distribution:

(1) Consistent with the objective of the scheme to provide capital appreciation, the Trust may or may not declare dividend.

The income distribution, if any, after deduction of tax, if any, shall be distributed as soon as may be possible after the closing of the annual accounts as on the 30th of June each year. UTI shall despatch the income distribution warrants within 42 days of the date of declaration of the dividend.

(2) It shall be lawful for a unitholder to receive and retain any income declared by the Trust in respect of units of which he is such holder; notwithstanding that the units have already been transferred by him for consideration unless the transferee who claims the income from the transferor has within fifteen days of the date on which the in-

come became due, lodged the Certificate and all other documents relating to the transfer which may, under the provisions or otherwise, be required by the Trust, for being registered in his name.

Explanation: The period specified in this sub clause shall be extended—

- (i) in case of death of the transferee, by the actual period taken by his legal representative to establish his claim to the income.
  - (ii) in case of loss of the transfer deed by theft or any other cause beyond the control of the transferee by the actual period taken for the replacement thereof; and
  - (iii) in case of delay in the lodging of any certificate and other documents relating to the transfer connected with the transit through the post, by the actual period of the delay.
- (3) Nothing contained hereinabove shall affect the right of the Trust to pay to the unit holder any income which has become due, in respect of units of which he is such a holder.
- (4) No interest shall be payable by the Trust on such income distributable among the unit holders.

However, the Trust depending upon the reserves built under the scheme and if circumstances permit, shall compensate the unitholder to the extent possible in such form and manner as approved by the Executive Committee on any delayed claim of dividend by the unitholder.

(5) The income if distributed among the unitholders shall be paid by cheque or warrant or any other instrument drawn on the Trusts bankers at the places where its offices are situated or, at the option of the unitholder, by a bank draft, the charges for such bank draft, being borne by the unit holder.

#### Income Distribution to Non Resident Indian investor

Dividend under the Scheme shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of dividend is as follows:

- (a) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the unitholder's FCNR deposits or from funds held in unitholder's Non-Resident (External) Account kept in India,
  - (i) The proceeds can be remitted to the unitholder in foreign currency. OR
  - (ii) The warrant can be issued in the name of the unitholder and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the unitholder. OR
  - (iii) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for crediting his account.
- (b) When units have been purchased from funds held in unitholder's Non-Resident (Ordinary) Account,
  - (i) The warrant will be despatched to the relative of the investor in India, for crediting the Non-Resident (Ordinary), Account of the unitholder. OR
  - (ii) The warrant can be issued in the name of the relative who is resident in India and sent to him for crediting his account.

#### XXII. Valuation of assets pertaining to this Scheme:

(1) Quoted investments including those under lock-in period are valued at the closing market rates of valuation or the latest available quote within a period of sixty days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of sixty days prior to the valuation date, the same is treated as unquoted investment.

(2) In case of quoted debentures and bonds, the market rate, being cum-interest, the same is adjusted for the interest element, if any.

(3) Unquoted/non-traded equity share are valued at the average of capitalisation of earnings and the book-value (break-up value) minus 10% or the book-value, whichever is lower.

(4) Unquoted debentures, bonds and transferable notes are valued at yield to maturity, based on the rating of the instrument as determined by the Board of Trustees of the Trust.

(5) Unquoted warrants are valued at the market rate of the underlying shares discounted for dividend element if any, and reduced by the exercise price payable. In cases where the exercise price is higher than the value so derived the value of warrants is taken as nil.

(6) Bonus/right entitlements are recognised on ex-bonus/ex-rights dates.

(7) Convertible debentures and bonds where composite market quotations are not available, the convertible portion is valued at the market rates relevant to equity shares, discounted for dividend element, if any. The non-convertible portion if any, of such debentures and bonds are valued at yield to maturity, as determined by the Board of Trustees of the Trust. Where terms of conversion are not specified in respect of the convertible portion, the same is valued at cost.

(8) Money market instruments may be valued on the basis of quotations obtained from more than one dealer or broker.

(9) Government Securities are valued at yield to maturity (YTM) based on the prevailing market rates.

(10) The aggregate value of investments as computed in accordance with (1) to (9) above is compared to the aggregate cost of such investments and the resultant depreciation, if any, is charged to revenue account.

#### XXIII. Computation and disclosure of Net Asset Value (NAV) :

The Net Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into consideration the accruals and provisions. The Net Asset Value per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date. The NAV (on historic basis) shall be issued to the press for publication within 6 months from the closure of subscription and on a weekly basis thereafter.

#### XXIV. (a) Investment Objectives :

Investment objective of the Scheme is to primarily provide capital appreciation to the unitholder.

Funds collected under the scheme shall after providing for all initial preoperative and operational expenses generally be invested as follows :

(i) Atleast 90% of the funds will be invested in equities and equity related instruments of companies constituting the Bombay Stock Exchange sensitive index (Sensx) and the National Stock Exchange 50-share Index (Nifty). The risk profile of equity investments could be high. The investment in the stocks comprising the BSE Sensx and Nifty will not be in the proportion of their weightages in the respective indices and the objective of the fund will be to outperform the indices and not to track them. In the event that any stock moves out of the BSE sensitive index or the Nifty the scheme shall retain/disinvest these stocks at the discretion of the fund manager.

(ii) Upto 10% of the funds could be invested in fixed income securities and money market instruments. The risk profile of investment will be low to medium.

Notwithstanding the aforesaid, the proportion of investment could be varied at the discretion of the fund manager depending on the market conditions and the investment

avenues available. Any variation in the proportion of investment shall be consistent with the investment objective of the scheme.

Pending deployment of funds of the scheme in securities in terms of the investment objective stated above the Trust may invest the funds of the scheme in short term deposits of scheduled commercial banks.

#### (b) Investment Policies :

(i) All debt instruments in which investments are made by the scheme should have been rated as investment grade by a credit rating agency which may be recognised from time to time : Provided that if the debt instrument is not rated, the specific approval of the Board of Trustees of the Trust shall be taken for investment.

(ii) No term loans will be advanced by this scheme.

(iii) Transfer of investments from this scheme to another Scheme/Plan of the Trust shall be done only if :—

(a) such transfers are done at the prevailing market price for quoted instruments on spot basis.

(b) the securities so transferred shall be in conformity with the investment objective of the Plan/Scheme to which such transfer has been made.

(c) Transfer of unlisted or unquoted investments from the Scheme to another Scheme/Plan of the Trust shall be done as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust.

(iv) The scheme may invest in another Scheme/Plan of the Trust or any other mutual fund without charging any fees, provided that aggregate inter-scheme investment made by all schemes of the Trust or in schemes under the management of any other asset management company shall not exceed 5% of the net asset value of the mutual fund.

(v) The Trust shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction or engage in badla finance.

(vi) The Trust shall, get the securities purchased or transferred in the name of the Trust on account of the scheme, wherever investments are intended to be of long term nature.

(vii) The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or dividend to the unitholders.

Provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months.

The services of UTI Securities Exchange Limited (UTI SEL) a stock-broking firm and subsidiary of UTI may be utilised for securities transactions of the Scheme as per the policies and subject to the limits laid down by the Board of Trustees of the Trust. UTI SEL was set up in 1994. It is a high technology company offering fair transparent and efficient services to suit investors requirements. Its registered office is at Mumbai.

(c) However, notwithstanding anything contained in respect of clauses XXIII, XXIII and XXIV (b) above, the valuation of assets, computation of NAV, repurchase price and their frequency of disclosure would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations/Guidelines/Directives issued by SEBI from time to time.

**XXV. Trusts not to be admitted and recognised for the purpose of the Scheme :**

The person who is registered as the unitholder and in whose name Unit Certificates have been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such units; and the Trust may recognise such unitholder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any units represented in the scheme.

**XXVI. Transfer/Pledge/Assignment of Units :**

Units issued under the Scheme are Transferable/Pledgeable/Assignable subject to the following terms :

- (a) The unit certificate issued in accordance with the provisions of the scheme is negotiable and can be transferred to the individuals, expressed and such other categories as are mentioned in Clause IV of the provisions of the Scheme.
- (b) Transfers may be effected only by and between transferors and transferees who are eligible to hold units. The Trust shall not be bound to recognise any other transfer.
- (c) Transfer instruments with the relative unit certificates and accompanied by such fee as may be prescribed from time to time by the Trust shall be lodged with any of the offices of the Registrars appointed for the purpose.
- (d) Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrars.
- (e) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to hold units until the name of the transferee is entered in the register of unitholders by the Registrars.
- (f) The Registrars may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (g) The Registrars may subject to compliance with such requirements as they deem necessary dispense with the production of the original unit certificates, should it be lost, stolen or destroyed.
- (h) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the unit certificates may be retained by the Registrars.
- (i) The Registrars recognising and registering a transfer may issue the original or fresh unit certificates to the transferee upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer and issue certificates.
- (j) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a scheduled bank upon enforcement of a pledge then the Registrars shall subject to the production of such evidence which in their opinion is sufficient, proceed to effect the transfer, if the intended transferee is otherwise eligible to hold units.
- (k) Subject to the provisions contained hereinabove the Trust shall register the transfer and return the Unit Certificates, to the transferee within 30 days from the date of lodgement of Unit Certificate together with the relevant instrument of transfer.

**XXVII. Development Reserve Fund (DRF) contribution :**

0.25% of the weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust every year.

**DRF contribution will be part of recurring expenses.**

The Trust instituted this fund in the year 1983-84 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new Schemes, innovation of new systems and procedure at the conceptual stage and also various other productional & developmental work not related to or linked with any particular Scheme itself. Fund is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate image building efforts that are not connected to any specific Scheme, Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust.

**XXVIII. Staff Welfare Trust Contribution :**

0.10% of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Trust. The Trust has instituted the Staff Welfare Trust for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

**XXIX. Publication of Accounts :**

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the Scheme during the period ending as of that date. The Trust shall furnish to SEBI copies of duly audited annual accounts including the balance sheet and Revenue accounts as also unaudited half yearly accounts and the quarterly statement of movements in NAV and a quarterly portfolio statement including changes from the previous periods. The Trust shall make such disclosures to the investors as are essential to keep them informed about any information which may have an adverse bearing on their investments. The Trust shall, on request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts and statements so published.

**XXX. Additions and Amendments to the Scheme :**

The Board may from time to time add to or otherwise amend this Scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette. In case of any amendments prior approval of SEBI shall be obtained.

When any change in the fundamental attributes of the scheme or the trust or fees and expenses payable or any other change which would modify the scheme or affect the interest of the unitholders in proposed to be carried out the consent of not less than three-fourth of the unitholders shall be obtained.

Provided that no such change shall be carried out unless three-fourths of the unitholders have given their consent and the unitholders who do not give their consent are allowed to redeem their holdings in the scheme.

Explanation: For the purposes of this clause "fundamental attributes" means the investment objective and terms of the scheme.

**XXXI. Termination of the Scheme :**

(a) The Scheme shall stand finally terminated on 31-07-2004, the outstanding units of the unitholders shall be repurchased and the unitholders shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the repurchase price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue. However, the Trust reserves with the prior approval of SEBI the right to extend the scheme beyond 7 years. In such an event the unitholder shall be given an option to either sell back the units to the Trust or to continue in the scheme. The Trust could also give the investor the option to convert the repurchase proceeds in to any other scheme launched or in operation at that time.

(b) The Trust may wind up the Scheme under the following circumstances :

- (i) on the expiry of seven years of the scheme i.e. on 31st July, 2004 or on the expiry of such date beyond seven years as may be decided by the Trust.

- (ii) on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the Scheme to be wound up, or
- (iii) if 75% of the unitholders pass a resolution that the scheme be wound up; or
- (iv) if the SEBI so directs in the interest of the unitholders.

(c) Where the Scheme is wound up in pursuance of sub clause (b) above, the Trust shall give notice of the circumstances leading to the winding up of the Scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.

(d) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall—

- (i) cease to carry on any business activities in respect of the Scheme.
- (ii) cease to create and cancel units in the Scheme.
- (iii) cease to issue and redeem units in the Scheme.

(e) The Board of Trustees shall call a meeting of the unitholders to consider and pass necessary resolution by simple majority of the unitholders present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the Scheme.

Provided that a meeting shall not be necessary if the scheme is wound up at the end of the maturity period of the scheme.

(f) (i) The Board of Trustees or the person authorised under sub clause (e) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the unitholders of the Scheme.

(ii) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (f) (i) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the Scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the unitholders in proportion to their respective interest in the assets of the Scheme as on the date when the decision for winding up was taken.

(g) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the unitholders a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the unitholders and a certificate from the auditors of the scheme.

(h) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half yearly reports and annual report shall continue.

(i) After the receipt of the report referred to in clause XXXI (e) of the scheme, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed, the scheme shall cease to exist.

(j) The Trust shall pay the repurchase value as early as possible after the Unit Certificate(s) duly discharged has been received by it and other procedural and operational formalities are complied with. The Unit Certificates and other forms, if any shall be retained by the Trust for cancellation.

(k) In case of non-resident investors, repurchase/maturity proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:

- (i) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the unitholder's FCNR deposits or from funds held in unitholder's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the unitholder in foreign currency.

- (ii) When units have been purchased from funds held in unitholder's Non-Resident (Ordinary) Account, maturity cheque will be despatched to the relative of the investor in India for crediting the Non-Resident (Ordinary) Account of the unitholder.

#### XXXII. Power to construe provisions :

If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of the Scheme, only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme, and such decision shall be conclusive, binding and final.

#### XXXIII. Relaxation of provisions :

Only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme, relax any of the provisions of the Scheme. Any such relaxation would not be contradictory to Clause XXX and shall not be discriminatory and would apply to all unitholders on a uniform basis.

Any changes in the offer document shall be with prior approval of SEBI.

#### XXXIV. Scheme to be binding on unitholders :

The terms of the Scheme including any amendments, changes thereto from time to time shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contrary contained in the provisions of the Scheme.

#### XXXV. Benefits to the unitholders :

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital, reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the Scheme shall be available only to the unitholders who hold the units for the full term of the Scheme till its closure.

Approval of unitholders of the Scheme shall be sought in the following circumstances :

- (i) whenever required to do so by SEBI in the interest of the unitholders; or
- (ii) whenever required to do so on the requisition made by three-fourths of the unitholders of the Scheme;
- (iii) when the majority of the trustees decide to wind up or prematurely redeem the units; or
- (iv) when any change in the fundamental attributes detailed in clause XXX of the scheme or fees and expenses payable or any other change which would modify the Scheme or affect the interest of the unitholders is proposed to be carried out unless the consent of not less than three fourths of the unitholders is obtained.

#### TAX GUIDE

##### Tax Concessions

Taxation of income and capital appreciation under the Scheme will be subject to prevalent tax laws. As per the present taxation laws income from units to all residents and non-residents (if units are bought through payment from non-resident ordinary account, income of individuals and HUF) by way of dividend under all schemes of the Trust including "UTI-Index Equity Fund" will enjoy deduction from income upto an overall limit of Rs. 15,000/- under section 80L of Income Tax Act, 1961.

Any long term capital gains arising out of the Scheme will be subject to treatment indicated under sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961.

Value of investment in units under the Scheme is exempted from wealth tax.

##### Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA

Investment of entire or part of net consideration arising out of transfer of long term capital assets in UTI-Index



Equity Fund will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to repurchase/transfer/pledge after three years from the date of acceptance of the application.

#### Capital Gains Tax Exemption under Section 54EB-

Investment of entire or part of capital gain arising out of transfer of long term capital assets in UTI-Index Equity Fund will be eligible of capital gains tax exemption under Section 54EB of the Income Tax Act, 1961 subject to repurchase/transfer/pledge after seven years from the date of acceptance of the application.

#### For Eligible Trusts

Units are approved securities under section 11 (2) (b) of the Income Tax Act 1961, Eligible Trusts investing in units will, therefore qualify for tax exemption in respect of income and corpus under section 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

#### Deduction of Tax at source

##### Residents

As per the present taxation laws the Trust is required under section 194K to deduct income tax at source @ 15% from the income payable to individual unitholders under the Scheme if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

Similarly, tax will be deducted at source @ 15% from the income payable to HUFs if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

##### Non-Residents

As per Finance Act, 1995, Section 196A of the Income Tax Act, 1961 has been substituted to provide for deduction of tax at source at the rate of 20% on income received by NRIs in respect of units of any Schemes of UTI acquired by them through payment from Non-Resident (Ordinary) Account.

As per circular No. 734 F No. 500/4/96-FTD, dated 24th January, 1996 issued by the Govt. of India, Ministry of Finance, Dept. of Revenue in order to avoid double taxation for Non-Resident unitholders residing in UAE the tax will be deducted at source at a concessional rate of 15% where source of fund is NRO account.

#### No deduction of tax

##### Residents :

Unitholder (not being a company or a firm), desiring receipt of income without deduction of tax at source should furnish to the Trust a declaration in writing, in duplicate, in the prescribed form No. 15H and verified in the prescribed manner to the effect that the tax on his/its estimated total income of the assessment year will be nil. The form prescribed for non deduction of tax at source should be submitted alongwith application and for subsequent years atleast three months before the despatch of income distribution warrants, failing which tax will be deducted at source as per the prevalent tax laws.

No deduction of tax will be made for Trusts which are covered under Sections 11 or 12 or 10(22) or 10(22A) or 10(23) or 10 (23AA) or 10(23C) of the Income Tax Act, 1961 on the basis of a declaration in the format provided in the application form.

##### Non Residents :

In case of Non-Residents, if units are bought directly through remittance in foreign exchange or through payment from Non-Resident (External) account kept in India or from proceeds of FCNR deposits, income from such units is totally exempt from Income tax.

In the above case UTI shall not deduct income tax at source irrespective of the amount of dividend.

Disclosures regarding income tax/wealth tax/gift tax/capital gains tax, investments by NRIs/OCTs/FITs are in conformity with the prevalent Income Tax Act, FERA and RBI's directions and remissions.

##### Rights of Unitholders :

1. Unitholders under the Scheme have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of and to the dividend declared by the Scheme.
2. The Unitholders have a right to ask the Trustees about any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the Unitholders.
3. The Unitholders have the right to inspect all documents listed under the heading "Documents available for inspection".
4. The Unitholders are entitled to have the dividend warrants despatched to them within 42 days of the date of declaration of the rate of dividend, if any.
5. Subject to the conditions stated in clause XXVI on Transfer/Pledge/Assignment of units the Trust shall register the transfer and return the unit certificate(s) to the transferee within 30 days from the date of lodgement of the unit certificate(s) togetherwith the relevant instrument of transfer.

##### Custodians

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B-Wing, Nauman Point, Mumbai 400 021, have been functioning as custodian for all our Schemes and Plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securities belonging to Schemes/Funds/Plans of the Trust and hold them in custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the Trust and on receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non-discretionary and procedural details for discharge of normal custodial functions in connection with the sale, purchase, transfer and other dealings with the securities, other assets held by them as an agent except as may otherwise be directed by the Trust.

Custodians shall provide all information, reports or any explanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of securities belonging to the Plans/Funds/Schemes of the Trust.

##### Auditors

M/s. S. K. Kapoor & Co. 16/98 LIC Bldg. The Mall, Kanpur 208001 and M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accountants, 24, Park Street, Calcutta-700 016.

The auditors of the Scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.



## ANNEXURE I

Scheme Name	No. of Complaints			Pending to Total Recd.
	Received	Redressed	Pending	
1	2	3	4	5
CCCF	2553	2428	125	4.90%
CGOF	18132	17704	428	2.36%
CGS-83	16848	16449	399	2.37%
CGUS-91	4795	4722	73	1.52%
CRTS	184	140	44	23.9%
DIUP-93	414	403	11	2.66%
DIUP-95	967	947	20	2.07%
DIUS-90	1829	1806	23	1.26%
DIUS-91	3671	3620	51	1.39%
DIUS-92	2218	2101	27	1.22%
EOF	760	757	3	0.39%
GCGI	10784	10579	205	1.90%
GMIS-91	13165	10880	2285	17.36%
GMIS-92	3209	2984	225	7.01%
GMIS-92(II)	788	776	12	1.52%
GMIS-B-92	254	250	4	1.57%
GMIS-B-92(II)	2136	2074	62	2.90%
GRANDMASTER-93	829	807	22	2.65%
GRIHALAKSHMI U.P.	1493	1447	46	3.08%
HOUSING UNIT SCHEME	248	210	38	15.32%
IISFUS	4	4	0	0.00%
MASTERGAIN-92	43608	41992	1616	3.71%
MASTERGROWTH-93	2314	2226	88	3.80%
MASTERPLUS-91	10612	10527	85	0.80%
MASTERSHARE-86	15801	14462	1339	8.47%
MEP-91	4401	4105	206	4.63%
MEP-92	36357	34932	1425	3.92%
MEP-93	24484	23747	737	3.1%
MEP-94	8229	8147	82	1.00%
MEP-95	13549	13384	165	1.22%
MEP-96	4351	4307	44	1.01%
MIP-93	2422	2399	23	0.95%
MIP-94(I)	2454	2313	141	5.75%
MIP-94(II)	4247	4146	101	2.38%
MIP-94(III)	6459	6171	288	4.46%
MIP-95	3230	3144	86	2.66%
MIP-95(II)	4101	3770	331	8.07%
MIP-95(III)	3010	2913	127	4.18%
MIP-96	2431	2391	40	1.65%
MIP-96(II)	2345	2782	63	2.21%
MIP-96(III)	2770	2414	300	12.00%
MIP-96(IV)	347	337	10	2.88%
MIS-B-93	3092	3890	102	2.56%
MISG-90(I)	218	173	45	20.64%
MISG-90(II)	1708	1665	43	2.52%
MISG-91	2265	2219	46	2.03%

1	2	3	4	5
OMNI-PLAN	44	36	8	18.18%
PRIMARY EQUITY FUND	442	334	108	24.43%
RAJLAKSHMI U.P.	7689	7332	357	4.64%
RETIREMENT BENEFIT PLAN	2292	2219	73	3.18%
SENIOR CITIZEN U.P.	1161	1106	55	4.74%
UGS-2000	10857	9674	1183	10.90%
UGS-5000	5966	5767	199	3.34%
ULIP	12369	11134	1235	9.98%
US-64	180943	166153	14790	8.17%
US-92	7358	7355	3	0.04%
<b>TOTAL</b>	<b>520637</b>	<b>490934</b>	<b>29703</b>	<b>5.71%</b>

*Reasons for pending complaints are :*

- (1) Non-receipt of application/funds from the collecting banks.
- (2) Incomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- (3) Change of address of investor not informed/not updated.
- (4) Loss in transit.
- (5) Postal delay.
- (6) Non compliance of required documents in case of transfer/death claims/Repurchase.
- (7) Incomplete details while forwarding the complaints.
- (8) Non-receipt/delayed receipt of commission.
- (9) Letters/Documents sent to the wrong office/Registrars.

All investors could refer their grievances giving full particulars of investment to concerned Investors' Relation Cell at the following addresses :

**WESTERN ZONE :**

Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
Commerce Centre 1, 28th Floor,  
World Trade Centre, G D Somani Marg,  
Cuffe Parade, Mumbai-400 005.  
Tel : 2180172/2181600.

**EASTERN ZONE :**

Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
2, Fairlie Place, 2nd Floor,  
Calcutta-700 001  
Tel : 2434581

**SOUTHERN ZONE :**

Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
UTI-House, 29, Rajaji Salai,  
Chennai-600 001  
Tel : 517101 Ext. 360/364.

**NORTHERN ZONE :**

Unit Trust of India  
Investors' Relation Cell  
Herald House, 2nd floor,  
5A, Bahadurshah Zafar Marg,  
New Delhi-110 002.  
Tel : 3329860

*Registrars*

M/s MCS Ltd. have been appointed to work as Registrars.

It has been ascertained that the Registrars have adequate capacity to discharge its responsibilities with regard to processing of applications, transfer forms and repurchase requests, despatch of Unit Certificates and dividend warrants, if any, within the prescribed time frame and also handle investor complaints.

Processing of applications and after sales services will be handled from the four main branches of the Registrars :

**West Zone :** Sri Padmavathy Bhavan, Plot No. 93, Road No. 16, MIDC Area, Andheri (E), Mumbai-400 093. Tel. No. 820 1785, 820 5741.

**East Zone :** Sri Venkatesh Mangalam, 24/26 Hemanta Basu Sarani, Calcutta-700 001. Tel. No. 2102805/6.

**South Zone :** Sri Venkatesh Bhavan, 35 Armenian Street, Chennai-600 001. Tel. No: 524 0116, 523 1849.

**North Zone :** Shree Venkatesh Bhavan, 212 A Shahpur Jat, New Delhi-110 049. Tel. No: 621 3830/1.

*Documents available for inspection*

The following documents will be available for inspection at the Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India, SNDT Women's University Basement, Door No. 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai-400 020.

- \* The UTI Act
- \* The General Regulations
- \* The agreements with the custodians, registrars.
- \* Copy of Offer Document of UTI—Index Equity Fund.

# HISTORICAL DATA

Historical Statistics	1994-95				1995-96					31-12-96				
	Master Share	Master Plus '91	Master Growth	Unit Scheme '92	Master Share	Master Plus '91	Master Growth	Equity Opp. Fund	Unit Scheme '92	Master Share	Master Plus '91	Master Growth	Equity Opp. Fund	Unit Scheme '92
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
(A) Net Asset Value per unit	27.27	19.89	15.18	14.42	25.39	23.56	18.28	9.98	17.77	19.62	19.58	15.14	6.91	13.94
(B) Gross Income per unit broken up into:														
(i) Income other than profit on sale of Investment, per unit	0.51	0.26	0.19	0.19	0.58	0.42	0.30	0.01	0.46	0.25	0.22	0.14	-1.48	-0.15
(ii) Income from profit on inter scheme sales/transfer of investment, per unit	1.52	0.71	0.53	0.05	0.01	0.04	-0.01	0.00	0.01	0.02	0.00	0.00	0.00	0.33
(iii) Income from profit on sale of investment to third party unit	0.70	0.38	0.02	0.09	1.16	0.72	0.04	0.00	1.46	0.39	0.00	0.04	0.01	0.68
(iv) Transfer to revenue account from past year's reserve per unit	0.97	0.48	0.16	0.69	-0.03	1.09	0.40	0.00	1.21	0.00	2.15	0.65	-0.05	2.15
(C) Aggregate of expenses, write off amortisation and charges per unit	0.10	0.12	0.10	0.03	0.11	0.11	0.08	0.03	0.05	0.3	0.05	0.04	0.08	0.05
(D) Net income per unit:	1.66	1.69	0.80	0.90	1.60	2.15	0.65	-0.02	3.08	0.62	2.32	0.79	-1.55	2.95
(E) Unrealised appreciation/depreciation in value of investments, per unit:	13.82	8.81	4.80	3.43	14.16	11.41	7.63	0.00	5.87	7.77	7.21	4.35	-1.53	1.71
(F) Market price														
Highest	29.5	21.0	17.25	—	17.75	15.3	15.3	—	15.80	—	—	—	—	—
Lowest	17.0	11.75	9.25	—	11.70	9.5	7.00	—	14.00	—	—	—	—	—
Repurchase price														
Highest	—	—	—	—	—	—	—	—	16.74	—	—	—	—	16.70
Lowest	—	—	—	—	—	—	—	—	12.84	—	—	—	—	12.34
Sale price														
Highest	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Lowest	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
PE R tio	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
G) Per unit ratio of expenses to average net assets by percentage:		0.24	0.50	0.56	0.15	0.42	0.49	0.46	0.28	0.31	0.15	0.21	0.23	0.58	0.35
(H) Per unit, ratio of gross income to average net assets by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)		36.06	43.81	31.12	6.02	60.28	62.90	49.96	0.07	19.44	35.92	48.58	34.17	-17.36	21.22
(I) Per unit NAV		27.27	19.89	15.18	14.42	25.39	32.56	18.28	9.98	17.77	19.62	19.53	15.14	16.93	13.94

**UNIT TRUST OF INDIA  
CORPORATE OFFICE**

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg (New Marine Lines),  
Mumbai-400020, Tel. 206 8468

**ZONAL OFFICE**

*Westerh Zone* : Commerce Centre-1, 28th Floor, World Trade Centre, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai-400 005. Tel. 218 1600/218 1254. *Eastern Zone* : 2, Fairlie Place, 2nd Floor, Calcutta-700 001. Tel. : 220 9391/220 5322. *Southern Zone* : UTI House, 29, Rajaji Salai, Madras-600 001. Tel. 517 011. *Northern Zone* : Jeevan Bharati, 13th Floor, Tower II, Connaught Circus, New Delhi-110 001. Tel. : 332 9860/332 9858.

**BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE  
MUMBAI MAIN BRANCH OFFICE**

Commerce Centre-1, 29th Floor, Cuffe Parade, Colaba,  
Mumbai-400 005. Tel. 218 1600/218 0057

**BRANCH WHERE APPLICATIONS CAN BE TENDERED**

*Ahmedabad* : B. J. House, 2nd, 3rd & 4th Floor, Ashram Marg, Ahmedabad-380 009. Tel. : 6423043. *Baroda* : 'Meghdhanush', 4th & 5th Floor, Transpek Circle, Race Course Marg; Baroda-390 015. Tel. : 332 481. *Bhopal* : 1st Floor, Ganga Jamuna Commercial Complex, Plot No. 202, Maharana Pratap Nagar, Zone-1, Scheme-13, Habeeb Ganj, Bhopal-462 001. Tel. : 558 308. *Indore* : City Centre, 2nd Floor, 570, M.G. Marg, Indore-452 001. Tel. : 22796. *Mumbai* : (1) Unit No. 2 Block 'B', Gulmohar Cross Marg No. 9, Andheri (W), Mumbai-400 049. Tel. : 620 1995. (2) Persepolis Bldg., 3rd Floor, Above Andhra Bank, Sector-17, Vashi, Navi Mumbai-400 703. Tel. : 767 2607. (3) Lotus Court Bldg., 196, Jamshedji Pata Marg, Backbay Reclamation, Mumbai-400 020. Tel. : 285 0821. (4) Shraddha Shopping Arcade, 1st Floor, S.V. Marg, Borivilli (W), Mumbai-400 092. Tel. : 802 0521. (5) Sagar Bonanza, 1st Floor Khot Lane, Ghatkopar (W), Mumbai-400 086. Tel. : 516 2256. *Kolhapur* : Ayodhya Towers, C.S. No. 511, KH-1/2, 'E' Ward, Dabholkar Corner, Station Marg, Kolhapur-416 001. Tel. : 657 315. *Nagpur* : Shree Mohini Complex, 3rd Floor, 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg, Nagpur-440 001. Tel. : 536 893. *Nasik* : Sarda Sankul, 2nd Floor, M.G. Marg, Nasik-422 001. Tel. : 72166. *Panaji* : E.D.C. House, Ground Floor, Dr. A. B. Marg, Panaji, Goa-403 001. Tel. : 222 472. *Pune* : Sadashiv Vilas, 3rd Floor, 1183, Fergusson College Marg, Shivaji Nagar, Pune-411 005. Tel. : 325 954. *Rajkot* : Lallubhai Centre, 4th Floor, Lakhaji Raj Marg, Rajkot-360 001. Tel. : 35112. *Surat* : Saifee Bldg., Dutch Marg, Nanpura, Surat-395 001. Tel. : 434 550. *Thane* : UTI House, Station Marg, Thane (W)-400 601. Tel. : 540 0905.

**BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE JURIS-  
DICTION**

*Agra* : Ground Floor, Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra-282 002. Tel. : 54408. *Allahabad* : United Towers, 3rd Floor, 53, Leader Marg,

Allahabad-211 003. Tel. : 50521. *Amritsar* : Shri Dwarka-dhish Complex, 2nd Floor, Queen's Marg, Amritsar-143 001. Tel. : 210367. *Chandigarh* : Jeevan Prakash, LIC, Bldg., Sector 17-B, Chandigarh-160 017. Tel. : 543 683. *Dehradun* : 2nd Floor, 59/3, Rajpur Marg, Dehradun-248 001. Tel. : 26720. *Faridabad* : B-614-617, Nehru Ground, NIT, Faridabad-121 001. Tel. : 2100 010. *Ghaziabad* : 41, Nav-yug Market, Near Singhani Gate, Ghaziabad-201 001. Tel. : 752040. *Jaipur* : Anand Bhavan, 3rd Floor, Sansar Chandra Marg, Jaipur-302 001. Tel. : 365 212. *Kanpur* : 16/79-E, Civil Lines, Kanpur-208 001. Tel. : 317 278. *Lucknow* : Regency Plaza Building, 5, Park Marg, Lucknow-226 001. Tel. : 232 501. *Ludhiana* : Sohan Palace, 455, The Mall, Ludhiana-141 001. Tel. : 400 373. *New Delhi* : Gulab bhavan, 2nd Floor, 6, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi-110 002. Tel. : 331 8638. *Shimla* : 3, Mall Marg, 1st Floor, Above Jankidas & Co. Dept. Store, Shimla-171 002. Tel. : 4203. *Varanasi* : 1st Floor, D-58/2A-1, Bhawani Market Rathayati, Varanasi-221 001. Tel. : 54306.

**BRANCH OFFICE UNDER SOUTHERN ZONE JURIS-  
DICTION**

*Bangalore* : World Trade Centre, Chamber of Commerce, Kempegowda Marg, Bangalore-560 009. Tel. 226 3739. *Cochin* : Jeevan Prakash, 5th Floor, M.G. Marg, Ernakulam-682 011. Tel. : 362 354. *Coimbatore* : Cheran Towers, 3rd Floor, 6/25 Arts College Marg, Coimbatore-641 018. Tel. : 214973. *Hubli* : Kalburgi Mansion, 4th Floor, Lamington Marg, Hubli-580 020. Tel. : 363 963. *Hyderabad* : 1st Floor, -Surabhi Arcade, 5-1-664, 665, 669, Bank Street, Hyderabad-500 001. Tel. : 511 095. *Madras* : UTI House, 29, Rajaji Salai, Madras-600 001. Tel. : 517 101. *Madurai* : Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 108, Thiruparakundram Marg, Madurai-625 001. Tel. : 38186. *Mangalore* : Siddhartha Bldg., 1st Floor, Bal Mata Marg, Mangalore-575 001. Tel. : 426 258. *Thiruvananthapuram* : Swastik Centre, 3rd Floor, M.G. Marg, Thiruvananthapuram-695 001. Tel. : 331 415. *Trichy* : 104, Salai Marg, Woraiyur, Tiruchirapalli-620 003. Tel. : 27060. *Trichur* : 28/876/77 West Pallithamam Bldg., Karunakaran Nambiar Marg, Round North, Trichur-680 020. Tel. : 331 259. *Vijaywada* : 27-37-156, Bunder Marg, Next to Hotel Manorama, Vijayawada-520 002. Tel. : 74434. *Visakhapatnam* : Ratna Arcade, 3rd Floor, 47/15/6, Station Marg, Dwarkanagar, Vishakhapatnam-530 016. Tel. : 548 121.

**BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE JURIS-  
DICTION**

*Bhubaneshwar* : OCHC Bldg., 1st & 2nd Floor, 24, Jan-path, Kharvela Nagar, Near Ram Mandir, Bhubaneshwar-751 001. Tel. : 410 995. *Calcutta* : 2 & 4, Fairlie Place, Calcutta-700 001. Tel. : 220 9391. *Durgapur* : 3rd Administrative Bldg., 2nd Floor, Asansol Durgapur Development Authority, City Centre, Durgapur-713 216. Tel. : 4831. *Guwahati* : Jeevan Deep, M.L. Nehru Marg, Panbazar, Guwahati-781 001. Tel. : 543 131. *Jamshedpur* : 1-A, Ram Mandir Area, Ground & 2nd Floor, Bistupur, Jamshedpur-831 001. Tel. : 425 508. *Patna* : Jeevan Deep Bldg., Ground & 5th Floor, Exhibition Marg, Patna-800 001. Tel. : 235 001. *Siliguri* : Jeevan Deep, Ground Floor, Gurunanak Sarani, Siliguri-734 401. Tel. : 24671.

प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, करीबाबा द्वारा मन्त्रित  
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1997

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,  
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1997

